शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 04 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-155

1.8 लाख करोड़ की परियोजनाओं को मिली मंजूरी : नलिन कुमार @ नम्मा बेंगलूरु

तीन दिवसीय ध्यान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा देशवासियों के नाम पत्र

बड़ा लक्ष्य हासिल करने के लिए हमें बड़ा दायित्व निभाना है

कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक स्थल पर तीन दिवसीय ध्यान की पूर्णाहुति के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों के नाम पत्र लिख कर अपनी साधना से लेकर देश के सामर्थ्य और देश की विकास-यात्रा के संकल्प तक के बारे में विस्तार से अपने विचार और अनुभव साझा किए हैं। एक जून को कन्याकुमारी से दिल्ली लौटते समय शाम 4.15 बजे से सात बजे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह पत्र लिखा। प्रधानमंत्री का वह पत्र हूबहू प्रस्तुत है...

मेरे प्यारे देशवासियो,

लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व का एक पड़ाव एक जून को पूरा हो गया। तीन दिन तक कन्याकुमारी में आध्यात्मिक यात्रा के कितने सारे अनुभव, कितनी सारी अनुभूतियां हैं। मैं स्वयं में एक असीम ऊर्जा का प्रवाह महसूस कर रहा हूं। मुझे कन्याकुमारी में भारत माता के चरणों में बैठने का अवसर मिला। शुरुआती पलों में चुनाव का कोलाहल मन-मस्तिष्क में गूंज रहा था। रैलियों, रोड शो में देखे हुए अनगिनत चेहरे मेरी आंखों के सामने आ रहे थे। मेरी आंखें नम हो रही थीं। मैं शून्यता में जा रहा था, साधना में प्रवेश कर रहा था। कुछ ही क्षणों में राजनीतिक वाद-विवाद, वार-पलटवार, आरोपों के स्वर और शब्द अपने आप शून्य में समाते चले गए। मेरे मन में विरक्ति का भाव और तीव्र हो गया। मेरा मन बाह्य जगत से पूरी तरह निर्लिप्त हो गया। इतने बड़े दायित्वों के बीच ऐसी साधना कठिन होती है, पर कन्याकुमारी की भूमि और स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा ने इसे सहज बना दिया। मैं सांसद के तौर पर अपना चुनाव भी काशी के मतदाताओं के चरणों में छोड़कर यहां आया था। इस विरक्ति के बीच, शांति और नीरवता के बीच, मेरे मन में भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए, भारत के लक्ष्यों के लिए निरंतर विचार उमड़ रहे थे। कन्याकुमारी के उगते हुए सूर्य ने मेरे विचारों को नई ऊंचाई दी, सागर की विशालता ने मेरे विचारों को विस्तार दिया और क्षितिज के विस्तार ने ब्रह्मांड की गहराई में समाई एकात्मकता का निरंतर एहसास कराया। ऐसा लग रहा था, जैसे दशकों पहले हिमालय की गोद में किए गए चिंतन और अनुभव पुनर्जीवित हो रहे हों।

साथियो, कन्याकुमारी का यह स्थान हमेशा से मेरे मन के अत्यंत करीब रहा है। कश्मीर से कन्याकुमारी, यह हर देशवासी के अंतर्मन में रची-बसी हमारी साझी पहचान है। कन्याकुमारी संगमों के संगम की धरती है। हमारे देश की पवित्र नदियां अलग-अलग समुद्रों में जाकर मिलती हैं और यहां उन समुद्रों का संगम होता है। और यहां एक और महान संगम दिखता है, भारत का वैचारिक संगम! यहां विवेकानंद शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुवल्लूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामराजर मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की ये धाराएं यहां राष्ट्र चिंतन का संगम बनाती हैं। इससे राष्ट्र निर्माण की महान प्रेरणाओं का उदय होता है। जो लोग भारत के राष्ट्र होने और देश की एकता पर संदेह करते हैं, उन्हें कन्याकुमारी एकता का अमिट संदेश देती है।

साथियो, स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था, एवरी नेशन हैज अ मैसेज टू डिलीवर, अ मिशन टू फुलफिल, अ डेस्टिनी टू रीच। भारत हजारों वर्षों से इसी भाव के साथ सार्थक उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ता आया है। भारत की स्वतंत्रता से अन्य देशों को भी प्रेरणा और बल मिला, उन्होंने आजादी प्राप्त की। अभी कोरोना के कठिन कालखंड का उदाहरण भी हमारे सामने है, जब गरीब और विकासशील देशों को लेकर आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं, लेकिन भारत के सफल प्रयासों से तमाम देशों को हौसला और सहयोग मिला। आज भारत का गवर्नेंस मॉडल दुनिया के कई देशों के लिए एक उदाहरण बना है। सिर्फ 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर निकलना अभूतपूर्व है। प्रो-पीपल गुड गवर्नेंस, आकांक्षी जिला, आकांक्षी प्रखंड जैसे अभिनव प्रयोगों की आज विश्व में चर्चा हो रही है। गरीब के सशक्तिकरण से लेकर लास्ट माइल डिलीवरी तक, समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को प्राथमिकता देने के हमारे प्रयासों ने विश्व को प्रेरित किया है। भारत का डिजिटल इंडिया अभियान आज पूरे विश्व के लिए एक उदाहरण है कि हम कैसे टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल गरीबों को सशक्त बनाने में, पारदर्शिता लाने में, उनके अधिकार दिलाने में कर सकते हैं। भारत में सस्ता डाटा आज सूचना और सेवाओं तक गरीब की पहुंच सुनिश्चित करके सामाजिक समानता का माध्यम बन रहा है। पूरा विश्व टेक्नोलॉजी के इस डेमोक्रेटाइजेशन को शोध दृष्टि से देख रहा है और बड़ी वैश्विक संस्थाएं कई देशों को हमारे मॉडल से सीखने की सलाह दे रही हैं।जी-20 की सफलता के बाद से विश्व भारत की भूमिका को और अधिक मुखर होकर स्वीकार कर रहा है। आज भारत को ग्लोबल साउथ की एक सशक्त और महत्वपूर्ण आवाज के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। ▶9पर

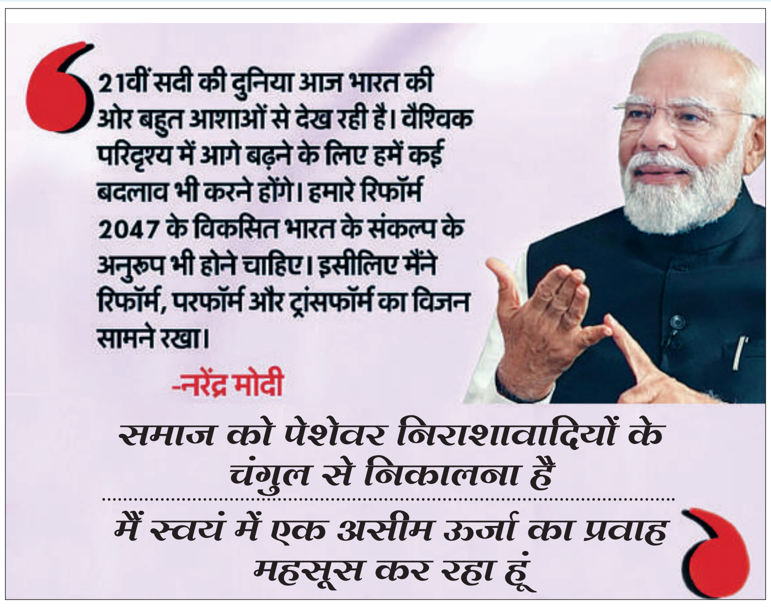

समाज को पेशेवर निराशावादियों के चंगुल से निकालना है

मैं स्वयं में एक असीम ऊर्जा का प्रवाह महसूस कर रहा हूं

चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए दिए सारे सवालों के जवाब

सम्पूर्ण मतगणना प्रक्रिया पुख्ता और मजबूत है

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने 4 जून को लोकसभा चुनाव का परिणाम घोषित करने के लिए अपनाई जाने वाली मतगणना प्रक्रिया के बारे में कहा कि देश की सम्पूर्ण मतगणना प्रक्रिया पूरी तरह मजबूत है। यह घड़ी की सटीकता के समान काम करती है। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती शुरू होगी। उसके आधे घंटे बाद ईवीएम की गिनती शुरू होगी। इसमें कोई संदेह नहीं रहना चाहिए। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, मैं पूरी जिम्मेदारी और दृढ़ता से यह कहता हूं कि मतगणना और अन्य चुनाव प्रक्रिया एक अत्यंत मजबूत प्रणाली है। हर भाग तय है। मतगणना प्रक्रिया संहिताबद्ध है। सिस्टम में कोई समस्या नहीं हो सकती। मुख्य चुनाव आयुक्त ने साफ-साफ कहा कि चुनाव आयोग की प्रणाली पर सवाल उठाने के पीछे कोई प्रामाणिकता नहीं है, यह महज अफवाहें फैलाने की कोशिश होती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव कर्मियों के सावधानीपूर्वक और सतर्कतापूर्वक किए गए काम की वजह से हमने कम पुनर्मतदान सुनिश्चित किए। हमने 2019 में 540 के मुकाबले 2024 के लोकसभा चुनाव में 39 पुनर्मतदान देखे। इसमें भी 39 में से 25 पुनर्मतदान तो सिर्फ दो राज्यों में हुए। लोकसभा चुनाव के सात चरणों के मतदान के बाद चार जून यानी कल मतगणना होगी। ▶9पर

बगैर प्रमाण के चुनाव आयोग की प्रणाली पर सवाल उठाना अफवाह

ऐतिहासिक चुनाव में बना 64.2 करोड़ मतदाताओं का विश्व रिकॉर्ड

चुनावी प्रक्रिया कमजोर करने के प्रयासों का आयोग संज्ञान ले

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। चुनावी प्रक्रिया को कमजोर करने और उसमें व्यवधान डालने की हो रही व्यवस्थित कोशिशों का चुनाव आयोग से संज्ञान लेने का आग्रह किया गया है। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में भाजपा का प्रतिनिधिमंडल मुख्य चुनाव आयुक्त से मिला और अपनी मांग रखी। इसके पहले विपक्षी गठबंधन का प्रतिनिधिमंडल भी मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने गया था। ▶9पर

अदालत की महत्वपूर्ण टिप्पणी

माल्या, नीरव और मेहुल की फरारी जांच एजेंसियों की नाकामी

▶9पर

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने कहा कि लाखों डॉलर के घोटालों में शामिल नीरव मोदी, मेहुल चोकसी और विजय माल्या इसलिए देश से भागने में कामयाब हुए क्योंकि जांच एजेंसियां उन्हें उचित समय पर गिरफ्तार करने में विफल रहीं। विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत आरोपी की जमानत की शर्तों में बदलाव की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने 29 मई को धन शोधन के एक मामले में आरोपी व्योमेश शाह की उस याचिका को स्वीकार कर लिया था जिसमें उसने विदेश यात्रा के लिए अदालत से पूर्व अनुमति लेने की जमानत शर्त को वापस लेने का अनुरोध किया था। इस मामले में विस्तृत आदेश हाल ही में उपलब्ध कराया गया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तर्क दिया था कि शाह के आवेदन को अनुमति देने से नीरव मोदी, विजय माल्या और मेहुल चोकसी जैसे मामलों का इजाफा होगा। जांच एजेंसी की दलील को खारिज करते हुए न्यायाधीश ने कहा, मैंने इस दलील पर विचार किया और यह गौर करना जरूरी समझा कि ये सभी लोग इसलिए भाग गए क्योंकि संबंधित जांच एजेंसियां इन्हें उचित समय पर गिरफ्तार नहीं कर पाईं। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत शाह समन के जवाब में अदालत में पेश हुए, जमानत हासिल की और कई बार विदेश यात्रा के लिए आवेदन किया। अदालत ने कहा कि शाह के मामले की तुलना नीरव मोदी, विजय माल्या, मेहुल चोकसी आदि के मामलों से नहीं की जा सकती। ▶9पर

एग्जिट पोल से बदला चीन का रवैया पाकिस्तान ने पहले ही बदल दिया रुख

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के परिणामों की तरफ पूरी दुनिया के देश देख रहे हैं, लेकिन एग्जिट पोल में नरेंद्र मोदी की भारी जीत को देखते हुए चीन और पाकिस्तान दोनों ही दबाव में आ गया है। पाकिस्तान ने तो पहले ही सुर बदल दिया था। अब चीन भी अपना रवैया बदल रहा है। चीन के सरकारी मीडिया-तंत्र ने लिखा है कि पीएम मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटते हैं तो ये दोनों देशों के लिए बेहतर साबित होने वाला है। चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स में लिखा गया है कि भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री तीसरी बार भी भारत के सत्ता में आते हैं तो इससे भारत की विदेश नीति और कूटनीति पहले से अधिक मजबूत होगी। नरेंद्र मोदी की जीत से उम्मीद है कि भारत की आर्थिक वृद्धि का प्रयास जारी रहेगा। भारत-चीन मामलों के विशेषज्ञों का भी मानना है कि अगर मोदी तीसरी बार सत्ता में आते हैं तो भारत और चीन के बीच टकराव बढ़ने की संभावना नहीं है।

अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस की पराजय की त्रासद-कथा

टिकट मिलने पर भी चुनाव लड़ने को तैयार नहीं थे कांग्रेसी

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस का हाल इस कदर हो गया है कि खुद उसकी ही पार्टी के नेताओं को अपने शीर्ष नेतृत्व और पार्टी पर ही भरोसा नहीं रह गया है। अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा के चुनाव में 35 प्रत्याशियों को टिकट दिया था। लेकिन उसमें से केवल 19 प्रत्याशियों ने ही चुनाव लड़ा और उसमें से केवल एक उम्मीदवार ही चुनाव जीतने में कामयाब रहा।देश में हुए लोकसभा चुनाव के साथ ही कई राज्यों में विधानसभा चुनाव भी हुए हैं। इसमें से ही पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश में भी विधानसभा के चुनाव हुए। वहां 60 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस को महज 1 सीट पर जीत मिली। जबकि पिछली बार हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 4 सीटों पर जीत मिली थी। पांच साल में पार्टी का केवल 1 विधायक जीत पाया। ▶9पर

35 प्रत्याशियों में से केवल 19 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा

10 ने नामांकन नहीं भरा, पांच मैदान छोड़ कर भाग गए

पुलवामा में सुरक्षाबलों ने लश्कर के दो आतंकवादी मार गिराए

पुलवामा, 03 जून (ब्यूरो)। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के निहामा इलाके में सोमवार सुबह आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। इनमें से एक लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर था।कश्मीर जोन पुलिस ने जानकारी दी कि सोमवार सुबह जिला पुलवामा के निहामा इलाके में मुठभेड़ शुरू हुई। पुलिस और सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया। घेरा सख्त होता देख आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में सुरक्षाबलों ने भी फायरिंग की। दोनों ओर से गोलीबारी हुई। जिस घर में आतंकी छिपे थे, उसे निशाना बना कर सुरक्षाबलों ने दोनों आतंकवादियों को ढेर कर दिया। इससे पहले, कुपवाड़ा में भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियान में हथियारों, गोला-बारूद और युद्ध जैसे सामानों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया था।

शेयर मार्केट

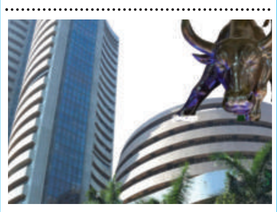

बीएसई : 76,468.78
+2507.47 +3.39% ↑
एनएसई :23,263.90
733.20 (3.25%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 22°

लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले महंगा हुआ अमूल दूध

अहमदाबाद, 03 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले अमूल का दूध महंगा हो गया है। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने कहा कि दूध के संचालन और उत्पादन की कुल लागत में वृद्धि के मद्देनजर सोमवार से सभी प्रकार के अमूल दूध की कीमत में दो रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। इससे देशभर के सभी बाजारों में अमूल दूध पाउच की कीमत दो रुपए प्रति लीटर तक बढ़ जाएगी।

अमूल ब्रांड के तहत दूध और डेयरी उत्पादों का विपणन जीसीएमएमएफ करती है। जीसीएमएमएफ के प्रबंधन निदेशक जयन मेहता ने कहा कि अमूल ब्रांड के तहत सभी प्रकार के दूध की कीमत में दो रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। पिछली बार जी-सीएणएमएफ ने दूध की कीमत फरवरी 2023 में बढ़ाई थी। मेहता ने कहा कि किसानों को उनकी बढ़ी हुई उत्पादन लागत की भरपाई के लिए यह वृद्धि जरूरी है।

ताजा बढ़ोतरी के साथ 500 मिलीलीटर अमूल भैंस दूध, 500 मिलीलीटर अमूल गोल्ड दूध और 500 मिलीलीटर अमूल शक्ति दूध जैसे दूध की संशोधित कीमतें क्रमश: 36 रुपए, 33 रुपए और 30 रुपए हैं। जीसीएमएमएफ ने एक बयान में कहा, दो रुपए प्रति लीटर की वृद्धि से एमआरपी में 3-4 फीसदी की वृद्धि होती है, जो औसत खाद्य महंगाई से काफी कम है। यह ध्यान देने योग्य है कि फरवरी 2023 से अमूल ने प्रमुख बाजारों में ताजा पाउच दूध की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं की है। दूध के संचालन और उत्पादन की समग्र लागत में वृद्धि के कारण कीमतों में वृद्धि की जा रही है।

जीसीएमएमएफ के मुताबिक, अमूल एक नीति के रूप में दूध और दुग्ध उत्पादों के लिए उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान किए गए प्रत्येक रुपए में से करीब 80 पैसे उत्पादकों को देता है। बयान में कहा गया, कीमत में संशोधन से हमारे दुग्ध उत्पादों को लाभकारी दूध की कीमतों को बनाए रखने और उन्हें और दुग्ध उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी।

दूसरी तरफ, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने भी देशभर में टोल दरों में औसतन पांच फीसदी बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। टोल दरों में हर साल एक अप्रैल को संशोधन होता है। लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव के कारण बढ़ोतरी टाल दी गई थी। ▶9पर

देशभर में बढ़ गया टोल टैक्स, 3 जून से लागू

कार्टून कॉर्नर

आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल्स का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु द्वारा रविवार को सेवा के नूतन उपक्रम आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल्स का शुभारंभ राजाजीनगर क्षेत्र में जैन संस्कार विधि से किया गया। नमस्कार महामंत्र के समुच्चारण के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा, महामंत्री अमित नाहटा, अभातेयुप पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया एवं तेयुप बेंगलूरु अध्यक्ष रजत बैद ने आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल्स का उद्घाटन किया।

संस्कारक जितेंद्र घोषल एवं विक्रम दुगड़ द्वारा पूर्ण विधि-विधान एवं मंगल मंत्रोच्चार द्वारा जैन संस्कार विधि का क्रम संपादित करवाया गया। रमेश डागा की अध्यक्षता में आयोजित उद्घाटन समारोह में तेयुप बेंगलूरु (गांधीनगर) अध्यक्ष रजत बैद ने उपस्थित राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रायोजक परिवार, मुख्य अतिथि एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए परिषद् द्वारा वर्ष भर में आयोजित कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। रमेश डागा ने परिषद को शुभकामना देते हुए कलेक्शन सेंटर शुरू करने, महामंत्री अमित नाहटा ने हॉस्टल की ओर कदम बढ़ाने, अभातेयुप पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया ने दक्षिणांचल दायित्व बोध कार्यशाला का आयोजन करने एवं उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने कीर्तिमानों की श्रृंखला को बनाए रखने की प्रेरणा देते हुए अपने-अपने शुभकामना स्वर प्रस्तुत किए।

आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल्स के प्रायोजक नाहर परिवार की ओर से मूलचंद नाहर, मुख्य अतिथि संजय बैद ने परिषद् के मानव सेवा के कार्यक्रमों की सराहना करते हुए आगे भी परिषद् के कार्यों में जुड़ने की भावना व्यक्त की। इससे पूर्व उपस्थित सभी ने परिषद् द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक का निरीक्षण कर सफल संचालन देखकर प्रसन्नता की अनुभूति की।

गुरुदेव इक्तीसा का जाप सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुड़ी द्वारा अनंत उपकारी युगप्रधान दादा गुरुदेव का अत्यन्त चमत्कारी इक्तीसे का पाठ आयोजित किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने पधारे हुए समस्त सदस्यों का स्वागत अभिनन्दन किया और कहा कि परमात्मा और गुरुभक्ति से हमारे समस्त पाप, ताप और संताप दूर होते हैं। मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक माह के एक रविवार को संघ के सदस्यों के निवास पर

गुरुदेव इक्तीसा का पाठ और गुरु भक्ति का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस माह का पाठ लक्ष्मी, श्रुति दीपक छाजेड़, हालावाला के निवास पर आयोजित किया गया। संगीत मंडल के सनी रांका, रेखा लोढ़ा, पारस पारख, महावीर पारख, विकास कोचर, रिषभ बरडिया आदि सदस्यों ने परमात्मा और गुरुदेव के भक्ति गीतों के साथ अलग अलग धुनों में इक्तीसा पाठ करवाया। कार्यक्रम में अनिल भडकतिया, रमेश गुलेच्छा एवं महिला सदस्यों के साथ दादावाड़ी से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

बच्चों के समुचित विकास हेतु संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदूषी शिष्या साध्वी उदितयशा जी के पावन सान्निध्य में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, राज-राजेश्वरी नगर के तत्वावधान में 8 से 14 आयु के बच्चों के समुचित विकास हेतु संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने बड़े प्यार से बच्चों का स्वागत किया तथा ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं के प्रति सेवा देने हेतु आभार जताया। कार्यकाल का शुभारंभ ज्ञानशाला के शिविर से करवाने हेतु साध्वी जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। नमस्कार मुद्रा के साथ शिविर का शुभारंभ हुआ। साध्वीश्री जी ने बच्चों के मस्तिष्क को सक्रिय बनाने के लिए प्रैक्टिकल प्रयोग करवाये जिसके अंतर्गत विशेष संकल्प करवाया। जैसे खाते समय टीवी

नहीं देखना, दिन में पांच बार (खाते, सोते, उठते, बाहर आते-जाते वक्त पांच बार नवकार मंत्र का स्मरण करना, रात को 10 बजे के बाद 'नो फोन नो टीवी'। साध्वी संगीतश्री जी ने तेरापंथ के 11 आचार्य पर आधारित गेम खिलाए और उसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साध्वी उदितयशा जी ने नमस्कार महामंत्र की कहानी को बहुत ही सुंदर एवं रोचक तरीके से बताया। बच्चों ने भी बहुत उत्साह के साथ सभी साध्वियों को सुना। विजयनगर एवं केंगेरी से भी अच्छी संख्या में बच्चों की उपस्थिति रही। ज्ञानशाला संयोजिका प्रिया छाजेड़ ने अपने भाव व्यक्त करते हुए शिविर हेतु सभाध्यक्ष को साधुवाद दिया। केंगेरी की संयोजिका पूनम दक एवं विजयनगर से पधारी प्रशिक्षिकाओं ने अपने विचार रखे। उपाध्यक्ष सरोज आर बैद एवं सह-संयोजिका वंदना भंसाली ने तैयारी में श्रम नियोजित किया।

आनंद सबके लिए के अंतर्गत खिलते सितारे नामक कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने राष्ट्रीय प्रकल्प आनंद सबके लिए के अंतर्गत खिलते सितारे नामक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में स्नेह ज्योति आश्रम के नन्हे बच्चों को मायुम स्टार्स परिवार के साथ नेहरु तारामंडल भ्रमण के लिए ले जाया गया।

इस भ्रमण में सर्वप्रथम बच्चों को स्काई थिएटर में तारामंडल शो अंग्रेजी माध्यम में दिखाया गया। शो के उपरान्त मायुम परिवार के सदस्यों ने परिवार के बच्चों और आश्रम के बच्चों को साथ में खेल खिलाकर समानता और एकता का परिचय एवं संदेश दिया। तद-ोपरांत प्रत्येक स्टार परिवार सदस्य ने अपने बच्चों के साथ आश्रम के एक-एक बच्चे का हाथ थाम विज्ञान खेल उद्यान में अनूठे तरीके से खेल के साथ ज्ञान

अर्जित कराया।

शाखा अध्यक्ष राहुल गोयनका ने बताया कि इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य आश्रम के बच्चों को अन-ोखे तरीके से ब्रह्माण्ड की रहस्मयी दुनिया से अवगत करवाना और खेल खेल में विज्ञान से रूबरू कराना था।

इस कार्यक्रम में शाखा सलाहकार रवि राम सिंघानिया, पूर्व अध्यक्ष ऋषभ सर्राफ, निवर्तमान अध्यक्ष संदीप चनानी और आश्रम के संस्थापक मूर्ति सर परिवार संग उपस्थित थे। शाखा उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि इस भ्रमण के दौरान आश्रम के बच्चों, मायुम स्टार्स सदस्य अपने परिवारजनों सहित कुल 125 लोग मौजूद रहे। सभी ने इस ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजक यात्रा को खूब सराहा। शाखा सचिव पंकज जैन ने कार्यक्रम संयोजकों दीपक बंसल, विक्की अग्रवाल, गौरव अग्रवाल और वरुण गुप्ता को इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय दिया। कोषाध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने भ्रमण में सभी आगंतुकों का सहृदय आभार व्यक्त किया और आगामी आनंद सबके के लिए कार्यक्रम के तहत ऐसे नवीन प्रयास करते रहने का संकेत भी दिया।

वनबंधु परिषद महिला समिति का एकल मेला 22 जून को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ओखलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में एकल मेला 2024 - ए शॉपिंग कार्निवल नामक प्रदर्शनी का आयोजन 22 जून को किया जा रहा है। इस एकल मेला की तैयारी में महिला समिति की टीम लगभग पिछले दो महीने से जुटी हुई है।

प्रदर्शनी में 80 स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां कपड़े, आभूषण, सौन्दर्य प्रसाधन, हस्त कला, घर की साज-सज्जा का सामान, उपहार, राखी आदि के अलावा स्वादिष्ट व्यंजन भी उपलब्ध होंगे। प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण किड्स गेम जोन होगा। इस प्रदर्शनी से अर्जित पूरी राशि एकल विद्यालय के आदिवासी ग्रामीण बच्चों की शिक्षा में उपयोग के लिए खर्च की जाएगी। यह जानकारी कनक भोजक ने दी।

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तुमकुरु सीताकल्लु ग्राम में श्री पद्मावती देवी के मंदिर का वार्षिकोत्सव हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में जैन मुनि श्री देवेंद्रकीर्ति भट्टारका स्वामीजी और कनकगिरि श्री भुवनकीर्ति भट्टारका स्वामीजि उपस्थित थे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद दिए। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा जैन संस्कृति आत्म विकास की संस्कृति है। बड़े ही सौभाग्यशाली हैं हम कि हमारा जन्म जैन कुल में हुआ। इस अवसर पर जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई।

नई एनडीए सरकार के लिए मोदी की 100 दिवसीय एजेंडा बैठक राजनीतिक नौटंकी: शिवकुमार

भारत ब्लॉक बहुमत हासिल करेगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने नई एनडीए सरकार के लिए प्रधानमंत्री के 100 दिवसीय एजेंडे को महज राजनीतिक नौटंकी करार दिया और कहा कि इसे गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। विधान सौधा में सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि नई

सरकार के 100 दिवसीय एजेंडे पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक 'लोगों की मानसिकता को प्रभावित करने की महज एक राजनीतिक रणनीति है। हमारी भी अपनी रणनीति है, हर राजनीतिक दल की भी अपनी रणनीति है। उन्होंने दावा किया कि एग्जिट पोल, जो स्पष्ट बहुमत और एनडीए के 2019 से बेहतर प्रदर्शन की भविष्यवाणी करते हैं, सही नहीं हैं। भारत ब्लॉक बहुमत हासिल करेगा और केंद्र में सरकार बनाएगा। शिवकुमार ने कहा कि वह शहर में बारिश से प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा मैं बारिश से प्रभावित इलाकों का दौरा करूंगा और निरीक्षण करूंगा। विधान परिषद चुनाव के बाद हम अधिकारियों की बैठक करेंगे और बारिश से संबंधित मुद्दों का समाधान करेंगे। इससे पहले, शिवकुमार, जो केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं, ने कांग्रेस पार्टी के एमएलसी उम्मीदवारों डॉ. यतींद्र सिद्धरामैया, एन ए बोसराजू, बिलकिस बानू, इवान डिसूजा, के गोविंदराजू, वसंत कुमार और जगदेव गुट्टेदार को बी फॉर्म वितरित किए।

मंत्री बी. नागेंद्र ने मुख्यमंत्री को किया ब्लैकमेल: कोटा श्रीनिवास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद में विपक्ष के नेता कोटा श्रीनिवास पुजारी ने अपना आरोप दोहराया है कि मंत्री बी. नागेंद्र ने मुख्यमंत्री को ब्लैकमेल किया था कि अगर वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम में घोटाले के मद्देनजर उन्हें कैबिनेट बैठक से

बर्खास्त कर दिया गया तो वह शेष पूंजी का खुलासा कर देंगे। विधानसौधा में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि निगम में 187 करोड़ रुपये का बड़ा घोटाला हुआ है। अवैध तरीके से ट्रांसफर किया गया पैसा तेलंगाना चला गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया में नागेंद्र का इस्तीफा लेने की ताकत नहीं है। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया नागेंद्र के ब्लैकमेल के डर से कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं। लोकसभा चुनावों के बाद एनडीए के अधिक सीटें जीतने के संकेत हैं। नरेंद्र मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बनेंगे।

एग्जिट पोल के नतीजों ने कांग्रेसियों की धड़कनें बढ़ा दीं: विजयेन्द्र

राज्यपाल से मिलकर बनाएंगे दबाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल नतीजों के बाद राज्य की सत्ताध-ारी पार्टी के नेताओं और मंत्रियों के साथ-साथ मुख्यमंत्री की धड़कनें बढ़ गई हैं। शहर में सोमवार को मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वाल्मिकी विकास निगम का घोटाला कोई छोटा-मोटा नहीं है। इसकी गहराई और चौड़ाई और भी अधिक है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने अभी तक अपना मन नहीं बनाया है, जबकि हमने मंत्री नागेंद्र के तत्काल इस्तीफे की मांग की है। तेलंगाना में पैसे ट्रांसफर करने के मामले में खुलासा हुआ है कि फर्जी कंपनी के नाम पर बैंक खाता खोला गया और पैसे ट्रांसफर किए गए। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी आलाकमान ने इस एसटी विकास निगम के 187 करोड़ रुपये तेलंगाना को हस्तांतरित कर दिये। उन्होंने आरोप लगाया

कि अलग-अलग खातों से इस पैसे का चुनाव में दुरुपयोग किया गया। यूनियन बैंक ने भी पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने अपने गंदे कामों पर पर्दा डालने के लिए जल्दबाजी में एसआईटी गठित करने के लिए राज्य सरकार और मुख्यमंत्री की आल-ोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा इस मुद्दे पर पूरे प्रदेश में जमकर संघर्ष करेगी। वाल्मिकी निगम घोटाला मंत्रियों तक ही सीमित नहीं है। बहुत बड़े नाम सुनने में आ रहे हैं। विजयेंद्र ने कहा कि अगले कुछ दिनों में सच्चाई सामने आ जाएगी। एसआईटी से निष्पक्ष जांच असंभव है। इसलिए उन्होंने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की। उन्होंने बताया कि वे जल्द ही राज्यपाल से मिलकर इस मुद्दे पर जोर देने वाले हैं।

बैंकिंग साक्षरता कार्यक्रम में स्कैम, फ्रॉड समेत अन्य जानकारियों से लोगों को कराया अवगत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ का बैंकिंग साक्षरता कार्यक्रम जे सी रोड स्थित जैन कॉलेज में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। कार्यक्रम प्रभारी अनीता लुंकड और गुलाब मेहता ने पूरे कार्यक्रम का कार्य भार संभाला और उसकी रुपरेखा बनाई। सचिव प्रीति चौरडिया ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। साथ ही कहा नारी को हर क्षेत्र में सक्षम बनाकर कैसे देश को एक सक्षम बनाया जा सकता है। अध्यक्ष सीमा मेहता ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों में जैन महिला संघ को बेसिक और डिजिटल बैंकिंग से रुबरु करवाना जरुरी है। आज नारी हर क्षेत्र में सक्षम है पर कहीं ना कहीं अभी भी एक वर्ग ऐसा है जहां बैंकों में जाने से कतराते हैं। उनको लगता है कि उनसे गलती हो सकती है। इस डर को बाहर निकलना और छोटे से अमाउंट से

शुरुआत करके कुछ नया सिखाना ही वर्तमान कमेटी का मुख्य उद्देश्य है। अतिथि वक्ता आरबीएल से भारती छाजेड, रश्मि, करण जैन और राधिका ने बैंक से जुड़ी हर छोटी बड़ी बात को बहुत ही अच्छे से समझाया। वर्तमान में ऑनलाइन बैंकिंग में होने वाली स्कैम, फ्रॉड समेत अन्य संबंधित जानकारियों से लोगों को अवगत कराया। उपाध्यक्ष हेमा चोपड़ा ने संघ में होने वाले अगले कार्यक्रमों के पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी दी। रेखा मुणोत और प्रियंका पालरेचा ने सभी अतिथि वक्ता का परिचय दिया। मोनिका पालरेचा ने सभी प्रायोजक परिवार और मेहमानों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कोषाध्यक्ष ऊषा भंडारी, सह कोषाध्यक्ष ललिता छाजेड, मीना रांका, निकिशा चौरडिया, रितु मेहता और उषा श्रीश्रीमाल समेत अन्य कमेटी सदस्यों का कार्यक्रम में सहयोग रहा।

मेरे 15 साल के कार्यकाल में

1.8 लाख करोड़ की परियोजनाओं को मिली मंजूरी : नलिन कुमार

भाजपा जेडीएस उम्मीदवारों के जीतने की पूरी उम्मीद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सांसद नलिन कुमार कटील ने कहा तीसरी बार सांसद नियुक्त होने और राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में कार्य करने के कारण मैंने विभिन्न जिम्मेदारियां निभाई हैं। मैंने एक आम भाजपा प्रतिनिधि के रूप में शुरुआत की, 2009 में सांसद उम्मीदवार के रूप में नामित हुआ। यहां सोमवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा 2009 में, सांसद के रूप में मेरे पहले कार्यकाल के दौरान, शिरडी घाट, राज्य राजमार्ग और राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे बहुत खराब स्थिति में थे। जिले में पर्याप्त विकास हुआ है, जिसका श्रेय सिर्फ एक सरकार या सांसद को नहीं है, बल्कि सामूहिक प्रयास को है। यू.एस. माल्या का योगदान उल्लेखनीय है। 2014 से 2019 तक, विकास तेजी से बढ़ा है, जिसमें पासपोर्ट कार्यालय की स्थापना और मेंगलूरु हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय दर्जा दिया जाना शामिल है, जिससे यह राज्य का दूसरा सबसे बड़ा हवाई अड्डा बन गया है। मेंगलूरु में जल्द ही एक नया तट रक्षक केंद्र स्थापित किया जाएगा, और हमने 100 जन औषधि केंद्र शुरू किए हैं। स्वर्गीय अनंत कुमार के प्रयासों की बदौलत, गंजीमठ में प्लास्टिक पार्क को मंजूरी मिली, जिसका 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। मछली पकड़ने के लिए जेटी का निर्माण कार्य चल रहा है और प्रधानमंत्री ने 4000 करोड़ की परियोजना का उद्घाटन किया, जो तेजी से आगे बढ़ रही है। एमआरपीएल के काम का तीसरा चरण चल रहा है। मेंगलूरु को 1000 करोड़ रुपये की लागत वाली स्मार्ट सिटी परियोजना के लिए नामित किया गया था, जिसमें 200 करोड़ रुपये की भूमिगत जल निकासी परियोजना पूरी हो चुकी है। मेंगलूरु अमृत योजना और स्मार्ट सिटी परियोजना से लाभान्वित होने वाला एकमात्र शहर है। नवयुग कंपनी तालापडी-हेजमाडी राजमार्ग का विकास कर रही है और बीसी रोड-अड्डाहोल मार्ग पर काम चल रहा है। कल्लडका फ्लाईओवर, जो शुरू में विलंबित था, अब 60 प्रतिशत पूरा होने के साथ एक पैकेज प्रणाली में दो एजेंसियों के तहत प्रगति कर रहा है। 4711 करोड़ रुपये की लागत वाली बिकर्नकट्टे-सनूर परियोजना चल रही है और दिसंबर 2025 तक इसके पूरा होने की उम्मीद है। बीसी रोड-चारमाडी सड़क परियोजना चल रही है, इस साल मणि-मैसूरु सड़क विकास पर काम शुरू होने वाला है। केपीटी और नंथूर फ्लाईओवर के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं, केपीटी फ्लाईओवर का काम दो महीने में शुरू होने की उम्मीद है। नंथूर फ्लाईओवर को भूमि अधिग्रहण के मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है, जिसे हम जल्द ही हल करने की उम्मीद करते हैं। बंटवाल और सुब्रमण्य रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड किया गया है, जिसमें 350 करोड़ रुपये की केंद्रीय रेलवे परियोजनाएं और 20 करोड़ रुपये जंक्शन रेलवे स्टेशन के काम के लिए हैं। विद्युतीकरण सहित कुल 2000 करोड़ रुपये की रेलवे से जुड़ी परियोजनाएं चल रही हैं। अडानी ने हवाई अड्डे पर दो नई परियोजनाओं में 5200 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके अतिरिक्त, नए 5जी और 4जी बीएसएनएल टावरों के निर्माण के लिए 99 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कोविड-19 द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, हमने स्थिति को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया। तीन सुरंगों और एक फ्लाईओवर प्रणाली वाली शिरडी घाट सुरंग परियोजना डीपीआर पूरा होने के साथ आगे बढ़ी है। अलग मेंगलूरु रेलवे डिवीजन की स्थापना के बारे में नलिन ने कहा मैसूरु, कोंकण और पलक्कड़ डिवीजनों के बीच कानूनी अड़चनें हैं। कोंकण रेलवे को पलक्कड़ डिवीजन से अलग करके मेंगलूरु डिवीजन बनाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा हमें मंगलवार को भाजपा सांसद उम्मीदवार की जीत का पूरा भरोसा है और हम अपना पूरा समर्थन देने का वादा करते हैं। शुरुआती दो महीने नए सांसद के लिए परियोजना कार्यों को जारी रखने में चुनौतियां पेश कर सकते हैं, लेकिन धीरे-धीरे यह आसान हो जाएगा।

देरी कानूनी मुद्दों के कारण हुई

मेरे 15 साल के कार्यकाल के दौरान, 1.8 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 80,000 करोड़ रुपये पहले ही पूरे हो चुके हैं। नंथूर जैसी परियोजनाओं और एनजीटी में केपीटी मामले में देरी कानूनी मुद्दों के कारण हुई है। उन्होंने कहा, निगम, स्थानीय प्रशासन और भूमि अधिग्रहण के मुद्दों के कारण पंपवेल का काम तीन साल तक रुका रहा। 2024 के चुनाव के लिए टिकट न दिए जाने के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए नलिन ने कहा, पार्टी ने बिना किसी हिचकिचाहट के मुझे कई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। जब मुझे पहली बार 2009 में टिकट दिया गया था, तो मुझे चुनाव लड़ने के लिए कहा गया था और मैंने उनके निर्देशों का पालन किया। मैंने कहा जाने पर पद छोड़ने के लिए भी प्रतिबद्धता जताई। इसी तरह, मैंने इस बार भी पार्टी के फैसले का पालन किया।

निगम के धन के दुरुपयोग के लिए

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को दोष वहन करना चाहिए : कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने मांग की है कि वॉल्मिकी विकास निगम के धन के दुरुपयोग के लिए मंत्री नागेंद्र को दोषी ठहराने के बजाय, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जिनके पास वित्त विभाग है, को दोष वहन करना चाहिए। जेडीएस उम्मीदवार टी.एन. जवराई गौड़ा द्वारा विधान परिषद चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को वाल्मिकी विकास निगम के धन हस्तांतरण की जिम्मेदारी उठानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले को रफा-दफा करने के लिए जल्दबाजी में एसआईटी का गठन किया गया है। वाल्मिकी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन जैसे कई निगम बोर्डों में कदाचार का संदेह है। ऐसा सिर्फ मंत्री नागेंद्र के स्तर पर नहीं हुआ है। तेलंगाना को धनराशि का हस्तांतरण के लिए 14 खाते खोले गए हैं। अनुसूचित जनजातियों के लिए निर्धारित धनराशि हस्तांतरित कर दी गई है। इस मामले में कछुआ गति से जांच चल रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि निगम के निदेशक मंडल ने पैसे ट्रांसफर करने का फैसला नहीं किया, बल्कि स्वेच्छा से ट्रांसफर किया है। उन्होंने तेलंगाना चुनाव में पैसे का इस्तेमाल किया है। इस मामले को सामने आए एक सप्ताह बीत चुका है। जिसकी जांच कराई जा रही है। उन्हें शर्म आनी चाहिए। इस केस का सेहरा किसी और के सिर पर बंधने वाला है। अगर राज्य की जनता का सम्मान है तो मुख्यमंत्री को इसकी जिम्मेदारी उठानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि यह सरकार की जिम्मेदारी है। तेलंगाना चुनाव के लिए कौन जिम्मेदार था? यह लेन-देन कांग्रेस पार्टी आलाकमान की नाक के नीचे हुआ। डेथनोट में मंत्री के मौखिक आदेश पर पैसे ट्रांसफर करने का जिक्र है। उन्होंने कहा कि चूंकि इस मामले में यूनियन बैंक शामिल है, इसलिए इसकी सीबीआई जांच होगी। प्रत्येक का जवाब मंत्री प्रियांक खड़गे देंगे। क्या उनके विभाग के अधीन किसी एआरडीएल ठेकेदार ने आत्महत्या नहीं की? बारिश से होने वाली आपदा से बचाव के लिए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने शहर का दौरा किया। लेकिन इसका क्या फायदा है क्या कार्रवाई की गई? उन्होंने पिछले साल भी शहर का दौरा किया था, पिछले हफ्ते भी उन्होंने शहर का दौरा किया था। यदि कोई भाग ठीक हो गया हो तो मुझे बताएं। जब मैं मुख्यमंत्री था तब गुट्टेनहल्ली झील की समस्या उत्पन्न हुई। उन्होंने कहा कि इसका स्थायी समाधान निकाल लिया गया है। लोकसभा चुनाव में जद(एस) तीनों सीटों पर जीत हासिल करेगी। राज्य में भाजपा-जेडीएस गठबंधन को 25 सीटें जीतने की उम्मीद थी। उस संबंध में चुनाव बाद सर्वेक्षण रिपोर्ट आ गयी है। एनडीए तीसरी बार केंद्र की सत्ता में आ रही है। एनडीए उम्मीदवारों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेडीएस कोर कमेटी के अध्यक्ष जीटी देवेगौड़ा, विधायक हरीश, एमटी कृष्णप्पा, विधान परिषद सदस्य सरवण, थिप्पेस्वामी आदि मौजूद थे।

भाजपा प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन पत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार सी.टी. रवि, एन. रविकुमार और एम.जी. मुले ने सोमवार को विधान सौधा में अपना नामांकन जमा किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर. अशोक, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण, विधान परिषद नेता प्रतिपक्ष कोटा श्रीनिवास पुजारी, राज्यसभा सदस्य लहर सिंह, विधायक गोपालैया, मुनिरत्न, सुनील कुमार, सुरेश, विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी और हनुमंत निरानी समेत अन्य नेता उपस्थित थे।

विधान परिषद चुनाव में जवराई गौड़ा जेडीएस उम्मीदवार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा से विधान परिषद के लिए होने वाले चुनाव में जेडीएस के उम्मीदवार के तौर पर टी.एन.जवराई गौड़ा को मैदान में उतारा गया है। जवराई गौड़ा, जिन्होंने बेंगलूरु के यशवंतपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव सहित जेडीएस उम्मीदवार के रूप में चार बार चुनाव लड़ा था, अब तक विधान सभा में प्रवेश नहीं कर पाए हैं। विधान परिषद चुनाव ने उनकी किस्मत साफ कर दी है। वह जेडीएस के वफादार कार्यकर्ता हैं। उनकी पत्नी गायत्री जवराई गौड़ा ने भी डोड्डाबिड्रिकल्ली से बीबीएमपी के सदस्य के रूप में काम किया। सोमवार को उनके नामांकन जमा करने के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे। जेडीएस के विधायी कार्यालय पहुंचे एमटी कृष्णप्पा सहित कई विधायकों ने संकेत के रूप में जवराई गौड़ा के नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसी बीच जेडीएस नेता जवराई गौड़ा ने आंसू बहाते हुए कहा कि विधान परिषद चुनाव में उन्हें उम्मीदवार बनाने के लिए वह देवेगौड़ा के परिवार के आभारी हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे 2009 से ही यशवंतपुर में पार्टी का आयोजन कर रहे हैं। मैंने कई चुनावों में हार देखी है। कुमारस्वामी ने उनसे वादा किया था कि उन्हें विधान परिषद के लिए चुना जाएगा। अब उन्होंने अपना वादा पूर कर दिया है। कुमारस्वामी ने कार्यकर्ताओं की भावनाओं का जवाब दिया। मैं पार्टी संगठन में उनके साथ खड़ा होकर काम करूंगा और उन्हें ताकत दूंगा। मौका देने के लिए उन्होंने देवगौड़ा, कुमारस्वामी, जीटी देवगौड़ा समेत पार्टी के सभी विधायकों का आभार जताया। पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जेडीएस से जवराई गौड़ा को उम्मीदवार बनाने के इच्छुक लोग ही थे। कुपेंद्र रेड्डी राज्यसभा सदस्य के रूप में काम कर चुके हैं। वह दो चुनाव मामूली अंतर से हारे थे। बीएम फारूक विधान परिषद के सदस्य भी थे। इस चुनाव में तीन दावेदार थे।

एसपी ने प्रेस वार्ता में कांग्रेस प्रवक्ता की तरह बात की: विधायक हरीश पूंजा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलटांगडी विधायक हरीश पूंजा ने कहा कि जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) सी बी ऋष्यंत ने उनके लिए प्रेस वार्ता करना अनिवार्य कर दिया है। यहां सोमवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान पूंजा ने एसपी के आचरण पर असंतोष व्यक्त किया, खासकर धर्मस्थल में एक प्रेस वार्ता के दौरान।

उन्होंने एसपी पर आरोप लगाया कि वह एक आईपीएस अधिकारी के बजाय कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता की तरह आरोप लगा रहे हैं। तीन दिनों के भीतर आरोप पत्र दाखिल करने की तेजी को उजागर करते हुए, वर्षों से अनसुलझे मामलों के साथ इसकी तुलना करते हुए, पूंजा ने कहा एसपी ने ऐसा व्यवहार किया जैसे वह मुख्यमंत्री या जिला कांग्रेस को खुश करना चाहते हैं। एसपी ने आरोप लगाया कि नोटिस देने के लिए तीन पुलिस अधिकारी उनके आवास पर आए थे, लेकिन मेरे पास सीसीटीवी से सबूत हैं, जिसमें तीन वाहनों में 15 पुलिस अधिकारी आए थे। एसपी को यह जवाब देने की जरूरत है कि जब उन्होंने कहा कि केवल तीन पुलिस अधिकारी मेरे आवास पर आए थे, तो उन्होंने तथ्यों में हेरफेर क्यों किया। बेलटांगडी पुलिस स्टेशन में अपनी भाषा के बारे में पूंजा ने तुलु भाषा के अपने इस्तेमाल का बचाव करते हुए कहा कि उनका इस्तेमाल आम है। उन्होंने कहा बेलटांगडी पुलिस स्टेशन में मेरे द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों में क्या गलत है, क्या यह गलती है? यह तुलु में एक आम गाली है जिसका मैंने पुलिस स्टेशन में इस्तेमाल किया (क्या यह स्टेशन तुम्हारे पिता का है)। पूंजा ने आगे कहा एसपी ने हाल ही में अपनी प्रेस वार्ता के दौरान यह भी कहा कि लोगों के इकट्ठा होने के कारण हमें अतिरिक्त पुलिस बल लगाना पड़ा। शाम 7 बजे तक बिना किसी सूचना के पुलिस लगातार परेशान कर रही। एसपी ने यह भी कहा था कि जनप्रतिनिधियों के अनुरोध पर हमें पुलिस बल को हटाना पड़ा। हरीश पूंजा ने कहा कि एसपी को यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि किसके निर्देश पर पुलिस बल को हटाया गया।

मंत्री बी नागेंद्र पर सीएम डीसीएम के फैसले से मैं बंधा हूं: एचके पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कानून और संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि वह वॉल्मिकी विकास निगम धन हस्तांतरण मामले के मद्देनजर अनुसूचित जनजाति विकास मंत्री बी. नागेंद्र के संबंध में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री द्वारा लिए गए निर्णय से बंधे हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि रविवार को हुई कांग्रेस विधानमंडल की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। बी नागेंद्र के मामले को लेकर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। हम उनके मामले में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री द्वारा लिये गये निर्णय के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, इंतजार करें और देखें कि सरकार क्या फैसला लेगी। चुनाव बाद सर्वेक्षण रिपोर्ट फर्जी होने वाली हैं। कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में 16 से अधिक सीटों पर जीत हासिल करेगी। कांग्रेस पार्टी ही नहीं कई विशेषज्ञ भी कांग्रेस के पक्ष में अपनी राय रख चुके हैं। लेकिन चुनाव बाद सर्वेक्षण रिपोर्ट एक पार्टी को फायदा पहुंचाने के मकसद से प्रकाशित की गईं। हम इस बात पर विश्वास नहीं करते। चुनाव बाद सर्वे में कई तथ्य मांगे गए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और कर्नाटक समेत कई जगहों पर कांग्रेस को नकारात्मक तरीके से चित्रित किया गया है।

मंत्री नागेंद्र से इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा गया है: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्षी भाजपा और जेडीएस द्वारा अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी नागेंद्र के इस्तीफे की मांग के बावजूद, राज्य वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम से कथित तौर पर 187 करोड़ रुपये की धनराशि के दुरुपयोग के मामले में, जिसके कारण तत्कालीन प्रबंध निदेशक को दोषी ठहराते हुए एक अधीक्षक ने आत्महत्या कर ली थी, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने मंत्री से इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा है। उन्होंने कहा सरकार ने कथित घोटाले की सीआईडी जांच के आदेश पहले ही दे दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा। सोमवार को विधान सौधा में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने घोषणा की कि कांग्रेस सरकार मंत्री के इस्तीफे के लिए भाजपा द्वारा निर्धारित 6 जून की समय सीमा के आगे नहीं झुकेगी और यह स्पष्ट किया कि सरकार प्रक्रिया का पालन करेगी। सिद्धरामैया ने कहा कि विपक्षी दल सरकार के लिए कोई समयसीमा तय नहीं कर सकते और अगर वे चाहें तो किसी भी तरह का आंदोलन शुरू करने के लिए स्वतंत्र हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर खुशी जताई कि शहर में पिछले कुछ दिनों में अच्छी बारिश हो रही है और उन्होंने नगर निगम अधिकारियों से किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होंने कहा सरकार को इस साल अच्छे मानसून की उम्मीद है, ताकि किसान खुश रहें। सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने एग्जिट पोल के निष्कर्षों को खारिज कर दिया, जिसमें भाजपा और एनडीए के 2019 से भी बेहतर प्रदर्शन करने की भविष्यवाणी की गई है और कहा कि कांग्रेस पार्टी को पूरा भरोसा है कि भारत सत्ता में आएगा और कर्नाटक में 28 में से कम से कम 15 सीटें जीतेगा। इसलिए सभी को परिणाम आने का इंतजार करना चाहिए।

भाजपा के खिलाफ बेजा विज्ञापन छपवाने का मामला

राहुल गांधी 7 जून को अदालत में हाजिर हों: कोर्ट

बेंगलुरु, 03 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक की एक कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि के मामले में 7 जून को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने यह मानहानि का मामला दायर किया था। जिसमें आरोप लगाया गया था कि कांग्रेस ने भगवा पार्टी को भ्रष्ट करार देने के लिए समाचार पत्रों में विज्ञापन छपवाए थे। यह मामला 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले का है। भाजपा ने मानहानि का यह मामला 2023 में विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट में दायर किया था।

शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार को जमानत देने वाली स्पेशल कोर्ट ने राहुल गांधी को 7 जून को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। राहुल गांधी इस मामले में चौथे आरोपी हैं, जबकि केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी), शिवकुमार और सिद्धारमैया पहले तीन आरोपी हैं। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने 1 जून को उपस्थित न होने पर राहुल गांधी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने की मांग की थी।

जबकि कांग्रेस ने तर्क दिया कि गांधी का पार्टी द्वारा विज्ञापनों के प्रकाशन से कोई संबंध नहीं है। कोर्ट ने राहुल गांधी को पेश होने से छूट दी, लेकिन कहा कि उन्हें 7 जून को उपस्थित होना होगा। कोर्ट ने मामले की तारीख तय करते हुए कहा, आरोपी नंबर 4 द्वारा दायर आवेदन को स्वीकार किया जाता है और आज के लिए उनकी व्यक्तिगत उपस्थिति को समाप्त किया जाता है। यह स्पष्ट किया जाता है कि आरोपी नंबर 4 को अगली सुनवाई की तारीख पर इस कोर्ट के समक्ष बिना किसी चूक के उपस्थित होना होगा।

मानहानि का मामला भाजपा के राज्य महासचिव एस केशव प्रसाद द्वारा 8 मई, 2023 को कोर्ट में दायर एक निजी शिकायत के आधार पर उठाया गया था, जिसमें आर-ोप लगाया गया था कि शिवकुमार, सिद्धारमैया और राहुल गांधी जैसे कांग्रेस नेता 2019 से 2023 तक कर्नाटक की भाजपा सरकार को भ्रष्ट बता रहे हैं। शिकायत में प्रसाद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने यह दावा करके भाजपा को बदनाम किया है कि पार्टी नेतृत्व ने राज्य में विभिन्न पदों के लिए कीमतें तय की हैं जैसे कि सीएम पद के लिए 2,500 करोड़ रुपए और मंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपए, जिससे शासन में भ्रष्टाचार होता है। प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस ने 5 मई, 2023 को अखबारों में विज्ञापन भी दिए, जिसमें कोविड किट टेंडर सौदों में 75 प्रतिशत, पीडब्ल्यूडी टेंडरों के लिए 40 प्रतिशत, धार्मिक संगठनों को अनुदान के लिए 30 प्रतिशत और ऐसे अन्य सौदों में कमीशन का आरोप लगाया गया। उन्होंने कहा कि ये आरोप चुनावों के दौरान भाजपा पार्टी का अपमान हैं।

स्पेशल कोर्ट ने कांग्रेस नेताओं को 11 मार्च 2024 को समन जारी किया था। शुरुआत में राहुल गांधी ने एक वकील के माध्यम से कोर्ट को बताया कि वह लोकसभा चुनावों के कारण खुद पेश नहीं हो पाएंगे और उन्होंने जून में तारीख मांगी। कोर्ट ने इस साल 28 मार्च को कहा, आरोपी नंबर 4 के वकील ने कहा कि आरोपी को दिल्ली से यात्रा करनी है और वह आगामी चुनावों से पहले इस कोर्ट के समक्ष उपस्थित होने में असमर्थ है। और आरोपी नंबर 4 की उपस्थिति के लिए मामले को जून के महीने में पोस्ट करने की प्रार्थना की। मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आरोपी नंबर 4 को 01.06.2024 तक पेश होने के लिए समय दिया जाता है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि भाजपा कांग्रेस नेत-ाओं के खिलाफ मामला दर्ज करके भगवा पार्टी के कार्यकाल के दौरान हुए भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए कांग्रेस पार्टी को उकसा रही है। शिवकुमार ने कहा, राहुल गांधी, सिद्धारमैया और मेरा नाम शिकायत में दर्ज है। हम कानून का सम्मान करते हैं और राहुल गांधी जल्द ही कोर्ट में पेश होंगे। उन्होंने कहा, हम दिखाएंगे कि हम क्या करने में सक्षम हैं।

दो पूर्व सीएम का राजनीतिक भविष्य तय करेगा चुनाव

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 03 जून।

लोकसभा चुनावों का परिणाम आने में बस कुछ ही समय शेष है और प्रदेश में राजनीतिक दलों की सांस इसलिए अटकी हुई है क्योंकि वे जानते हैं कि इन चुनावों का परिणाम ही विधानसभा चुनावों के लिए उनके राजनीतिक दलों का भविष्य तय करेगा। यह बात अलग है कि इन चुनावों से प्रदेश के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों का राजनीतिक भविष्य भी तय होना है।

भारतीय चुनाव आयोग द्वारा जम्मू कश्मीर में पांच सालों के अंतराल के बाद किसी भी समय और 30 सितम्बर से पहले विधानसभा चुनाव करवाए जाने की घोषणा के बाद यह सुगबुगाहट भी तेज हुई है कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के उपरांत राज्य से केंद्र शासित प्रदेश में तब्दील किए गए जम्मू कश्मीर में होने वाले पहले विधानसभा चुनावों में कौन सी पार्टी जीत के झंडे गाड़ेगी।

अगर एग्जिट पोल पर विश्वास करें तो प्रदेश में चुनाव परिणामों की भविष्यवाणी सही तरीके से कर पाना थोड़ी टेढ़ी खीर

इसलिए मानी जा सकती है क्योंकि कश्मीरी ऐसे एग्जिट पोल की धज्जियां उड़ाने में माहिर माने जाते हैं।

और यही कारण है नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी, अपनी पार्टी, कांग्रेस और भाजपा के उम्मीदवारों की सांसें अटकी हुई हैं। दरअसल इन चुनावों के नतीजों से दो पूर्व मुख्यमंत्रियों उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के सीधे तौर पर राजनीतिक भविष्य की राह तय होनी है तो एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद के दमखम का भी लेखा सामने आना है जो इस बार चुनाव मैदान में इसलिए नहीं उतरे थे क्योंकि उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ना है। यह बात अलग है कि उनकी पार्टी को अक्सर भाजपा की बी-टीम का खिताब दिया जाता था जो अब अपनी पार्टी छीनने को बेताब है।

इससे इंकार नहीं किया जा सकता है कि उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के लिए इस बार के लोकसभा चुनाव करो या मरो की स्थिति जैसा रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि दोनों नेता जानते हैं कि उनकी हार जीत पर भी प्रदेश में उनके राजनीतिक दलों का भविष्य टिका हुआ है। दूसरे शब्दों में कहें तो विधानसभा चुनावों में उसी पार्टी का भविष्य दिखेगा जिसका वर्चस्व बचा रहेगा और इसके लिए दोनों ही दलों को जीत का सहारा चाहिए जो फिलहाल दिख नहीं रहा है।

राजनीतिक पंडितों का कहना था कि दोनों ही दलों पर अपना अपना राजनीतिक भविष्य बचाने का दबाव है और अगर दोनों ही दल अपनी इज्जत बचा पाने में अर्थात कम से कम एक एक सीट पर कामयाबी पाने में सफल होते हैं तो वे आने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा और उसकी ए, बी और सी टीमों को राजनीतिक चुनौती दे पाएंगे।

महाराष्ट्र के विधायक रवि राणा ने किया बड़ा दावा

उद्धव ठाकरे 20 दिन में एनडीए में शामिल होंगे

मुंबई, 03 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र की सियासत में बड़ी उठा-पटक दिखाई दे सकती है। नतीजों से ठीक दो दिन पहले प्रदेश के एक विधायक ने बड़ा दावा किया है और कहा है कि उद्धव ठाकरे आने वाले 20 दिनों में एनडीए के साथ आ सकते हैं। फिलहाल शिवसेना (यूबीटी) की ओर से इस दावे को लेकर कुछ नहीं कहा गया है। नतीजों से पहले आए एग्जिट पोल में महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में एनडीए को बढ़त दिखाई दे रही है।

यह दावा विधायक रवि राणा ने किया है। रवि राणा ने कहा कि इससे पहले भी मैंने कुछ दावे किए थे और सभी दावे सच हुए थे। अब एक बार फिर मैं यह दावा कर रहा हूं और यह सच होगा। हालांकि शिवसेना (यूबीटी) ने इस तरह के दावे पर किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दी है। शरद पवार के एक बयान का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने पिछले दिनों उनके और उद्धव ठाकरे के एनडीए में शामिल हो जाने को लेकर संकेत दिए थे। पीएम ने तब कहा था, नकली एनसीपी और शिवसेना ने चार जून के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस में विलय करने का मन बना लिया है लेकिन उन्हें इसके बजाय अजित पवार और एकनाथ शिंदे के साथ मिल जाना चाहिए।

पीएम ने कहा था, चार दिन बाद कांग्रेस में जाकर मरने की बजाय, सीना तान करके हमारे अजीत दादा और शिंदे जी के साथ आओ, आपके सभी सपने पूरे हो जाएंगे। कांग्रेस के अलावा शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की एनसीपी भी विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है। अब सवाल यह है कि पीएम मोदी की इस सलाह के मायने क्या हैं? इसपर बोलते हुए भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, मोदी ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो अचानक से कोई टिप्पणी करते हैं। उनका हर बयान सोच-समझकर और निश्चित कारणों के साथ दिया गया होता है।

उत्तराखंड में पसरता मजार-जेहाद

कितनी जगह दफनाया गया कालू सैय्यद?

देहरादून, 03 जून (एजेंसियां)। देवभूमि उत्तराखंड अवैध मजारों के धंधे के चंगुल में कई सालों से फंसा हुआ है। पिछले एक साल में पांच सौ से ज्यादा अवैध मजारें ध्वस्त करने के बावजूद अभी भी बड़ी संख्या में अवैध मजारें ऐसी है जिनके अस्तित्व पर सवाल खड़े हो रहे हैं। भूरे शाह, कालू सैय्यद शाह जैसे नामों की एक-एक दर्जन मजारें हैं। जिन्हें देख कर साफ-साफ लगता है कि ये सोची समझी साजिश के तहत यहां बनाई गई है और इस अंधविश्वास के धंधे में देव-भूमि के सनातनी लोग गिरफ्त में है।

उल्लेखनीय है कि इस्लाम मजहब में केवल खुदा के आगे सिर झुकाने के मान्यता है और इस धर्म में जिस किसी को जहां दफनाया जाता है वो स्थान कच्चा छोड़ा जाता है। माना जाता है कि मजार किसी फकीर या किसी करिश्माई व्यक्ति की दफनाई जगह होती है। जैसे अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह या रुड़की में पीरान कलियर दरगाह है। इन फकीरों की दरगाह के नाम से देश दुनिया में कोई और मजार या दरगाह नहीं देखी न सुनी गई है। मानने वाले यहां मन्नत मांगने आए मन्नत पूरा होने पर जाते हैं।

देवभूमि उत्तराखंड में कालू सैय्यद नाम की एक दर्जन से ज्यादा मजारें बनी हुई है। अब कालू सैय्यद की असली मजार कौन सी है? है भी कि नहीं, इस पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, कालू सैय्यद नाम से जसपुर, रानीखेत, ए हल्द्वानी, कालाढूंगी, लोहाघाट आदि स्थानों में मजारें बनी हुई हैं। अल्मोड़ा में भी कालू सैय्यद में मजार है। कालू सैय्यद के साथ यहां उसके घोड़े की भी मजार है और अंधविश्वासी लोग घोड़े को भी

अगरबत्ती लगा रहे हैं।

कालू सैय्यद कौन थे? क्या चमत्कार उन्होंने दिखाए, ये सब बातें सुनी सुनाई है, जिसमें ये बात भी सुनी गई है कि कालू सैय्यद, तुर्की के रहने वाले थे यहां घोड़े पर आए थे, अब कहां तुर्की कहां देवभूमि उत्तराखंड के शहर और जंगल? वो अपना देश वतन छोड़ कर यहां क्यों और कैसे चले आए इस पर कोई जवाब नहीं देता। अभी कुछ दिन पहले ये भी जानकारी सामने आई कि कालू सैयद की एक मजार गुजरात में भी देखी गई। माना कि कालू सैय्यद पीर, हजरत, फकीर होंगे, घोड़े पर भी आए होंगे। लेकिन, उनका जब भी इंतकाल हुआ होगा तो एक ही जगह हुआ होगा और वहीं उनकी मजार भी बनी होगी। ऐसा तो हुआ नहीं होगा कि एक पीर फकीर दस-दस जगह दफना दिया गया होगा।

साफ तौर पर लगता है कि कालू सैय्यद के नाम से जो भी मजारें है वो एक तरह से फ्रेंचाइजी मजारें हैं और ये बिजनेस माड्यूल है जो कि एक षड्यंत्र के तहत देवभूमि में फैलाया गया और इसके पीछे मंतव्य यही दिखता है कि सनातनी लोगों को देवी-देवताओं से दूर करते हुए उनसे धन चढ़ावा वसूला जाए। हर साल उर्स के बहाने मेले लगते हैं जहां मुस्लिम लोग आकर प्रसाद चादर धूप अगरबत्ती आदि की दुकानें और खेल झूले लगाते हैं और हिंदू लोग वहां उनके कारोबार में फंसते है। इन उर्स में इस्लामिक कव्वालियां होती है और सनातनी लोगों को खुदा की इबादत सिखाई जाती है। बताया जाता है कि इन कालू सैयद मजारों की धंधे की चेन, बरेलवी मुस्लिमों द्वारा बनाई गई है जिसका मुख्यालय यूपी के बरेली में है।

देवभूमि उत्तराखंड में जहां-जहां भी कालू सैयद नाम की मजारें है वो सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करके बनाई गई है और ये मजारें कभी दस बाई दस फुट की जमीन को घेर कर बनाई होंगी। लेकिन, अब आसपास की हजारों वर्ग फुट पर कब्जे कर लिए है और यहां आसपास बनी दुकानें भी अवैध कब्जे कर बनाई गई है। उधम सिंह नगर में तराई पश्चिम फॉरेस्ट जोकि रिजर्व वाइल्ड लाइफ फॉरेस्ट माना जाता है, यहां बीचों-बीच एक मजार बना दी गई है।

इस बारे में जब फॉरेस्ट के अधिकारियों से पूछा जाता है तो वे खामोश हो जाते है। आरक्षित जंगल में किसी बाहरी व्यक्ति को जाने की इजाजत नहीं है, यहां जंगलों में रहने वाले लोगों तक को बाहर कर दिया गया है, लेकिन मजार तक जाने और उर्स पर मेला लगाने की इजाजत वन विभाग देकर अपना दोहरा चरित्र पेश कर रहा है। रानीखेत कैंट एरिया है वहां ये मजार कैसे बन गई? जबकि, ये आर्मी एरिया है और यहां कैसे सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया गया? ऐसे ही लोहा घाट और अल्मोड़ा में सरकारी जमीनों पर कब्जा कर ये मजारें किस के आदेश पर और कैसे बनी? इस पर शासन प्रशासन खामोशी की चादर ओढ़ लेता है।

देवभूमि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कहते हैं कि वो देवभूमि का मूल स्वरूप बिगड़ने नहीं देंगे। यहां देवी देवता निवास करते है सनातन यहां की आध्यात्मिक सांस्कृतिक पहचान है। हम यहां नीली हरी चादर डाल कर सरकारी जमीनों पर कब्जे करने की इजाजत नहीं देंगे। हमने 536 ऐसे अवैध कब्जे हटाए हैं।

पुलिस ने मस्जिदों से उतरवाए लाउडस्पीकर

हरिद्वार, 03 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर धार्मिक स्थलों के लाउडस्पीकरों को उतरवाने का काम हरिद्वार पुलिस ने शुरू कर दिया है। एसएसपी प्रमेंद्र डोभाल ने बताया कि पहले दिन 75 लाउडस्पीकर बंद करवा कर उतरवा दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है निर्धारित किए गए डेसिबल से अधिक आवाज वाले ध्वनि प्रदूषण के सम्बन्ध में हाईकोर्ट का स्पष्ट आदेश है।

हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन के लिए एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोभाल द्वारा जनपद स्तर पर दिए गए निर्देशों के अनुक्रम में हरिद्वार पुलिस ने आज सिटी से लेकर देहात क्षेत्र में विभिन्न थाना क्षेत्र के धर्मगुरुओं, मौलवियों एवं सम्मानित व्यक्तियों को जागरूक करने के साथ-साथ कई स्थानों पर धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतरवाने की कार्रवाई की। हरिद्वार पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के तहत थाना बहादराबाद क्षेत्रांतर्गत 17 स्थानों के लाउडस्पीकर उतरवाए गए, कोतवाली गंगनहर क्षेत्र में 22, सिडकुल क्षेत्रांतर्गत 10, कोतवाली ज्वाला-पुर क्षेत्रांतर्गत 05, थाना झबरेडा क्षेत्रान्तर्गत 12, कनखल में 2, कोतवाली मंगलौर में 12 लोगों को नोटिस व दो लाउडस्पीकर, थाना बुग्गावाला से 3 लाउडस्पीकर उतारे गए। अगले कुछ दिनों में अभियान में और तेजी लाते हुए लाउडस्पीकर उत-ारने के साथ-साथ जुर्माना भी वसूला जाएगा। उल्लंघनकर्ता के खिलाफ नियमानुसार कड़ी वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

असम में भारी बारिश से उफान पर नदियां

पांच लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

28 मई से अब तक 18 लोगों की मौत

दिसपुर, 03 जून (एजेंसियां)। असम में भारी बारिश के बाद कई नदियों का जल स्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा यह जानकारी दी गई है। आयोग का कहना है कि कई जगहों पर नदियों के जलस्तर की गंभीर स्थिति देखी गई है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार असम में तीन स्थानों पर बाढ़ की गंभीर स्थिति बन रही है। इन तीन जगहों में जहां नदियों का स्तर खतरे के निशान को छू रहा है। इसके अलावा तीन स्थानों पर बाढ़ की स्थिति सामान्य से ऊपर है।

सीडब्ल्यूसी का कहना है कि बाढ़ की वजह से 39,000 से अधिक लोगों को विस्थापित किया गया है। इसके लिए अलग अलग जिलों में 193 राहत शिविर बनाए गए हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ द्वारा लगातार राहत और बचाव का काम किया जा रहा है। सीडब्ल्यूसी के अनुसार असम की बुरीदेहिंग नदी सामान्य से ऊपर बह रही है। सोमवार सुबह 11 बजे तक नदी का जल स्तर 133.54 मीटर दर्ज किया गया। बताया गया है कि यह संभावित खतरे का संकेत हो सकता है। सीडब्ल्यूसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि सोनितपुर जिले में जियाभराली नदी का जलस्तर 77.30 मीटर पहुंच गया है। यह स्तर सामान्य से ऊपर है और बाढ़ की स्थिति में बनी हुई है।

मोरीगांव और नागांव जिलों में कोपिली नदी भी उफान पर है और इस वजह से गंभीर बाढ़ की स्थिति बन रही है। मोरीगांव के धरमातुल में कोपिली नदी 56.42 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान से 0.42 मीटर ऊपर है। वहीं, नगांव के कामपुर में कोपिली नदी का जलस्तर 61.04 मीटर पर है जो खतरे के निशान से 0.54 मीटर ऊपर है। उधर असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि बाढ़ से 13 जिलों में पांच लाख से अधिक लोग अभी भी प्रभावित हैं। इससे पहले एएसडीएमए ने शनिवार को बताया था कि 10 जिलों में बाढ़ प्रभावित लोगों की संख्या छह लाख से अधिक थी। बता दें कि बाढ़ और तूफान की वजह से कछार में दो और नगांव में एक व्यक्ति की मौत हुई है। इसके साथ ही 28 मई से लेकर अब तक बाढ़ और तूफान में मारे गए लोगों की संख्या 18 हो गयी है।

नतीजे तय करेंगे मंत्रियों और विधायकों के कद

दूसरे दलों से आए नेताओं की भी अग्निपरीक्षा

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव का शनिवार को अंतिम चरण पूरा होने के साथ ही सबकी नजरें चार जून को आने वाले नतीजों पर टिकी हैं। नतीजों से निकलने वाले संदेश बहुत कुछ तय करेंगे। चुनाव लड़ रहे केंद्र व राज्य सरकार के मंत्रियों का कद तो तय होगा ही, मंत्री बनने का सपना देख रहे कई विधायकों की जमीन पर पकड़ भी सामने आएगी।

पार्टी ने चुनाव के मौके पर बड़ी संख्या में दूसरे दलों के नेताओं को लाकर, पद व प्रतिष्ठा देकर जिन समीकरणों का ताना-बाना बुना, उस सबका कितना असर हुआ, इसका भी पता चलेगा।

ढाई महीने लंबे चुनाव अभियान के दौरान प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं के कई महत्वपूर्ण फीडबैक सामने आए। पहला, कई मंत्रियों व सांसदों की छवि जनता के बीच ठीक नहीं थी। पीएम मोदी के नाम पर लगातार दो चुनाव जीतने के बावजूद वे जनता से कटे रहे। जनता के बीच उनकी छवि भी बेहतर नहीं रही। सम्पत्ति बढ़ाने, परिवार व अपने लोगों को प्रधान से प्रमुख और जिला पंचायत सदस्य से अध्यक्ष या विधायक तक पहुंचाकर ठेकेदारी के लाभ तक वे सीमित रहे।

फीडबैक के अनुसार ऐसे करीब 10 और सांसदों के टिकट कटने चाहिए थे। इनमें दो मंत्री भी थे। पर, पार्टी ने जनभावना की अपेक्षा टिकट कटने पर इनकी नाराजगी से होने वाले नुकसान को ज्यादा महत्व देते हुए फिर से मौका दे दिया। ऐसी कई सीटों पर कार्यकर्ता सुस्त पड़े रहे जिससे लड़ाई कठिन हुई। दूसरा, कई जगह पार्टी ने सांसद का टिकट काटा, लेकिन उनके ही परिजन को दे दिया। इन सीटों पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं में सुस्ती नजर आई। कार्यकर्ताओं में नाराजगी की वजह यही थी कि वे पार्टी का नहीं, बल्कि एक परिवार का झंडा उठाने को मजबूर किए जा रहे हैं।

मतदाताओं में भी यह सवाल रहा कि मोदी परिवारवाद पर खूब बोलते हैं, लेकिन अपनी पार्टी पर मौन क्यों हैं। ऐसी सीटों पर कई जगह भाजपा समर्थक मतदान के दिन घर से नहीं निकलने या नोटा दबाने की बात करते नजर आए। संकेतों के मुताबिक ऐसी सीटों पर लड़ाई नजदीकी मुकाबले में फंस सकती है।

यह चुनाव केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री व चंदौली से भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी, केंद्रीय मंत्री संजीव कुमार बालियान का भी कद तय करेगा। इन सभी को पार्टी ने फिर मौका दिया है। अपना दल की नेता व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल मिर्जापुर से तीसरी बार मैदान में हैं। नतीजा तय करेगा कि कुर्मी मतदाताओं के साथ-साथ भाजपा के परंपरागत माने जाने वाले वोट बैंक को वे अपने साथ रखने में कितना कामयाब रहीं।

केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी महराजगंज सीट से 1991 से लेकर अब तक छह बार जीत दर्ज कर चुके हैं। यह चुनाव उनके लिए भी प्रतिष्ठा का सवाल है। यहां से इंडी गठबंधन ने उनके खिलाफ कांग्रेस से विधायक वीरेंद्र चौधरी को उतारा है। पांच बार के सांसद व केंद्रीय राज्यमंत्री भानु प्रताप वर्मा को भाजपा ने लगातार आठवीं बार प्रत्याशी बनाया है। वोटों के मार्जिन से उनके कद का भी आकलन होगा। भाजपा ने हैट्रिक की मंशा से साध्वी निरंजन ज्योति को फतेहपुर से मैदान में उतारा। वे कितनी खरी उतरती हैं, इसपर भी सबकी नजर होगी।

तिकुनिया के थार कांड से देश-विदेश में चर्चा में आए केंद्रीय राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी पर भी भाजपा ने फिर दांव लगाया है। यह चुनाव टेनी का न सिर्फ कद तय करेगा, बल्कि उनके भविष्य की सियासत की पटकथा भी लिखेगा।

प्रदेश सरकार के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद पीलीभीत, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह मैनपुरी, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह रायबरेली और राजस्व राज्य मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि हाथरस से मैदान में हैं। इनके प्रदर्शन पर भी सबकी निगाहें हैं।

प्रदेश के कई विधायक चुनाव से पहले ही मंत्रिमंडल विस्तार और मंत्री बनने का सपना देख रहे थे। मगर, उनकी उम्मीदों पर चुनाव तक विराम लग गया। इधर, चुनाव आया तो क्षेत्र में अलग-अलग वजहों से कई विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों के भितरघात की बातें सामने आईं। कई जगह पता चला कि विपक्ष से सजातीय प्रत्याशी आया, तो विधायक निष्क्रिय हो गए।

फतेहपुर सीकरी में भाजपा विधायक चौधरी बाबू लाल ने अपने बेटे रामेश्वर सिंह को निर्दलीय मैदान में उतार दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने रामेश्वर सिंह के लिए मतदाताओं से संपर्क भी किया। इस पर भाजपा ने चुनाव के बीच में ही उन्हें कारण बताओ नोटिस भेज दिया। एक अन्य सीट पर सांसद प्रत्याशी और विधायक के बीच झड़प आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही। कई वे विधायक जिनके चुनाव में सांसद ने दगा दिया था, वे अपना क्षेत्र छोड़कर दूसरे दिग्गजों का प्रचार करने चले गए। कई विधायकों को संगठन व नेतृत्व ने आगाह भी किया। नेतृत्व की नसीहत का कितना फर्क पड़ा, यह विधायकों के क्षेत्र में जीत-हार व मार्जिन से पता चलेगा।

चुनाव से पहले दूसरे दलों के दिग्गज नेताओं को पार्टी में शामिल किया गया। उन्हें महत्वपूर्ण पद दिए गए। कुशीनगर के पूर्व सांसद आरपीएन सिंह को पार्टी में शामिल कर राज्यसभा सांसद बनाया गया। इससे होने वाले नफा-नुकसान भी सामने आएंगे। आजमगढ़, बलिया और आसपास के क्षेत्रों में सजातीय मतदाताओं में असर रखने वाले पूर्व एमएलसी यशवंत सिंह की पिछले माह ही भाजपा में वापसी कराई गई। उन्हें वर्ष 2022 में पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया गया था। इनके आने से भाजपा को कितना फायदा हुआ, यह भी चुनाव नतीजे से साफ होगा।

मुलायम सिंह के करीबी रहे पूर्वांचल के कद्दावर नेता पूर्व मंत्री राजकिशोर सिंह और उनके भाई बृज किशोर सिंह को भी चुनावी फायदे के लिहाज से भाजपा में शामिल कराया गया। सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय को पार्टी में शामिल कर अमेठी, रायबरेली और आसपास की सीटों पर ब्राह्मण मतदाताओं पर पकड़ को और मजबूत बनाने की भाजपा की रणनीति कितनी सफल रही, यह सब परिणाम साफ कर देगा।

भाजपा ने यूपी में 2014 के चुनाव में पन्ना प्रमुखों की अवधारणा पर काम शुरू किया था। मतदाता सूची के प्रत्येक पन्ने पर पदाधिकारी तय किए गए। इस प्रयोग से मतदाताओं से संपर्क बढ़ाकर उन्हें पार्टी से जोड़ने और मतदान के दिन वोट डलवाने में बड़ी सफलता मिली। इससे पार्टी का वोट शेयर तेजी से बढ़ा। इस चुनाव में मतदान प्रतिशत ही कम रहा है। ऐसे में यह प्रयोग कितना कारगर रहा, इस पर भी सबकी निगाहें होंगी।

मतगणना के पूर्व की समीक्षा

दिग्गजों की सीट पर हुआ कम मतदान

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। यूपी में दिग्गजों की सीट पर ही कम मतदान हुआ। पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी और विपक्ष के प्रमुख चेहरा राहुल गांधी की सीट पर 40 फीसदी से ज्यादा मतदाता बूथों तक नहीं पहुंचे। यही नहीं, कई केंद्रीय मंत्रियों की सीटों पर उस चरण के औसत से भी कम मतदान हुआ।

पांचवें चरण में शामिल रही लखनऊ सीट से भाजपा के कद्दावर नेता राजनाथ सिंह चुनाव मैदान में हैं। पर, लखनऊ में इस चरण के औसत मतदान 58.02 प्रतिशत से भी कम वोट पड़े। इसी तरह अमेठी से केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी प्रत्याशी हैं। यह सीट भी पांचवें चरण में शामिल थी और यहां इस चरण के औसत मतदान से 3.68 प्रतिशत कम मतदान हुआ।

फतेहपुर से केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति मैदान में हैं। यहां भी पांचवें चरण के औसत के बराबर मतदान नहीं रहा। यही हाल मुजफ्फरनगर में भी रहा। वहां से केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान प्रत्याशी हैं। पहले चरण में औसत मतदान 61.11 प्रतिशत रहा, लेकिन संजीव बालियान की सीट पर 59.13 प्रतिशत वोटर ही बूथ तक आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्षेत्र वाराणसी, राहुल गांधी के क्षेत्र रायबरेली, मेनका गांधी के क्षेत्र सुल्तानपुर, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के क्षेत्र मिर्जापुर, धर्मेंद्र यादव के क्षेत्र आजमगढ़ में वोटिंग संबंधित चरणों के औसत से तो ज्यादा रहा, लेकिन 60 फीसदी तक नहीं पहुंच सकी। अलबत्ता, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की सीट कन्नौज, केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय की सीट चंदौली, केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी की सीट महराजगंज, केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी की सीट लखीमपुर खीरी में मतदान 60 प्रतिशत से अधिक रहा। इन चारों सीटों पर मतदान उन चरणों के औसत मतदान से अधिक रहा।

हत्या में उम्रकैद पाए तीन लोग 44 साल बाद बेगुनाह साबित

पूरी जिंदगी जेल में निकल गई, अब कौन करेगा भरपाई?

प्रयागराज, 03 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या में उम्रकैद पाए तीन लोगों को 44 साल बाद बेगुनाह करार दिया है। हाईकोर्ट ने दोषियों की सजा की रद्द कर दी है। हाईकोर्ट ने माना है कि गवाह और सबूत संदेहास्पद हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 44 साल पहले मुजफ्फरनगर डीएवी कॉलेज में बीए के छात्र की हत्या के दोषी तीन लोगों को बेगुनाह करार दिया। कोर्ट ने उन्हें मिली आजीवन कारावास की सजा रद्द कर दी। यह फैसला न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा, न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर कर खंडपीठ ने राजेश, ओमवीर और एक नाबालिग आरोपी की ओर से सजा के खिलाफ 40 साल पहले दाखिल अपील निस्तारण करते हुए सुनाया। अपील करने वालों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बृजेश सहाय और सुनील वशिष्ठ ने दलील पेश की।

मामला मुजफ्फरनगर थाना सिविल लाइंस के केशवपुरी मोहल्ले का है। अभियोजन की कहानी के मुताबिक छात्र अजय छह जनवरी को ताऊ रघुनाथ के कहने पर अपने साथी राजेश के पास डीजल के पैसे वापस लेने गया था। लेकिन, वह घर वापस नहीं लौटा। रघुनाथ ने आठ जनवरी को भतीजे की गुमशुदगी दर्ज कराई। खोजबीन के बाद राजेश की तलाश शुरू हुई। फिर उसे पुलिस ने मिनाक्षी सिनेमाघर के पास से गिरफ्तार किया। इसके बाद राजेश की निशानदेही पर अजय का शव केशवपुरी मोहल्ले के सुखवीर के किराये के मकान से बरामद किया गया।

इस कमरे में ओमवीर रहता था। इनकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने मामले में राजेश, ओमवीर और एक नाबालिग के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। अभियोजन की ओर से अदालत में 13 गवाह पेश किए गए। इसके बाद मुजफ्फरनगर के अपर जिला व सत्र न्यायालय ने 30 जून 1982 को राजेश समेत तीन अभियुक्तों को हत्या और सबूत मिटाने का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

सजा के खिलाफ तीनों ने 1982 में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अपील के दौरान राजेश, ओमवीर की सुनवाई बतौर वयस्क आरोपी चली, जबकि तीसरे आरोपी को 2017 में नाबालिग घोषित कर दिया गया। हाईकोर्ट ने 44 साल से लंबित अपील का निस्तारण करते हुए तीनों आरोपियों को मिली आजीवन कारावास की सजा से बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मामले में पेश अभियोजन के गवाहों की ओर से मृतक के अंतिम दृश्य के संबंध में दिए बयानों में विरोधाभास और शव की बरामदगी संदेहास्पद है।

मामले में 44 साल पहले फंसे राजेश और ओमवीर की उम्र अब 60 के पार है। जबकि, सजा पाने के बाद नाबालिग घोषित आरोपी भी अब 59 के करीब है। करीब चार दशक चली मुकदमेबाजी के बाद बेगुनाह साबित हुए तीनों आरोपियों की जवानी खाक हो गई।

लोकसभा चुनाव-2024 : 80 को आधार देने कई सीटों पर तीन से अधिक बार पहुंचे योगी

अबकी बार 400 पार का आधार बनेंगी यूपी की लोकसभा सीटें

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश से चुनकर देश का नेतृत्व करते हैं। इनके कंधों पर अपनी संसदीय सीटों के साथ ही पूरे देश के राजग प्रत्याशियों को जिताने का भी दारोमदार रहा। ऐसे में उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने अपने नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सीटों पर उनके साथ और अकेले भी कई बार पहुंचकर मतदाताओं से संवाद स्थापित किया। यहीं नहीं, अपनी गृह सीट गोरखपुर में भी योगी आदित्यनाथ ने सात से अधिक रैली, कार्यक्रम और रोड शो किया। इसके साथ ही नए प्रत्याशियों के लिए भी सीएम योगी ने कई-कई बार मतदाताओं से संवाद स्थापित कर अबकी बार 400 पार के लिए 80 को आधार बनाने की अपील की।

यूपी के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में आठ चुनावी कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इसमें से अधिकांश में प्रधानमंत्री व काशी के सांसद नरेंद्र मोदी खुद भी शामिल रहे। सीएम ने 3 अप्रैल को वाराणसी लोकसभा चुनाव संचालन समिति की बैठक की। पीएम संग 13 मई को रोड शो, 14 मई को कार्यकर्ता सम्मेलन, 14 मई को नामांकन, 21 मई को नारी वंदन सम्मेलन में सीएम भी शामिल हुए। सीएम ने 25 मई व 27 मई को जनसभा की और 27 मई को ही बाराणसी के अधिवक्ता से संवाद स्थापित किया। लखनऊ के सांसद और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ योगी आदित्यनाथ ने नामांकन से पहले 29 अप्रैल को रोड शो किया। इसके अलावा सीएम 14 मई, 15 मई, 16 मई, 17 मई को विभिन्न जनसभाओं में भी शामिल हुए। गोरखपुर से भाजपा सांसद और प्रत्याशी रवि किशन के लिए भी सीएम योगी ने मतदाताओं से संवाद स्थापित किया। गोरखपुर में 4 अप्रैल को लोकसभा चुनाव संचालन समिति की बैठक की। 10 मई को नामांकन सभा, 24 मई, 26 मई, 28 मई, 29 मई जनसभा की और 29 मई को यूपी का आखिरी चुनावी कार्यक्रम रोड शो भी सीएम योगी ने गोरखपुर में ही किया।

लोकसभा चुनाव-2024 में सीएम योगी आदित्यनाथ के लिए श्रीराम की नगरी भी केंद्र में रही। निरंतर अयोध्या में विकास कार्यों का निरीक्षण करने, साधु-संतों से भेंट करने के साथ ही नियमित रूप से रामलला और हनुमानगढ़ी दरबार भी पहुंचे। फैजाबाद लोकसभा सीट के मतदाता भारतीय जनता पार्टी से भावनात्मक लगाव रखते हैं। इस सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोड शो भी किया था। इसमें सीएम योगी भी शामिल रहे। इसके साथ ही दो अन्य जनसभाओं के माध्यम से सीएम योगी ने मतदाताओं से अपील कर कमल के पक्ष में रिकॉर्ड बनाने की अपील की। वहीं रामायण धारावाहिक के श्रीराम यानी अरुण गोविल के समर्थन में भी सीएम योगी ने मेरठ लोकसभा सीट के लिए कई बार पहुंचकर प्रचार किया। अपने चुनाव कार्यक्रम के पहले दिन (27 मार्च) को सीएम ने यहां प्रबुद्ध सम्मेलन किया तो 31 को पीएम नरेंद्र मोदी के साथ चौधरी चरण सिंह गौरव सम्मान समारोह में शामिल हुए। मेरठ लोकसभा सीट के लिए सीएम ने 18 अप्रैल को जनसभा और 23 अप्रैल को अभूतपूर्व रोड शो भी किया।

जिन सीटों पर नए प्रत्याशियों के लिए भाजपा ने दांव लगाया, उनमें हाथरस, मैनपुरी, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, बदायूं आदि सीटें ऐसी रहीं, जहां सीएम योगी तीन या उससे अधिक बार प्रचार करने पहुंचे। हाथरस से अनूप प्रधान, मैनपुरी से जयवीर सिंह, मेरठ से अरुण गोविल, बागपत से एनडीए के राजकुमार सांगवान, गाजियाबाद से अतुल गर्ग और बदायूं से दुर्विजय सिंह शाक्य इस बार मैदान में हैं। इन नए प्रत्याशियों के लिए भी योगी ने खूब पसीना बहाया। वहीं 2019 में हारी अमरोहा और सहारनपुर सीटों पर भी सीएम योगी आमजन के बीच पहुंचे। मतदाताओं ने विकास के बलबूते कमल खिलाने के प्रति आश्वस्त किया।

अब पता चलेगा कितने काम का रहा कांग्रेस का प्रयोग

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के परिणाम से पता चलेगा कि कांग्रेस के प्रयोग कितने काम के रहे। चुनाव परिणाम कांग्रेस की नई प्रयोगशाला का भविष्य तय करेगा। अगड़ों की परवाह किए बिना कांग्रेस ने पिछड़ों पर दांव लगाया है। अल्पसंख्यकों और दलितों पर भी डोरे डाले। विपक्षी नेता के तौर पर राहुल गांधी को स्थापित करने के प्रयास की भी परीक्षा है।

लोकसभा चुनाव परिणाम कांग्रेस की नई प्रयोगशाला का भविष्य तय करेगा। क्योंकि कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में दो अहम प्रयोग किए। एक तरफ अगड़ों की परवाह किए बिना पिछड़ा और दलित कार्ड खेला, तो दूसरी तरफ अयोध्या में राम मंदिर नहीं जाकर अल्पसंख्यकों को भी भरोसा दिलाया।

खास बात यह रही कि यूपी में सिर्फ 17 सीटों पर लड़ते हुए राहुल गांधी को विपक्षी नेता के तौर पर स्थापित करने का पूरा प्रयास किया गया। अब देखना यह होगा कि ये प्रयोग कितने सफल हुए हैं। लोकसभा चुनाव का शंखनाद होने से ठीक पहले कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खड़गे को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया। इसके जरिए पूरे देश में दलितों को जोड़ने का संदेश दिया गया। फिर राहुल गांधी ने न्याय यात्रा निकाली और जातीय जनगणना का मुद्दा जोरशोर से उठाया।

उत्तर प्रदेश में अध्यक्ष भले अजय राय बनाए गए, लेकिन उनकी कार्यकारिणी में पिछड़ों और दलितों को भरपूर भागीदारी देने की कोशिश हुई। प्रदेश में संविधान बचाओ, आरक्षण बचाओ सम्मेलन, दलित संवाद जैसे कार्यक्रमों के जरिये जातीय जनगणना कराने की पुरजोर वकालत की गई। न्याय यात्रा के दौरान प्रदेश में राहुल गांधी पूरी तरह से जातीय जनगणना और पिछड़ों, दलितों पर ही केंद्रित रहे। चुनाव के दौरान भी जातीय जनगणना के बहाने उन्होंने न सिर्फ भागीदारी का मुद्दा उठाया, बल्कि मीडिया पर भी हमलावर रहे। यह भी एक तरह की सियासी रणनीति का हिस्सा था, तो पिछड़ों, दलितों को संदेश देने का प्रयास भी।

चुनाव के बीच लखनऊ में राहुल गांधी के मुख्य आतिथ्य में हुए आरक्षण बचाओ, संविधान बचाओ सम्मेलन से दलित मतदाताओं की गोलबंदी करने का प्रयास हुआ। चौथे से लेकर सातवें चरण की 54 सीटों के चुनाव में कांग्रेस और सपा ने बूथ कमेटियों में भी सोशल इंजीनियरिंग का फार्मूला अपनाया। ऐसे में देखना होगा कि लोकसभा चुनाव में किए गए ये नए प्रयोग वोट की फसल काटने का हथियार बन पाए या नहीं। क्योंकि ये प्रयोग सफल हुए तो कांग्रेस के लिए नया रास्ता खुलेगा, लेकिन फेल हुए तो उसे नए सिरे से रणनीति बनानी होगी।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय भले अयोध्या में दर्शन करने पहुंचे, लेकिन शीर्ष नेतृत्व के तौर पर राहुल गांधी और प्रियंका न तो दर्शन करने गए और न ही इस मुद्दे पर खुलकर कुछ बोले। कांग्रेस के रणनीतिकारों का मानना है कि उनके सामने अल्पसंख्यकों को भरोसा दिलाने की चुनौती थी और इस चुनाव में वे अल्पसंख्यकों को जोड़ने में सफल रहे। यही वजह है कि सिर्फ 17 सीटें मिलने पर भी कांग्रेस सपा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलती रही। क्योंकि वह दलित और अल्पसंख्यकों को अपना कोर वोटबैंक मानती है। इसके खिसकने के बाद से ही पार्टी रसातल की ओर गई।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का वोट बैंक लगातार खिसकता रहा है। वर्ष 2014 में कांग्रेस को 7.53 फीसदी, भाजपा को 42.63 फीसदी, बसपा को 19.77 फीसदी और सपा को 22.35 फीसदी वोट मिला था। 2019 के चुनाव में सपा और बसपा का गठबंधन था। ऐसे में कांग्रेस को 6.36 फीसदी, भाजपा को 49.97 फीसदी और बसपा को 19.42 एवं सपा को 18.11 फीसदी वोट मिले। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा का पहला बार गठबंधन है। ऐसे में नए प्रयोगों के साथ ही गठबंधन की भी परीक्षा है। इससे पहले सपा और कांग्रेस ने 2017 के विधानसभा चुनाव में गठबंधन किया था, लेकिन वह सफल नहीं रहा।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय कहते हैं, हमें भरोसा है कि हमारा नया प्रयोग पूरी तरह से सफल होगा। पार्टी के हर नेता और कार्यकर्ता ने मेहनत की है। गठबंधन में शामिल दलों ने पूरी निष्ठा से साथ दिया है। ऐसे में हम सीटें भी जीतेंगे और मत प्रतिशत भी बढ़ाएंगे। इस वोटबैंक के जरिए आगे की रणनीति तैयार करेंगे।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने निश्चित तौर पर कई नए-नए प्रयोग किए हैं। इन प्रयोगों के जरिए कांग्रेस अपने नेता राहुल गांधी को नए अवतार में प्रस्तुत करने में सफल रही है। संविधान बचाने, जातीय जनगणना, सामाजिक न्याय जैसे मुद्दे उठाने से राहुल गांधी के प्रति न केवल लोगों का आकर्षण बढ़ा है, बल्कि यह भरोसा भी बढ़ा कि वह सामाजिक बदलाव में भूमिका निभा सकते हैं। यह सोच वोट बैंक में तब्दील हुई या नहीं, यह तो मतगणना के बाद पता चलेगा। यह चुनाव परिणाम कांग्रेस के भविष्य के लिए अहम है। उसके नए प्रयोगों से जनता पर हुए असर का प्रमाण भी देगा।

इस तरह कम करें कोलेस्ट्रॉल

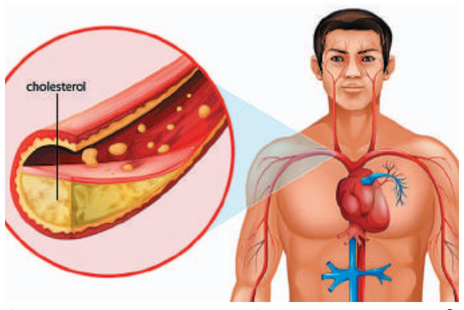

मेडिकल साइंस के इस तथ्य से आप शायद अवगत ही होंगी कि ब्लड में कोलेस्ट्रॉल के स्तर के बढ़ने से हाई ब्लडप्रेशर और और अन्य हृदय रोगों के होने का जोखिम बढ़ जाता है, लेकिन कुछ बातों पर अमल करके आप बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर इसे नियंत्रित कर सकती हैं..

अनहेल्दी फैट से दूर

अनहेल्दी फूड के स्थान पर अपने खानपान में साबुत अनाज, ताजे फल और सब्जियां, फिश, ऑलिव ऑयल, लहसुन, बादाम और अखरोट को शामिल करें।

कॉफी कम

क्या आपको पता है कि प्रतिदिन तीन से छह कप कॉफी पीने से आपके कोलेस्ट्रॉल में आठ से 10 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

एक्सरसाइज है गुड

हफ्ते में एरोबिक एक्सरसाइज के 30 मिनट के चार सेशन से आपके हाई-डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल) के स्तर में इजाफा होगा। एचडीएल को गुड कोलेस्ट्रॉल भी कहा जाता है।

वजन पर नियंत्रण

वजन अधिक होने या मोटापे से ग्रस्त होने से आपके कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ जाता है। इसलिए समय-समय पर अपना वजन चेक करती रहें।

ओम शांति शांति

शोधकर्ताओं के अनुसार तनाव व दबाव की स्थितियों में जो लोग शत्रुतापूर्ण या आक्रामक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं, उनका एचडीएल स्तर कम होता है। वहीं जो लोग विपरीत स्थितियों में अपने क्रोध को नियंत्रित करने में सक्षम होते हैं, उनका एचडीएल स्तर ऊंचा रहता है।

सेम और दाल भी घटाते है कोलेस्ट्रॉल

दिन में कम से कम एक बार भोजन में सेम, मटर या दाल खाने से कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण में रहता है और हृदय की बीमारियों का खतरा कम होता है। सेंट माइकल हॉस्पीटल के चिकित्सक सिवेनपाइपर ने कहा कि दिन में एक समय भोजन में दाल खाने से पांच प्रतिशत तक कोलेस्ट्रॉल कम होता है। भोजन में दाल को शामिल करना हृदय के लिए फायदेमंद रहता है। इससे दिल की बीमारियों का खतरा पांच से छह प्रतिशत तक कम होता है। दालों में ग्लाइसेमिक इंडेक्स (पाचन क्रिया के दौरान भोजन सामग्री का टूटना) का स्तर अपेक्षाकृत कम होता है और इनमें अतिरिक्त प्रोटीन और कोलेस्ट्रॉल को घटाने की क्षमता होती है। सिवेनपाइपर ने मेटा एनालाइसिस समीक्षा के तहत 1,037 लोगों पर अध्ययन किया। अध्ययन में पता चला कि पुरुषों में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर महिलाओं की अपेक्षा कम होता है। इसका कारण महिलाओं का खान-पान में उचित ध्यान न देना हो सकता है। यह अध्ययन पत्रिका कैनेडियन मेडिकल एसोसिएशन में प्रकाशित हुई है।

पेनकिलर है हानिकारक

जीवन में बहुत बार ऐसे अवसर आते हैं जब हमें पेनकिलर दवाओं का सेवन करना पड़ता है। विशेषत आस्टियो-आर्थराइटिस के मरीजों को अधिक मात्रा में पेनकिलर दवाओं का सेवन करने की आदत हो जाती है। ऐसे मरीजों को यदि हृदय रोग भी हो तो ये दवाएं उनके लिए बहुत खतरनाक हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त अधिक मात्रा में या पेनकिलर का अधिक सेवन हमारे गुर्दों को क्षतिग्रस्त कर सकता है।

दिल की बीमारियों से दूर रखता है अखरोट

हालिया शोध में पता चला है कि रोजाना अखरोट खाने से डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता है। कनेक्टिकट स्थित येल ग्रिफिन प्रिवेंशन रिसर्च सेंटर के शोधकर्ताओं के मुताबिक, रोज 56 ग्राम अखरोट के सेवन से अधिक वजन वाले वयस्कों के शरीर की आंतरिक प्रक्रिया में सुधार आता है। इस शोध में 30 से 75 साल के 46 वयस्कों को शामिल किया गया था।

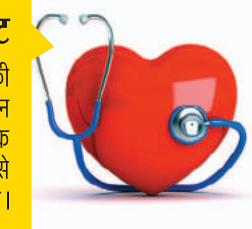

स्वस्थ शरीर है सबसे बड़ा खजाना!

आधुनिक जीवन शैली की तेज रफ्तार एवं भागदौड़ भरी जिंदगी में सेहत का विषय बहुत पीछे रह गया है और नतीजा यह निकला की आज हम युवावस्था में ही ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग, कोलेस्ट्रोल, मोटापा, गठिया, थायरॉइड जैसे रोगों से पीड़ित होने लगे हैं जो कि पहले प्रोढ़ावस्था एवं व्रद्धावस्था में होते थे और इसकी सबसे बड़ी वजह है खान पान और रहन सहन की गलत आदतें, आओ हम सेहत के इन् नियमों का पालन करके खुद भी स्वस्थ रहे तथा परिवार को भी स्वस्थ रखते हुए अन्य लोगों को भी अच्छे स्वास्थय के लिए जागरूक करें ताकि एक स्वस्थ एवं मजबूत समाज और देश का निर्माण हो,क्योंकि कहा भी गया है-पहला सुख निरोगी काया।

भोजन हो संतुलित

घी, तैल से बनी चीजें जैसे पूड़ी,परांठे,छोले भटूरे,समोसे कचौड़ी, जंक फूड, चाय,कॉफी ,कोल्ड ड्रिंक का ज्यादा सेवन सेहत के लिए घातक है इनका अधिक मात्रा में नियमित सेवन ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रोल, मधुमेह, मोटापा एवं हार्ट डिजीज का कारण बनता है तथा पेट में गैस,अल्सर, ऐसीडिटी, बार बार दस्त लगना, लीवर खराब होना जैसी तकलीफें होने लगती हैं इनकी बजाय खाने में हरी सब्जियां, मौसमी फल, दूध, दही, छाछ , अंकुरित अनाज और सलाद को शामिल करना चाहिए जो की विटामिन,खनिज लवण,फाइबर,एव जीवनीय तत्वों से भरपूर होते हैं और शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। चीनी एवं नमक का अधिक मात्रा में सेवन ना करें,ये डायबिटीज,ब्लड प्रेशर,हृदय रोगों का कारण हैं । बादाम, किशमिश, अंजीर, अखरोट आदि मेवा सेहत के लिए बहुत लाभकारी होते हैं इनका सेवन अवश्य करें पानी एवं अन्य लिक्विड जैसे फलों का ताजा जूस,दूध,दही,छाछ,नींबू पानी,नारियल पानी का खूब सेवन करें,इनसे शरीर में पानी की कमी नहीं हो पाती,शरीर की त्वचा एवं चेहरे पर चमक आती है,तथा शरीर की गंदगी पसीने और पेशाब के दवारा बाहर निकल जाती है।

व्यायाम का करें नियमित अभ्यास

सूर्योदय से पहले उठकर पार्क जाएं,हरी घास पर नंगे पैर घूमें, दौड़ लगाएं, वाक करें, योगा, प्राणायाम करें, इन उपायों से शरीर से पसीना निकलता है,मांस पेशियों को ताकत मिलती है,शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है, अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से बचाव होता है,पूरे दिन भर बदन में चुस्ती फुर्ती रहती है,भूख अच्छी लगती है इसलिए नियमित रूप से व्यायाम अवश्य करें।

गहरी नींद भी है जरुरी

शरीर एवं मन को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन लगभग 7 घंटे की गहरी नींद एक वयस्क के लिए जरुरी है,लगातार नींद पूरी ना होना तथा बार बार नींद खुलना,अनेक बीमारियों का कारण बनता है।

नींद भी है जरूरी

नेब्रस्का लिंकन विश्वविद्यालय के शोधर्कताओं ने पाया है कि ठीक से सो नहीं पाने के कारण आपका रोजमर्रा का कामकाज प्रभावित हो सकता है। साथ ही ज्यादा खाना खाने की प्रवृत्ति पनप सकती है। यह बच्चे और वयस्क, दोनों पर लागू होता है। वहीं नींद खराब होने के बाद, हार्मोन कंट्रोलिंग सिस्टम भी प्रभावित होता है, इससे भावनात्मक तनाव बढ़ जाता है, और अधिक भोजन, ऊर्जा की कमी को पूरा करने में सक्षम नहीं है। दिन में जो भी आप खाते हैं यह सभी कारक भोजन की मात्रा को प्रभावित करते हैं। नेब्रस्का लिंकन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता एलिसा-लिंकन और टीमोथी डी नेल्सन का कहना है कि डॉक्टरों को नींद और खाने के प्रति जागरूक होना चाहिए। नींद सक्रिय रूप से आहार-व्यवहार को बदल देती है। इस पर विचार किया जाना चाहिए। मोटापे से मधुमेह, ह्वदय रोग जैसी घातक बीमारी होने का खतरा बना रहता है। दूसरी ओर, इस बारे में लेखक का कहना है कि अत्यधिक भोजन करना व बाधित नींद को समझना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भोजन का सेवन जैविक, संज्ञात्मक, भावनात्मक और पर्यावरणीय कारकों से प्रेरित है। इसमें लुंथल और नेल्सन का तर्क है कि इन कारकों से सोने की प्रवृत्ति प्रभावित है। नींद प्रभावित होने के चलते वयस्कों और बच्चों दोनों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि लोग इसके लिए जागरूक हों, उन्हें खाने की गुणवत्ता और मात्रा का भी ख्याल रखना चाहिए। यह शोधपत्र एक समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ है।

ये उपाय करें

सोने का कमरा साफ सुथरा,शांत एवं एकांत में होना चाहिए,रात को अधिकतम 10-11 बजे तक सो जाना और सुबह 5-6 बजे तक उठ जाना स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है,सोने से पहले शवासन करने से अच्छी नींद आती है,खाना सोने से 2-3 घंटे पहले कर लेना चाहिए एवं शाम को खाना खाने के बाद 20-25 मिनट अवश्य घूमें।

नशे से रहें बच के

यूवा पीढ़ी के लिए कोई सबसे खतरनाक बीमारी है तो वो है नशे के जाल में फँसना,शराब,धूम्रपान,तम्बाकू ये सब सेहत के दुश्मन हैं,किसी भी स्थिति में नशे की लत से बचें,यदि नशे से बचे हुए हैं तो बहुत अच्छा किन्तु,यदि कोई नशा करते हैं तो जितनी जल्दी नशे से दुरी बना लें उतना ही अच्छा है,ये ऐसी बीमारी है जो कैंसर और एड्स से भी ज्यादा खतरनाक है और एकसाथ कई परिवारों को बर्बाद करती है तथा शारीरिक,मानसिक,आर्थिक एवं सामाजिक प्रतिष्ठा के नाश का कारण बनती है, इसलिए नशे से बचना ही बेहतर उपाय है।

टेंशन को कहें बाय बाय

रोज मर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्यों के लिए चिंतन करना सही है चिंता करना नहीं,चिता तो फिर भी मरने के बाद शरीर को जलाती है किन्तु लगातार अनावश्यक चिंता जीते जी शरीर को जला देती है इसलिए तनाव होने पर भाई,बंधू एवं विश्वास पात्र मित्रों से सलाह मश्वरा करें यदि समस्या फिर भी ना सुलझे तो विशेषज्ञ से राय लें।

बीमारी से बेहतर है बचाव

कहते हैं कि बीमारी से बेहतर है बचाव। दिल को स्वस्थ रखने के संदर्भ में कुछ सुझावों पर अमल करें..

- नियमित रूप से अपने शरीर की क्षमता के अनुसार व्यायाम करें। व्यायाम भी दिल को सेहतमंद रखने में कारगर हैं।
- डॉक्टर से परामर्श लेकर आप कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम भी कर सकते हैं।
- टहलना भी अच्छा व्यायाम है। शरीर की क्षमता के मद्देनजर नियमित रूप से टहलें।
- जो लोग पहले से ही डाइबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर से ग्रस्त हैं, उनमें हृदय संबंधी समस्याएं होने का खतरा कहीं ज्यादा होता है। इसलिए डाइबिटीज से ग्रस्त लोगों को नियमित रूप से अपने ब्लड शुगर की जांच करनी चाहिए। इसी तरह हृदय रोगों से ग्रस्त लोगों को भी ब्लडप्रेशर चेक करते या कराते रहना चाहिए।
- अगर ब्लडशुगर और ब्लड प्रेशर अनियंत्रित है, तो शीघ्र ही अपने डॉक्टर से परामर्श लें।
- डॉक्टर से परामर्श लेकर एक अंतराल पर रक्त में कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच कराते रहें।
- तंबाकू का सेवन न करें।
- अत्यधिक नमकीन खाद्य पदार्थों को खाने से परहेज करें। नमक कम मात्रा में लें।

तेल का महत्व

लोगों को खाने के तेल पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। अगर सही प्रकार और सही मात्रा में तेल का इस्तेमाल किया जाए, तो दिल संबंधी बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है। इस संदर्भ में राइस ब्रैन तेल अत्यंत लाभप्रद है। इस तेल को चावल के भूसे में से निकाला जाता है। इसके अलावा सरसों का तेल, जैतून और सोयाबीन का तेल भी दिल की सेहत के लिए लाभप्रद है।

वजन कम करना है तो खाइए फ्रोजन फूड

वजन कम करना चाहते हैं तो अपने फ्रीज में झांक कर देखिए। डॉक्टरों का कहना है कि फ्रोजन फूड खान से मोटापे को कम करने में मदद मिलती है। विशेषज्ञों का दावा है कि कम कैलोरी का फ्रोजन फूड खाने से कमर को फैलने से रोका जा सकता है क्योंकि इस प्रकार का भोजन कैलोरी के हिसाब से नियंत्रित होता है । लोयोला यूनिवर्सिटी हेल्थ सिस्टम में पोषाहार और वजन नियंत्रण प्रबंधन की विशेषज्ञ जेसिका बार्टफील्ड ने बताया, 'कम कलौरी के भोजन से नियंत्रित मात्रा में कलौरी ली जाती है जिससे वजन को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।' बार्टफील्ड का कहना है कि अधिकतर लोग कम कलौरी का भोजन लेते हैं जो प्रतिदिन 1000 से 1800 कैलोरी प्रतिदिन होता है। यह वजन, उम्र, कद और लिंग पर निर्भर करता है।

प्रार्थना से भी दूर होता है तनाव

तनाव से निपटने के लिए आप क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टररी सलाह तक। लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ-साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना। आपने कभी तनाव करने के लिए प्रार्थना का सहारा लिया है। जी, प्रार्थना से न सिर्फ तनाव का स्तर कम होता है, बल्कि यह कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होती है।

एक शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ-साथ शरीर को भी स्वस्था रखती है। साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका भी कम होती है।

जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रुप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्क ऊर्जा बढ़ती है। और प्रार्थन करने वाला व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महससू करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवनशैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा व प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे। विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाए रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग जो हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना ही कर रहे होते हैं।

नोएटिक थैरेपी क्या है

नोएटिक (मंत्रों, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह, जो सिर्फ दवाई लेते हैं, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों में एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

प्रार्थना के अन्य लाभ

- प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।
- प्रतिदिन प्रार्थना करने से व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है, जिससे एकाग्रता आती है।

रेसिपी

रवा केसरी

सामग्री

1/2 कप रवा (सूजी), 2 टेबल स्पून घी, डेढ कप दूध, 10-12 किशमिश, 4-10 कटे हुए बादाम, 1/4 टी स्पून छोटी इलायची पाउडर, कुछ धागे केसर के 1 टेबल स्पून पानी में भीगे हुए, स्वादानुसार चीनी।

विधि

एक कड़ाही में घी डालकर गर्म करें और रवा डालकर सुनहरा होने तक भूनें। डेढ़ कप पानी के साथ दूध मिलाएं और एक उबाल दें। फिर उसे भूने हुए रवा (सूजी) में मिलाकर गाढ़ा होने तक पकाएं। किशमिश, बादाम, केसर, इलायची पाउडर और चीनी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। गरमागरम सर्व करें।

कितने लोगों के लिए : 4

गवारफली की सब्जी

सामग्री

300 ग्राम गवार की फली, 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन, 1 चुटकी हींग, 1/4 छोटा चम्मच हल्दी पिसी हुई, नमक 1 छोटा चम्मच (या स्वादानुसार), 1/2 छोटा चम्मच पिसी हुई लाल मिर्च, छोटा चम्मच धनिया पिसा हुआ, 1/2 छोटा चम्मच अमचुर, तेल डेढ़ बड़ा चम्मच

विधि

गवार की फली के किनारे निकालकर, अगर इसमें कोई धागा है तो वो भी निकाल दें, अच्छी तरह धो लें और एक साफ कपड़े से इसका पानी पोंछ लें। फली को इच्छानुसार छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। एक कड़ाही में मध्यम आंच पर तेल गरम करें। इसमें जीरा और अजवाइन डालें, कुछ देर के लिए भूनें और फिर हींग डालें। आंच को धीमा करके हल्दी डालें और फिर गवार के टुकड़े डाल दें। इस सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। नमक, लाल मिर्च और धनिया पाउडर डालें, और फिर से सब्जी को एक मिनट के लिए चलाएं। गवार के गलने तक ढक कर पकाएं। इसमें लगभग 12-15 मिनट का समय लगता है। जब सब्जी गल जाए तो इसमें अमचूर डालकर सब्जी को दो मिनट के लिए भूनें। रोटी, पूरी, पराठा या फिर दाल चावल किसी के भी साथ गरम परोसें।

संपादकीय

एग्जिट पोल का 400 पार

प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीसरी बार इस पद पर आसीन हो सकते हैं। आम चुनाव, 2024 में भाजपा-एनडीए की शानदार और प्रचंड जीत भी लगभग तय है। वे 400 पार का लक्ष्य भी लांघ सकते हैं। इस तरह प्रधानमंत्री मोदी का चुनावी मंत्र भी सार्थक और साकार हो सकता है। दक्षिण भारत के केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश में 'भगवा गठबंधन' का खाता खुल सकता है। कर्नाटक की चुनावी उपलब्धि यथावत रहेगी, जबकि दक्षिण के ही तेलंगाना राज्य में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर सकती है। जो जनादेश अभूतपूर्व और आश्चर्यजनक हो सकते हैं, वे पश्चिम बंगाल और ओडिशा के हो सकते हैं। दोनों राज्यों में भाजपा ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और नवीन पटनायक के बीजू जनता दल को पराजित करती लग रही है। दोनों नेता अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री भी हैं। यकीनन ये ऐतिहासिक उपलब्धियां होंगी। यदि प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीसरी बार पदासीन होते हैं, तो वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के कीर्तिमान की बराबरी कर लेंगे। भाजपा को भी 2014, 2019 के बाद लगातार तीसरी बार, अपने ही बूते, लोकसभा में बहुमत हासिल हो सकता है। बहरहाल अधिकृत जनादेश 4 जून को घोषित किया जाना है, लेकिन ये विभिन्न सर्वे एजेंसियों के एग्जिट पोल के चुनावी निष्कर्ष हैं। एग्जिट पोल सर्वे की वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसका पश्चिमी और यूरोपीय देशों में सामान्य चलन और महत्वपूर्ण प्रभाव है। अलबत्ता भारत में एग्जिट पोल की प्रक्रिया अपेक्षाकृत नई और सवालिया है। कई एग्जिट पोल हमने नाकाम और गलत होते देखे हैं, लेकिन ऐसे बहुत से चुनावी सर्वेक्षण सटीक और सफल भी रहे हैं। 18वीं लोकसभा के लिए सात चरणों में जो मतदान कराए गए, ये चुनावी अनुमान और आकलन 'भावी जनादेश' के संकेत भर हैं। अधिकांश एग्जिट पोल का रुझान या जनादेश की सोच एक ही दिशा की ओर संकेत कर रहे हैं कि भाजपा को 320-330 सीटें हासिल हो सकती हैं। तीन-चार पोल में भाजपा-एनडीए की सीटें 400 पार जाती लग रही हैं। सबसे गौरतलब यह हो सकता है कि केरल, तमिलनाडु में उन्हें 22-27 फीसदी वोट मिल सकते हैं, नतीजतन दोनों राज्यों में 2-4 सीट प्रति के परिणाम मिल सकते हैं। आंध्रप्रदेश में भी खाता खुलना लगभग तय है। यदि ऐसा हुआ, तो भाजपा दक्षिण में अभिशप्त और शून्य पार्टी नहीं रहेगी, बल्कि उसकी स्वीकार्यता 'राष्ट्रीय' होगी। तेलंगाना में 4 सीट से 10-12 सीट तक का सफर तय करना भाजपा-एनडीए की एक दुर्लभ उपलब्धि है। वहां कांग्रेस सत्तारूढ़ है, लेकिन संसदीय जनादेश मोदी-भाजपा के पक्ष में लग रहा है। दक्षिण से भी महत्वपूर्ण जीत बंगाल और ओडिशा की साबित हो सकती है। बंगाल में 45 फीसदी से ज्यादा वोट भाजपा को मिल सकते हैं, जबकि तृणमूल को 40 फीसदी वोट से ही संतोष करना पड़ेगा। यह समीकरण 2019 के चुनाव से बिल्कुल उल्टा हो गया है। भाजपा का बुनियादी वोट बैंक हिंदी पट्टी में रहा है, लेकिन उसके बिहार, उप्र, राजस्थान, हरियाणा सरीखे राज्यों में भाजपा-एनडीए की सीटें कम होने के अनुमान हैं, लेकिन गठबंधन विजेता ही रहेगा। गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, दिल्ली आदि राज्यों में भाजपा का हासिल 2019 की तरह शत-प्रतिशत रह सकता है। महाराष्ट्र के बारे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा था कि ब्रह्मा भी नहीं बता सकते कि महाराष्ट्र का जनादेश क्या रहेगा? यदि उसे ही आधार माना जाए, तो भाजपा-एनडीए की बीते कार्यकाल से लगभग 10 सीटें कम हो सकती हैं। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जनता दल-यू कमजोर कड़ी साबित हुआ है, लिहाजा 'इंडिया' 7-10 सीटें जीत सकता है। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी के चुनावी मंत्र के दावे कामयाब होते लगते हैं, लिहाजा देश का मूड स्पष्ट है, लेकिन विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' आखिर तक मुगालते में रहा कि उसके पक्ष में जनादेश कैसा रहेगा। अब एग्जिट पोल के निष्कर्ष सार्वजनिक होने के बाद ऐसी कुंठित टिप्पणियां सामने आ रही हैं कि भाजपा अडानी, अंबानी के स्वामित्व वाले 66 चैनलों के सहारे मनोवैज्ञानिक युद्ध लड़ रही है।

2024 में भाजपा-एनडीए की शानदार और प्रचंड जीत भी लगभग तय है। वे 400 पार का लक्ष्य भी लांघ सकते हैं। इस तरह प्रधानमंत्री मोदी का चुनावी मंत्र भी सार्थक और साकार हो सकता है। दक्षिण भारत के केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश में 'भगवा गठबंधन' का खाता खुल सकता है। कर्नाटक की चुनावी उपलब्धि यथावत रहेगी, जबकि दक्षिण के ही तेलंगाना राज्य में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर सकती है। जो जनादेश अभूतपूर्व और आश्चर्यजनक हो सकते हैं, वे पश्चिम बंगाल और ओडिशा के हो सकते हैं। दोनों राज्यों में भाजपा ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और नवीन पटनायक के बीजू जनता दल को पराजित करती लग रही है। दोनों नेता अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री भी हैं। यकीनन ये ऐतिहासिक उपलब्धियां होंगी। यदि प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीसरी बार पदासीन होते हैं, तो वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के कीर्तिमान की बराबरी कर लेंगे। भाजपा को भी 2014, 2019 के बाद लगातार तीसरी बार, अपने ही बूते, लोकसभा में बहुमत हासिल हो सकता है। बहरहाल अधिकृत जनादेश 4 जून को घोषित किया जाना है, लेकिन ये विभिन्न सर्वे एजेंसियों के एग्जिट पोल के चुनावी निष्कर्ष हैं।

भारत दुनिया में पीपीई किट, सर्जिकल मास्क और मेडिकल गॉगल्स का बड़े पैमाने पर निर्यात कर रहा

फार्मा सेक्टर से बढ़ते निर्यात का परिदृश्य

डा. जयंती लाल भंडारी

निश्चित रूप से भारत के फॉर्मा सेक्टर का बढ़ता निर्यात भारत का एक महत्वपूर्ण आर्थिक पक्ष है। देश से दवाओं का निर्यात 2023-24 में सालाना आधार पर 9.67 फीसदी बढक़र 27.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। जबकि देश के विभिन्न उत्पादों के कुल निर्यात में तीन प्रतिशत की गिरावट रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में अकेले अमेरिका को भारत से 7.83 अरब डॉलर की दवा का निर्यात किया गया है। वर्ष 2022-23 के दौरान निर्यात का यह आंकड़ा 25.4 अरब डॉलर रहा था। यह कोई छोटी बात नहीं है कि कोरोनाकाल में फॉर्मा और मेडिकल सेक्टर की कई वस्तुओं का भारत बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश बन गया है। भारत दुनिया में पीपीई किट, सर्जिकल मास्क और मेडिकल गॉगल्स का बड़े पैमाने पर निर्यात कर रहा है। अब उन देशों में भी भारत की सस्ती दवाइयों की मांग बढ़ रही है जिन्हें भारत की सस्ती दवा पर बहुत भरोसा नहीं था। भारत से फार्मास्युटिकल निर्यात दुनिया भर के कोई 200 देशों तक पहुंचता है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिम यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया के अत्यधिक विनियमित बाजार शामिल हैं। स्थिति यह है कि दवाई उद्योग की वैश्विक श्रृंखला के बाधित होने से इस समय भारत की फॉर्मा कंपनियों को विभिन्न दवाइयों की आपूर्ति के ऑर्डर लगातार मिल रहे हैं। गौरतलब है कि इस समय पूरी दुनिया में भारत अपनी दवाओं की कम लागत और उच्च गुणवत्ता के कारण विश्व की नई फार्मेसी के रूप में रेखांकित हो रहा है। भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग मात्रा के मामले में दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा और मूल्य के मामले में 14वां सबसे बड़ा उद्योग है तथा फार्मा सेक्टर वर्तमान में देश की जीडीपी में लगभग 1.72 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। इस समय भारत के दवा उद्योग में करीब 3000 दवा कंपनियों और 10500 विनिर्माण इकाइयों का विशाल नेटवर्क शामिल है। भारत को वैश्विक फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। देश में वैज्ञानिकों और इंजीनियरों का एक बड़ा समूह है जो फॉर्मा उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की क्षमता रखता है। ग्रीनफील्ड फार्मास्यूटिकल्स परियोजनाओं के लिए स्वचालित मार्ग से 100 फीसदी तक एफडीआई की अनुमति दी गई है। ब्राउनफील्ड फार्मास्यूटिकल्स परियोजनाओं के लिए स्वचालित मार्ग के माध्यम से 74 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति है और इससे अधिक सरकारी अनुमोदन के माध्यम

से है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अफरा-तफरी है और चीन में निवेश करने वाली कई कंपनियां अन्य देशों में विकल्प की तलाश में हैं। ऐसे में चीन में कार्यरत कई कंपनियों सहित दुनिया के कई देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी भारत के दरवाजे पर दस्तक दे रही हैं। इन सब कारणों से भारत में फॉर्मा सेक्टर का आकार बढ़ रहा है। यदि हम भारत के फॉर्मा सेक्टर में तेजी से बढने के कारणों की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है और अपने किफायती टीकों और जेनेरिक दवाओं के लिए जाना जाता है। जेनेरिक दवाएं, ओवर दि काउंटर दवाएं, थोक दवाएं, टीके, अनुबंध अनुसंधान और विनिर्माण, बायोसिमिलर और बायोलॉजिक्स भारतीय फार्मा उद्योग के कुछ प्रमुख खंड हैं। चूंकि भारत में दवाई उत्पादन की लागत अमेरिका एवं पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम है, इसी कारण भारत घरेलू और वैश्विक बाजारों के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण, उच्च गुणवत्ता और कम लागत वाली दवाओं के निर्माण में एक प्रभावी भूमिका निभा रहा है। दुनिया की करीब 70 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग भारत में ही होती है। जेनेरिक दवाओं की अफ्रीका की कुल मांग का 50 प्रतिशत, अमेरिका की मांग का 40 प्रतिशत तथा ब्रिटेन की कुल दवा मांग का 25 प्रतिशत हिस्सा भारत से ही जाता है। दुनिया की 60 फीसदी वैक्सीन का भी उत्पादन भारत में होता है। इसके अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनिवार्य टीकाकरण योजनाओं के लिए 70 प्रतिशत टीकों की आपूर्ति भारतीय दवाई निर्माता कंपनियों के द्वारा की जाती है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत में सबसे अधिक फार्मास्युटिकल विनिर्माण सुविधाएं हैं जो अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) के अनुपालन में हैं और यहां 500 एपीआई उत्पादक हैं जो दुनिया भर के एपीआई बाजार का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। केंद्र सरकार ने दवाई उत्पादन में आत्मनिर्भरता लाने, अधिक कीमतों वाली दवाइयों के स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहन देने और चीन से होने वाले दवाइयों के कच्चे माल-एपीआई (एक्टिव फार्मास्युटिकल्स इंग्रीडिएंट्स) के भारत में ही उत्पादन हेतु कोई ढाई वर्ष पहले शुरू की गई प्रोडक्शन लिंक इंसेंटिव्स (पीएलआई) स्कीम के लाभ मिलना शुरू हो गए हैं। 40 से अधिक कंपनियां पीएलआई स्कीम के तहत फार्मा के कच्चे माल का उत्पादन शुरू कर चुकी हैं या जल्द ही करने वाली हैं। ये कंपनियां अफ्रीका के कुछ देशों में फार्मा के कच्चे माल का निर्यात भी कर रही हैं। यदि हम फार्मा के साथ मेडिकल डिवाइस के निर्यात को देखें तो पाते हैं कि इसमें भी पिछले दो-तीन सालों से 12-15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि अभी मेडिकल डिवाइस का आयात अधिक हो रहा है और पिछले साल यह आयात 60000 करोड़ रुपए का रहा। मेडिकल क्षेत्र से जुड़े डिस्पोजेबल आइटम, आर्थोपेडिक आइटम, सीरिंज, निडल, ग्लाव्सद जैसे कई आइटम में दुनिया के बाजार में भारत का बोलबाला है। सरकार ने मेडिकल डिवाइस के उत्पादन को बढ़ाने के लिए नीति की घोषणा की है और इस पर अमल के बाद मेडिकल डिवाइस का आयात कम होने के साथ निर्यात भी बढ़ेगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत में सस्ती दवाइयों और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा के लिए कई विकसित देशों के मरीज भी भारत का रुख कर रहे हैं। भारत में चिकित्सा सेवा की लागत पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम है और भारत दक्षिण पूर्व एशिया में सबसे सस्ता है। भारत को चिकित्सा पर्यटन के लिए दुनिया में लाभप्रद जगह माना जा रहा है। वैश्विक मेडिकल टूरिज्म के लिए दुनिया के पहले दस देशों में भारत का नाम रेखांकित हो रहा है। निश्चित रूप से देश के फॉर्मा सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए शोध एवं अनुसंधान विकास के लिए एक संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा। फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करने और इस क्षेत्र में नवाचार के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए भारत में फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास और नवाचार पर एक राष्ट्रीय नीति शुरू की गई है। योजना का उद्देश्य भारतीय फार्मा-मेडटेक क्षेत्र को लागत आधारित से नवाचार आधारित विकास बदलना है।

देश से दवाओं का निर्यात 2023-24 में सालाना आधार पर 9 .67 फीसदी बढक़र 27 .9 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। जबकि देश के विभिन्न उत्पादों के कुल निर्यात में तीन प्रतिशत की गिरावट रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में अकेले अमेरिका को भारत से 7 .83 अरब डॉलर की दवा का निर्यात किया गया है। वर्ष 2022-23 के दौरान निर्यात का यह आंकड़ा 25 .4 अरब डॉलर रहा था। यह कोई छोटी बात नहीं है कि कोरोनाकाल में फॉर्मा और मेडिकल सेक्टर की कई वस्तुओं का भारत बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश बन गया है।

दृष्टि कोण

दबाव में पारिस्थितिकी, जीवों की खुली हत्याएं

हर वर्ष गर्मियों में, हमने जंगल की आग से वनस्पतियों और जीवों की निर्दयतापूर्वक हत्या देखी, लेकिन सरकार, वन विभाग से अब तक कोई निवारक उपाय सामने नहीं आया, यहां तक कि तथाकथित सामाजिक संगठन, न्यायपालिका भी वन्यजीव, वनस्पतियों और जीवों की इस खुली हत्या की ओर और तथाकथित नागरिक समाज में से कोई भी इस हत्या के लिए चिंतित नहीं है। यूएनडीपी एसडीजी-2030 सम्मेलन, संगोष्ठी और कार्यशालाओं के किसी भी योद्धा ने जो स्थायी जीवन उपाय पर लंबे समय तक व्याख्यान देते हैं, उन्होंने कभी भी ग्रीष्म मौसम में इस जंगल की आग पर चिंता नहीं दिखाई। इसलिए समग्रता में किसे दोषी ठहराया जाए, हम समाज के रूप में पूरी तरह से विफल रहे हैं। हर गर्मियों में, पृथ्वी आग में सांस लेती है। जंगल, जो कभी हरे-भरे थे, आग की लपटों में घिर जाते हैं, वन्यजीव नष्ट हो जाते हैं, निवास स्थान जमीन पर धराशायी हो जाते हैं और फिर भी, वार्षिक विनाश के बावजूद, निवारक उपाय मायावी रहते हैं। यह आवर्ती तबाही न केवल शासन और सामाजिक प्रणालियों की विफलता को उजागर करती है, बल्कि एक स्थायी भविष्य के पोषण में प्राचीन ज्ञान के महत्व पर भी प्रकाश डालती है। साल दर साल, तमाशा गंभीर भविष्यवाणी के साथ सामने आता है। दुनिया भर के जंगल नरक बन जाते हैं। अपने रास्ते में सब कुछ खा जाते हैं। वन अधिकारियों के अनुसारए 99 फीसदी जंगल की आग मानव निर्मित होती है। चाहे लापरवाही से चिंगारी हो, जानबूझकर आगजनी की गई हो या पुरानी कृषि पद्धतियों से हुई हो, परिणाम गंभीर हैं। घरों, फसलों और कीमती पारिस्थितिकी तंत्रों को आग निगल डालती है। जंगल की आग के जले हुए अवशेषों से जहरीली गैसें और घने धुएं हवा को चोक कर देते हैं, जिससे मनुष्यों और वन्यजीवों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं। भूस्खलन और मिट्टी का कटाव पर्यावरणीय क्षरण को बढ़ाता है। पारिस्थितिकी तंत्र का नाजुक संतुलन बाधित होता है, जिससे अपूरणीय क्षति होती है। जंगल की आग से हुई तबाही के बढ़ते सबूतों के बावजूद, निवारक उपाय अपर्याप्त हैं। प्रतिपूरक वनीकरण के प्रयास, जिन्हें एक समाधान के रूप में बताया जाता है, अक्सर व्यर्थ व्यय और वृक्षारोपण की कम उत्तरजीविता दर में समाप्त होते हैं। बुलंद लक्ष्यों और जमीनी वास्तविकताओं के बीच का अलगाव समस्या के मूल कारणों को संबोधित करने में एक प्रणालीगत विफलता को उजागर करता है। हिमाचल प्रदेश में इस साल 1 अप्रैल 2024 से 1 जून 2024 तक जंगल में आग लगने की 1259 घटनाएं दर्ज की गईं। 12122 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र प्रभावित हुआ, जिसमें हजारों हेक्टेयर नए वृक्षारोपण शामिल थे। सामाजिक कार्यकर्ता सुबोध शर्मा का कहना है कि शुष्क मौसम और मानवीय लापरवाही या जानबूझकर जंगल में विनाश आग लगने का कारण हो सकता है। राज्य वन विभाग ने राज्य में चीड़ के लंबे पत्ते वाले पेड़ों वाले 26 वन प्रभागों को जंगल की आग के प्रति अत्यधिक संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया है। भारत सरकार के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की 2013 की रिपोर्ट सहित प्रतिपूरक वनीकरण में वृक्षारोपण के व्यर्थ व्यय और कम जीवित रहने की दर के कई प्रलेखित उदाहरण, हमें यह पूछने की जरूरत है कि साइट का लक्ष्य या वांछित भविष्य की स्थिति क्या है। क्या वाणिज्यिक या निर्वाह-उन्मुख वन उत्पादों का उत्पादन करने या प्राकृतिक वनस्पति को बहाल करने की इच्छा है? क्या इसका उद्देश्य हाइड्रोलॉजिकल कार्यों में सुधार करना या वन्यजीव आवास प्रदान करना है? एक बार लक्ष्य की पहचान हो जाने के बाद, वन प्रबंधकों को इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सबसे कम लागत वाले तरीके की पहचान करनी चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता और हाटी ट्राइबल मूवमेंट यूथ आइकन प्रदीप सिंगटा ने बताया कि उन्होंने पहले इस पैमाने पर जंगल की आग नहीं देखी थी। आग ने सैकड़ों पेड़ों और हरियाली को अपनी चपेट में ले लिया। सैकड़ों बीघा से अधिक वन भूमि आग से प्रभावित हो चुकी है। हालांकि, जमीन पर, विनाश काफी दिखाई दे रहा है। उन्हें आग लगने का कारण मानव छेड़छाड़ का संदेह है। हालांकि चूंकि आग ऊंची पहाड़ी ढलानों पर लगी है, जहां इनसानों की बसावट नहीं है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पा रहा है।

कुछ अलग

मसखरापन

मसखरापन कांग्रेस नेता राहुल गांधी हार जीत के प्रति कितने निश्चिंत हैं इसका एक उदाहरण रविवार को तब देखने को मिला जब पत्रकारों द्वारा पूछे गए सीटों के मिलने वाली संख्या के जबाव में उन्होंने कहा सिद्धू मूसेवाला के गाने 295 सीटें। देश के सबसे बड़े चुनाव के परिणाम का अनुमान इस तरह अत्यंत छिछले तरीके से लगाकर क्या संकेत दे रहे थे राहुल गांधी, यह तो उन्हें ही पता होगा किंतु पंजाब के जिस गायक सिद्धू मूसेवाला के गाने की बात वह कर रहे हैं उस 295 के गाने के माध्यम से मूसेवाला ने अपनी मौत का दिन निश्चित कर दिया था। मूसेवाला पर हत्यारों ने 29/5 यानि 29 मई को गोली चलाईं थी। वैसे 295 को यदि भारतीय दंड संहिता से जोड़कर देखें तो इस धारा के मुताबिक जब कोई व्यक्ति किसी धार्मिक स्थल को अपवित्र करे अथवा तोड़े उसे दोषी पाए जाने पर अदालत दो साल की सजा देती है। पत्रकारों के सवाल के जबाव में 295 की संख्या बताने का तरीका कितना अजीब है! पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी शनिवार को जब ऐलान किया था कि इंडिया गठबंधन को 295 सीटें मिलेंगी तो शायद ही किसी को उनका वक्तव्य अराजनीतिक लगा हो क्योंकि हर राजनेता अपनी सीटों की संख्या वास्तविकता से ज्यादा बताता है। इसमें वुछ गलत भी नहीं है। खड़गे जी वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं इसलिए उनकी कोशिश रहती है कि उनके मुंह से निकली किसी पंक्ति पर कोई आपत्ति न जताए। लेकिन यहां राहुल गांधी ने 295 की संख्या को ऐसे व्यक्ति के साथ जोड़कर बताया जो दुखांत बोध कराता है। सीटें कम आना या ज्यादा आना यह कई कारकों पर निर्भर करता हैं। इसलिए किसी पार्टी को सफलता तब मिलती है जब वह तमाम कारकों का संतुलन बैठाने में सफल हो जाता है। लेकिन जब कोई पार्टी किसी कारण वश आवश्यक कारकों का संतुलन बैठा पाने में असमर्थ रहती है तो उसके हाथ से अवसर निकल जाते हैं और उसे अगले चुनाव की तैयारी करने का अवसर मिलता है। शनिवार को ही एक्जिट पोल के नतीजे आए हैं। उसमें किसी भी न्यूज चैनल ने गठबंधन को 295 सीट जीतने का अनुमान नहीं बताया है। इस संख्या को लेकर जैसा उपहास राहुल गांधी ने उड़ाया है, उससे तो एक ही बात साफ होती है कि उन्हें किसी भी राजनीतिक प्रकिया का सम्मान करने आता ही नहीं! एक्जिट पोल दिखाने वाले सभी न्यूज चैनलों और सर्वे एजेंसियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थक बताने से वास्तविकता नहीं बदल सकती। किसी भी सर्वे एजेंसी ने इंडिया गठबंधन को 200 के आसपास भी सीटें मिलने का अनुमान नहीं बताया है। मतलब यह कि कांग्रेस को अकेले दम पर 100 सीटें भी नहीं आ रही हैं। स्वाभाविक है कि जब न्यूज चैनलों पर सभी सर्वे एजेंसियों में कोई विरोधी गठबंधन के जीतने का अनुमान चल रहा हो तो आव्रोश के वशीभूत व्यक्ति विपरीत टिप्पणी कर सकता है। किंतु हैरानी होती है जब राहुल गांधी सर्वे एजेंसियों और टीवी चैनलों के अनुमान पर सवाल न उठाकर उनके चरित्र पर ही सवाल उठा देते हैं। अभी तक कांग्रेस के नेता जब आरोप लगाते थे कि लोकतंत्र खतरे में है तो लगता था कि यह अनावश्यक डर दिखा रहे हैं। किंतु अब लगता है कि सही में लोकतंत्र खतरे में तो है। खतरे में इसलिए है क्योंकि देश के वोटर एक पार्टी, एक गठबंधन और एक नेता को इतना ज्यादा समर्थन दे रहे हैं कि उसके विपक्षी के लिए अस्तित्व का खतरा उत्पन्न हो गया है। इससे तो लोकतांत्रिक प्रव्रिया में असंतुलन का खतरा बढ़ जाएगा लेकिन इसके लिए यदि मोदी और भाजपा के नेताओं को जिम्मेदार ठहराया जाए तो वह भी गलत है।

देश दुनिया से

परिणामविहीन है कथित भविष्यवक्ताओं का शब्द दंगल

चुनावों में मतदान थमते ही भविष्य वक्ताओं की बाढ़ सी आ गईं है। सात चरणों में हुईं रायसुमारी के परिणाम मशीनों में बंद हो गये हैं। वुछ ही घंटों बाद वास्तविकता सामने आ जायेगी। राजनैतिक गठबंधन स्वतः सुखाय को लेकर जीत के नाहक दावे कर रहे हैं जबकि व्यवसायिक प्लेटफार्म एग्जिट पोल के नाम पर जबरजस्ती का शब्द दंगल आयोजित करके धनार्जन में जुटे हैं। देश की आवास के मनमस्तिष्क में मनमाने आंकड़ों की फसलें बोईं जा रहीं हैं। मृगमारीचिका के पीछे दौड़ाने की कोशिशों में लगे मुगेरी लाल अब भी अपने हसीन सपनों को वुछ घंटों और जीवित रखने के लिए माथ पच्ची कर रहे हैं। राष्ट्रवाद, विकासवाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद, भाषावाद, स्वार्थवाद, लालचवाद, सम्प्रदायवाद, आस्थावाद के साथसाथ शून्यवाद भी इस बार के चुनावों में बड़े मुद्दे बनाकर सामने आते रहे। अतीत के मनमाने आंकड़ों को सोशल मीडिया के अनगिनत देशी-विदेशी प्लेटफार्म से निरंतर प्रसारित किया जाता रहा। अमेरिकन रिपोर्ट को सही मानें तो इजराइल की एक फर्म ने तो योजनाबद्ध ढंग से भारत के चुनावों को प्रभावित करने के लिए एआईं यानी र्आटिफीशियल इंटेलिजेंसी जैसी तकनीक का भरपूर उपयोग किया। इस कारक को भविष्य की आहट में विदेशी षडयंत्रकारियों के द्वारा लोकसभा चुनावों में वूदने के रूप में पहले भी रेखांकित किया जा चुका है, जिसकी पुष्टि अब अमेरिकन रिपोर्ट ने अब हुईं है। चैटजीपीटी बनाने वाली कम्पनी ओपन एआई ने अपनी रिपोर्ट में घोषित किया है कि भारत के लोकसभा चुनावों को प्रभावित करने के लिए उसके प्लेटफार्म को चीन, इजराइल, ईंरान और रूस की धरती से भाजपा के विरुद्ध उपयोग करने का प्रयास किया गया है। इन प्रयासों के अधिकांश भाग को उसने बहुत ही सजगता के साथ असफल कर दिया। इस षडयंत्र को एक अभियान के रूप में चलाया गया था। इसकी शुरुआत इजराइल स्थित एक नेटवर्व ने भारत की मौजूदा सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पाटा की आलोचना तथा विपक्षी कांग्रेस पाटा की प्रशंसा के रूप में वातावरण निंमित करने हेतु किया। यह वुवृत्य मईं माह में सामने आया और कम्पनी ने तत्काल इसे रोकने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिये। योजना के अनुसार इजराइल से संचालित अकाउण्ट्स के एक समूह का उपयोग गुप्त अभियानों के लिए कन्टेन्ट बनाने, एडिटिग करने तथा उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के लिए किया गया। इन कन्टेन्ट्स को एक्स, पेसबुक, इंस्ट्राग्राम, यूटूब सहित विभिन्न लोकप्रिय साइट्स पर शेयर किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस नेटवर्व ने मनगढन्त नामों से अकाउण्ट बनाये तथा उनका उपयोग भारत के लोकसभा चुनावों को सत्ताधारी दल के विरोध में करके कांग्रेस को लाभ पहुंचाने की नियत से किया गया। इस रिपोर्ट के खुलासे के पहले ही रेखांकित किया जा चुका था कि किस तरह से चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पाटा की केन्द्रीय समिति के स्वामित्व वाले चुनाव काल में जहर उगला जा रहा है। ऐसे ही प्रयास अमेरिका के अनेक राजनायिकों, कनाडा की सरकार, आतंकवाद के संरक्षक देशों एवं शत्रुभावी भूभाग व्दारा होते रहे। यह सब पूर्व निर्धारत कार्ययोजना का अंग था, जिसे विदेशी दौरों के दौरान राष्ट्रविरोधियों ने सुनिाति किया गया था। इसी कड़ी में संयुत्त राष्ट्र संघ से लेकर अमेरिका सहित विभिन्न देशों में वहां के कथित पत्रकारों द्वारा भारत विरोधी मुद्दे उठवाये जाते रहे। विपक्षी दलों के अनेक चंर्चित चेहरों ने विदेशी दौरों में राष्ट्रविरोधी एवं घातक प्रचार किया ताकि अन्तर्राष्ट्रीय दबाव दिखाकर देश के मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके। चुनावों में मतदान की समाप्ति के बाद अब जबरजस्ती की माथा पच्ची करने का सिलसिला शुरू हो गया है। वुछ घंटों बाद ही वास्तविक परिणाम सामने आने वाले हैं तब भी संभावनाओं की भंवर में देश की आम आवास को डुबोने की कोशिशें की जा रहीं हैं। जीत के आंकड़े, सीटों की संख्या, मुद्दों का रेखांकन, भावी योजनायें, सत्ता पर काबिज होते ही कामों की सूची जैसे अनेक बिन्दुओं पर चल रही चल रही बहस कथित भविष्य वत्ताओं के शब्द दंगल से अधिक अस्तित्व नहीं रखता। कथित बुध्दिजीवियों के मनमाने वत्तव्यों को प्रवचन की तरह परोसने का व्रम साइबर जगत के साथ-साथ चौराहों से लेकर चौपालों तक चल निरंतर चल रहा है। अनेक स्थानों पर पाटा के निष्ठावान कार्यंकर्ताओं के मध्य वाक्य युद्ध से लेकर हाथापाईं तक की स्थितियां भी देखने को मिल रहीं हैं। चुनावी दौर में हिसा का खुला खेला धीरे-धीरे नेपथ्य में चला गया।

सात चरणों में हुईं रायसुमारी के परिणाम मशीनों में बंद हो गये हैं। वुछ ही घंटों बाद वास्तविकता सामने आ जायेगी। राजनैतिक गठबंधन स्वत: सुखाय को लेकर जीत के नाहक दावे कर रहे हैं जबकि व्यवसायिक प्लेटफार्म एग्जिट पोल के नाम पर जबरजस्ती का शब्द दंगल आयोजित करके धनार्जन में जुटे हैं। देश की आवास के मनमस्तिष्क में मनमाने आंकड़ों की फसलें बोईं जा रहीं हैं। मृगमारीचिका के पीछे दौड़ाने की कोशिशों में लगे मुगेरी लाल अब भी अपने हसीन सपनों को वुछ घंटों और जीवित रखने के लिए माथ पच्ची कर रहे हैं। राष्ट्रवाद, विकासवाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद, भाषावाद, स्वार्थवाद, लालचवाद, सम्प्रदायवाद, आस्थावाद के साथसाथ शून्यवाद भी इस बार के चुनावों में बड़े मुद्दे बनाकर सामने आते रहे।

आप का नजरिया

कुछ गर्मी, कुछ उदासीनता

डंके डुबकियां और डर के साथ अंततः हिमाचल से लोकसभा और विधानसभा के छह उपचुनाव संपन्न हो गए। कुछ गर्मी, कुछ उदासीनता और कुछ विभ्रम के कारण पांच साल पहले का उत्साह हिमाचल में नहीं लौटा, फिर भी 70 प्रतिशत के पार पहुंचने के मार्क पर यह राज्य नागरिकों का जागरूक समूह तो बनाता है ही। अब देखना यह है कि चुनावों में धन बल और जन बल के मायने हैं क्या। इन चुनावों में राजनीति का रायता जितना फैल सकता था, फैलाया गया। जाहिर है चुनाव प्रचार कहीं चुभा, तो कहीं पहाड़ी परंपराओं की तौहीन कर गया, फिर भी कुछ उम्मीदवारों ने विद्वेष की दीवारें नहीं फांदी। यह चुनाव चौके और छक्कों के बीच भाजपा बनाम कांग्रेस हुआ। कांग्रेस ने कांगड़ा संसदीय क्षेत्र से आनंद शर्मा को उतार कर अपनी प्रयोगधर्मिता से सभी को चकित किया, तो इस फांस की योग्यता में चुनाव की अहमियत बढ़ गई। भले ही कंगना रनौत को लेकर मंडी का मैदान चर्चाओं, विवादों और अलग तरह की बेबाकी से भर गया, लेकिन देश के मीडिया ने इस संसदीय क्षेत्र में ही अपने झंडे गाड़े। हिमाचल का शाही मुकाबला हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में हुआ और जहां भाजपा के अनुराग ठाकुर ने इतिहास की आंख से मुकाबला किया। हालांकि राजनीतिक इतिहास इस बार हिमाचल के पूरे परिदृश्य की टोह ले रहा है और इसीलिए संसदीय चुनावों पर छह उपचुनाव भारी पड़े। ये चुनाव सत्ता की छावनी में विपक्ष की दीवानगी में लड़े गए। भाजपा ने अपने कॉडर की परवाह न करते हुए तमाम बागी विधायकों को अपनी छाती सौंपी, लेकिन टिकट आबंटन पर आम कार्यकर्ता की छाती पर मूंग नहीं दले, यह परिणाम ही बताएंगे। दरअसल सियासत इन उपचुनावों में पूरी तरह नंगी हुई है और हमाम में देखने के लिए जनता को तर्क-कुतर्क बांटे गए। अब देखना यह है कि जनता ने उपचुनावों के हमाम में किसे नंगा देखा या इस नंगई को कबूल करके अपना मत दिया। जो भी हो, उपचुनाव की भाषा में हुए खुलासे चैन से जीने नहीं देंगे, भले ही परिणाम किसी के पक्ष में निकले या विरोध में निकले। यहां जनता ने सिर्फ कुछ नाटक देखे। राज्यसभा चुनाव से उपचुनाव तक के सफर में हिमाचल की आशाओं-उम्मीदों की पलकों ने जो देखा, वह बुरे वक्त की निशानी तो है ही। पलड़ा एक का झुकेगा, तो दूसरे पक्ष पर प्रहार होंगे और अगर विपरीत परिस्थितियों में जनता ने किसी एक को निपटा दिया, तो अहंकार के खिलौने और बिकेंगे। कहने को लांछनों से भरा रहा यह चुनाव, नागरिक मन में प्रायश्चित भाव के हथौड़े चलाता रहा, इसलिए अनमने से मतदान में इबारतों की कई उलझनें और भविष्य के संताप नत्थी हैं। उम्मीदवारों की फेहरिस्त में हिमाचली समाज का चेहरा संवर जाएगा या चुनाव प्रचार की विकृतियां अब साथ चलनी शुरू हो जाएंगी। जो भी हो, ये चुनाव सियासत के सिर पर ठीकरे फोडऩे की हिम्मत तो रखते हैं ही और अगर परिणाम स्पष्टता से संकेत दे पाए, तो हानि दोनों पक्षों को उठानी पड़ेगी। क्या फिफ्टी-फिफ्टी के फलक पर चुनाव प्रचार पहुंचा या श्रद्धेय मन से किसी ने ओपीएस को पूजा तो किसी ने मोदी की साधना में लीन होकर भक्ति की।

शुरुआती कारोबार में रुपया 38 पैसे की बढ़त के साथ 83.04 प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई, 03 जून (एजेंसियां) । रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 38 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.04 पर पहुंच गया। यह उसका तीन महीने का उच्चतम स्तर है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कमजोर अमेरिकी मुद्रा और घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी पूंजी के प्रवाह से भी स्थानीय मुद्रा को समर्थन मिला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.09 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.04 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 38 पैसे की बढ़त दर्शाता है। इस वर्ष 18 मार्च को रुपया 83.00 के स्तर को पार कर गया था। स्थानीय मुद्रा ने अप्रैल 2023 के बाद से सबसे अधिक एकल-दिवसीय वृद्धि दर्ज की, जब रुपये में 42 पैसा का उछाल आया था।रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.42 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.56 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81.06 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुक्रवार को लिवाल रहे और शुद्ध रूप से 1,613.24 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर खरीदे।लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग सरकार की जीत के अनुमान के बीच घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को शुरुआती कारोबार में करीब चार प्रतिशत की बढ़त के साथ अपने-आने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। कई मएग्जिट पोलळ में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत मिलने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अनुमान लगाया गया है। लोकसभ चुनाव के परिणाम चार जून को घोषित किए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

एआई पायलट्स की जगह नहीं ले सकता, दावा- नई तकनीक से तरीकों में ही बदलाव है संभव

दुबई । एयरलाइंस में हाल फिलहाल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पायलट्स की जगह नहीं ले सकती, लेकिन विमानन उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि नई तकनीक उनके व्यापार करने के तरीके में क्रांति ला रही है। दुबई में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) की 80वीं बैठक से पहले एयर फ्रांस-केएलएम में डेटा साइंस और एआई के प्रमुख जूली पॉजी ने यह बात कही। वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हर क्षेत्र में तेजी से अपना पैर फैला रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर एयरलाइंस ने बताया कि भविष्य में यह पायलटों की जगह नहीं लेगा, लेकिन विमानन उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि नई तकनीक उनके व्यापार करने के तरीके में तेजी से बदलाव ला रहे हैं। एयर फ़्रांस-केएलएम में डेटा विज्ञान और एआई के प्रमुख जूली पोजी ने विमानन क्षेत्र के लिए डेटा और एआई को एक शानदार लीवर बताया। संयुक्त अरब अमीरात में एक वार्षिक वैश्विक शिखर सम्मेलन में एयरलाइंस अधिकारी शामिल हुए। इस सम्मेलन में आगामी एआई परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई। विमानन कंपनियां लंबे समय से ही कम लाख मार्जिन की आदी है, लकिन एआई के जरिए इसके उत्पादकता में वृद्धि हो सकती है। एआई के जरिए लोगों तक जल्द पहुंचेंगी जानकारी अमेरिका स्थित फर्म बेन एंड कंपनी में एयरलाइन उद्योग के प्रमुख सलाहकार जेफ्री वेस्टन ने कहा, एआई वास्तव में सही लोगों तक सही जानकारी जल्द से जल्द पहुंचाने में मददगार है। जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए 40 से अधिक परियोजनाओं के साथ एयर फ्रांस-केएलएम ऐसा कर रहा है। फ्रेंच-डच कंपनी की योजनाओं में एक ऐसा टूल है जो ग्राहकों को 85 अलग-अलग भाषाओं में जवाब देता है। इसे एयर फ्रांस एजेंटों के टैबलेट पर इंस्टॉल किया जाएगा और 2025 तक पेरिस चार्ल्स डे गॉल एयरपोर्ट पर लागू कर दिया जाएगा।

लावा युवा 5जी स्मार्टफोन लांच

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में लावा युवा 5जी स्मार्टफोन लॉन्च हो चुका है। इस 4जीबी +64जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 9,499 रुपये और 4जीबी प्लस 128जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 9,999 रुपये है। यह फोन दो स्टोरेज वेरिएंट- 4 जीबी प्लस 64जीबी और 4जीबी प्लस128 जीबी में लाया गया है। लावा युवा 5जी स्मार्टफोन में 6 l5-इंच एचडी प्लस डिस्प्ले है, जिसे 90 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ जोड़ा गया है। इसमें यूनिसोक टी750 प्रोसेसर मिलता है, जिसे 4जीबी तक रैम और 128 जीबी तक स्टोरेज के साथ पेश किया गया है। इसमें डुअल कैमरा सेटअप मिलता है, जिसे 50एमपी मुख्य सेंसर और 2एमपी सेकेंडरी सेंसर के साथ पेश किया गया है। इसमें आगे की तरफ 8 एमपी का कैमरा सेंसर है। इस स्मार्टफोन में 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जिसे 18वॉट चार्जिंग सपोर्ट के साथ लाई गई है। लावा युवा 5जी एंड्राएंड 13 ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलता है। कंपनी ने एंड्राएंड 14 और दो साल के सिक्योरिटी अपडेट को पेश करने की बात कही है। कलर ऑप्शन की बात करें तो यह फोन मिस्टिक ब्लू और मिस्टिक ग्रीन कलर ऑप्शन में लाया गया है।

मुनाफा कमाने के मामले में पीएनबी नंबर वन

मुंबई । सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने मुनाफा कमाने के मामले में करीब 12 सरकारी बैंकों को पछाड़ते हुए सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचने में कामयाबी हासिल की है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान पीएनबी ने मुनाफा कमाने के मामले में करीब 229 फीसदी की सबसे ऊंची बढ़ोतरी दर्ज करके टॉप पर अपना स्थान बना लिया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में मुनाफा कमाने के मामले में टॉप पर आने के बाद पीएनबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उनका बैंक विरासत की समस्याओं को पीछे छोड़ते हुए बैंकिंग प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने और चालू वित्त वर्ष तथा आगामी वर्षों के दौरान लाभप्रदता के मामले में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए सही रास्ते पर है। मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक 229 फीसदी की सबसे अधिक बढ़ोतरी दर्ज करके सूची में टॉप पर रहा। बैंक का लाभ वित्त वर्ष 2022-23 के 2,507 करोड़ रुपये की तुलना में तीन गुना से ज्यादा बढ़कर 8,245 करोड़ रुपये हो गया।

लोकसभा चुनाव के नतीजों, ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई, 03 जून (एजेंसियां) ।शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह आम चुनावों के नतीजों तथा ब्याज दर को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक के निर्णय से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। हालांकि, माना जा रहा है कि एग्जिट पोल में भाजपा की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बड़ी जीत मिलने की उम्मीद और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के मजबूत आंकड़ों से सोमवार को शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिल सकती है।एग्जिट पोल में शनिवार को भविष्यवाणी की गई है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखेंगे। मतगणना चार जून को होगी।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के रिसर्च हेड संतोष मीणा ने कहा कि अब सभी की निगाहें सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम मंगलवार को आने वाले लोकसभा चुनाव के नतीजों पर हैं। इससे पहले, बाजार भागीदार मएग्जिट पोलळ पर प्रतिक्रिया देंगे।

मीणा ने कहा, बाजार इसे सावधानी के साथ देख रहा है, और एग्जिट पोल के बाद बाजार में उछाल आ सकता है। हालांकि, नतीजे इसके उलट आने पर बाजार में कुछ मघबराहट देखने को मिल सकती है।उऩ्होंने कहा कि चुनाव नतीजों के अलावा बाजार के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक है। एमपीसी की बैठक के नतीजे सात जून को आएंगे।

मीणा ने कहा, मफ्चुनाव नतीजों के बाद विदेशी निवेशकों के रुख पर सभी की नजर रहेगी। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका और चीन के वृहद आर्थिक आंकड़े महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मैन्युफैक्चरिंग और सेवा पीएमआई के मई के आंकड़े भी इसी सप्ताह आने हैं।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, मफएग्जिट पोल के नतीजे जो लगभग 360 सीटों के साथ राजग को स्पष्ट बढ़त दे रहे हैं, उनसे सोमवार को बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के आंकड़े उम्मीद से बेहतर 8.2 प्रतिशत रहे हैं। इससे भी बाजार को रफ्तार मिलने की उम्मीद है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के रिटेल रिसर्च हेड सिद्धार्थ खेमका ने कहा, मफएग्जिट पोल के साथ-साथ बाजार सोमवार को जीडीपी आंकड़ों पर भी प्रतिक्रिया देगा।एमके रिसर्च की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर अंतिम नतीजे भी एग्जिट पोल की तरह रहे, बाजार से अनिश्चितता दूर हो जाएगी।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,449 अंक या 1.92 प्रतिशत टूटा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 426.4 अंक या 1.85 प्रतिशत की गिरावट आई। सेंसेक्स 27 मई को 76,009.68 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। उसी दिन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,110.80 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर गया था।

दिग्गज मीडिया कारोबारी रुपर्ट मर्डोक की पांचवीं पत्नी ऐलेन झुकोवा कौन, रूस से क्या है नाता

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां) ।

पिछले साल फॉक्स एंड न्यूज कॉरपोरेशन के निदेशक मंडल से सेवानिवृत्त हुए 93 वर्षीय रूपर्ट मर्डोक लॉस एंजिलिस के बेल एयर स्थित अपने मोरागा वाइनयार्ड में एलेना झुकोवा के साथ पांचवीं बार शादी के बंधन में बंध गए। कौन हैं रुपर्ट मर्डोक की पांचवीं पत्नी एलेना झुकोवा वे किस पेशे से जुड़ी हैं उनका रूस से क्या संबंध है वे पहली बार मर्डोक से कैसे मिलीं आइए जानते हैं इन सवालों के जवाब। ऐलेना जुकोवा एक सेवानिवृत्त आणविक जीवविज्ञानी हैं, जो मधुमेह अनुसंधान के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखती हैं। इस क्षेत्र में उनके योगदानों में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स में किए गए कार्य शामिल हैं। मार्डोक की पांचवीं पत्नी का रूस से क्या संबंध है रूपर्ट मर्डोक की पांचवीं पत्नी ऐलेना झुकोवा मूल रूप से मास्को की रहने वाली हैं।67 वर्षीय झुकोवा सोवियत संघ के अंतिम वर्षों के दौरान 1991 में संयुक्त राज्य अमेरिका में शिफ्ट हो गई थीं। मर्डोक से कैसे मिलीं झुकोवा झुकोवा को रूपर्ट मर्डोक से उनकी (मर्डोक) तीसरी पूर्व पत्नी वेंडी डेंग ने एक आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान मुलाकात कराई थी। वेंडी डेंग और मर्डोक ने अपनी शादी के 14 साल बाद 2013 में तलाक ले किया था। पहले भी दो बार हो चुकी है झुकोवा की शादी ऐलेना जुकोवा पहले भी दो बार शादी कर चुकी हैं। उनकीशादी रूसी तेल कारोबारी और अरबपति अलेक्जेंडर झुकोव से भी हो चुकी है। उनकी एक बेटी है, 42 साल की दशा झुकोवा। झुकोवा अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि को सामान्य और मास्को के बुद्धिजीवियों में से एक बताती हैं। यह उनकी जड़ों और मास्को के सांस्कृतिक और बौद्धिक परिवेश से उनके संबंध को उजागर करता है। मर्डोक ने 2022 में अपनी चौथी पत्नी को दिया तलाक रूपर्ट मर्डोक ने 2022 में अपनी चौथी पत्नी, सुपरमॉडल जेरी हॉल को तलाक दे दिया। उनकी पिछली पत्नियों में वेंडी डेंग, अन्ना मर्डोक मान और पेट्रीसिया बुकर शामिल हैं। उनके कुल छह बच्चे हैं।

अरबपति नेल्सन पेल्ट्ज ने डिज्नी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेची, एक अरब डॉलर के मुनाफे के साथ हुआ सौदा

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां) ।

अरबपति निवेशक और एक्टिविस्ट नेल्सन पेल्ट्ज ने डिज्नी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है। पेल्ट्ज़ और उनके हेज फंड, ट्रायन फंड मैनेजमेंट ने मीडिया और मनोरंजन समूह के खिलाफ लंबे समय से चल रही अपनी प्रॉक्सी वॉर में हार के करीब दो महीने बाद यह बिकवाली की। रिपोर्ट्स के अनुसार पेल्ट्स ने अपनी पूरी हिस्सेदारी करीब 1 अरब डॉलर के मुनाफे में बेची है। पेल्ट्ज़ ने अपने सभी डिज्नी स्टॉक को लगभग 120 डॉलर प्रति शेयर के भाव पर बेच दिया।

सोना लुढ़का, चांदी में गिरावट, सोना 71,400 हजार, चांदी लगभग 90,900 हजार

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां) ।

देश के सराफा बाजारों में सप्ताह के पहले दिन सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सोने के वायदा भाव 71,400 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 90,900 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।

वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। हालांकि बाद में इनके भाव में गिरावट देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 367 रुपये की गिरावट के साथ 71,467 रुपये के भाव पर खुला।

सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत नरम रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 445 रुपये की गिरावट के साथ 91,125 रुपये पर खुला। इस समय यह 686 रुपये की गिरावट के साथ 90,884 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने- चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 2,348 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,345.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 1.70 डॉलर की गिरावट के साथ 2,344.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.62 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.44 डॉलर था। इस समय यह 0.15 डॉलर की गिरावट के साथ 30.29 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

देश में 2023-24 के दौरान आया 44.43 अरब डॉलर का विदेशी निवेश, नीदरलैंड और जापान से बढ़ा एफडीआई

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां) ।

दुनियाभर में आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश में 2023-24 के दौरान 44.43 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया। हालांकि, यह सालाना आधार पर 3.5 फीसदी कम है। इस दौरान भारत को सिंगापुर से सबसे ज्यादा 11.77 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मिला। इसके बावजूद यह 2022-23 की तुलना में 31.55 फीसदी कम है।

आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 के दौरान सिंगापुर, मॉरीशस, अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), केमैन आइलैंड, जर्मनी और साइप्रस सहित प्रमुख देशों से एफडीआई इक्विटी निवेश में कमी आई। हालांकि, नीदरलैंड और जापान से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ा है। वित्त वर्ष 2018-19 से सिंगापुर, भारत के लिए एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत रहा है। 2017-18 में भारत ने मॉरीशस से सबसे ज्यादा एफडीआई आकर्षित किया था। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत-मॉरीशस कर संधि में संशोधन के बाद सिंगापुर, भारत में निवेश के लिए पसंदीदा क्षेत्र के रूप में उभरा है। 2024-25 में भारत में एफडीआई में तेजी आएगी। डेलॉय इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा, हाल ही में रीट विनियमन 2014 में संशोधन जैसी भारत की पहल ने सिंगापुर स्थित निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। मॉरीशस से निवेश घटकर 6.13 अरब डॉलर आंकड़ों के मुताबिक, भारत में एफडीआई के मामले में मॉरीशस दूसरे स्थान पर रहा। हालांकि, मॉरीशस से निवेश 7.97 अरब डॉलर से घटकर 2023-24 में 6.13 अरब डॉलर रह गया।अमेरिका 4.99 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर रहा।2022-23 में उसने 6 अरब डॉलर का निवेश किया था। बीते वित्त वर्ष के दौरान भारत में नीदरलैंड से 4.93 अरब डॉलर, जापान से 3.17 अरब डॉलर, यूएई से 2.9 अरब डॉलर और ब्रिटेन से 1.2 अरब डॉलर का निवेश आया है। साइप्रस ने 80.6 करोड़ डॉलर और जर्मनी ने 50.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया। आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 के दौरान देश में कुल 70.95 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया। यह वित्त वर्ष 2022-23 के 71.35 अरब डॉलर की तुलना में एक फीसदी कम है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान देश में कुल 84.83 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया था, जो अब तक का सर्वाधिक है।

रियलमी सी 63 स्मार्टफोन इंडोनेशिया में लॉन्च

नई दिल्ली । इंडोनेशिया में चाइनीज कंपनी द्वारा रियलमी सी 63 स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया है। स्मार्टफोन के 6जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज मॉडल की कीमत आईडीआर 1,999,000 यानी लगभग 10,000 रुपये और 8जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज मॉडल की कीमत आईडीआर 2,299,9000 यानी लगभग 12,000 रुपये रखी गई है। रियलमी सी 63 स्मार्टफोन लेदर ब्लू और जेड ग्रीन कलर ऑप्शन में लाया गया है। इसकी सेल 5 जून को शुरू होगी। प्रोसेसर की बात करें तो इसमें ऑक्टा-कोर यूनिसोक टी612 चिपसेट मिलता है, जिसे माली-जी57 जीपीयू और 8जीबी तक रैम, 8जीबी वर्चुअल रैम और 256जीबी ऑनबोर्ड स्टोरेज के साथ लाया गया है। कैमरा की बात करें तो इस फोन में 50एमपी के प्राइमरी सेंसर के साथ डुअल रियर कैमरा यूनिट दिया गया है। इसमें सेल्फी और वीडियो चैट के लिए 8 एमपी कैमरा है।बैटरी की बात करें तो रियलमी सी 63 45वॉट सुपरवॉक फ़ास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी मिलती है। इसकी खासियत है कि यह एक मिनट के चार्ज से एक घंटे तक का टॉकटाइम दे सकती है। फोन की बैटरी एक बार चार्ज करने पर 38 दिनों तक का स्टैंडबाय टाइम दे सकती है। डिस्प्ले की बात करें तो रियलमी सी 63स्मार्टफोन में 6.74-इंच एचडी प्लस (1,600एक्स720 पिक्सल) डिस्प्ले है, जिसमें 90 एचझेड रिफ्रेश रेट, 450नीटस की पीक ब्राइटनेस और 180 एचझेड टच सैंपलिंग रेट मिलता है।

पहला सेट गंवाने के बाद सिनर ने की वापसी चार साल में पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

पेरिस, 03 जून (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के चैंपियन जानिक सिनर ने ग्रैंडस्लैम में इस साल अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सिनर ने फ्रांस के गैर वरीयता प्राप्त कॉरेंटिन मौटेट के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 2-6, 6-3, 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। सिनर 2020 के बाद पहली बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।

मौटेट ने सिनर को चौंकाया - मौटेट ने शुरुआती सेट में सिनर को हराकर चौंका दिया था। मौटेट ने पहले सेट में सिनर को कोई मौका नहीं दिया और 6-2 से यह सेट अपने नाम किया। हालांकि, इसके बाद सिनर ने जबरदस्त तरीके से वापसी की और अगले तीनों सेट जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सिनर ने मैच के बाद कहा, यह मेरे लिए काफी कठिन था और मुझे लगता है कि पहले सेट में मौटेट ने शानदार खेल दिखाया। मेरे पास कुछ मौके थे, लेकिन वह मुझसे काफी अच्छा खेला जिस कारण मुझे ढलने में थोड़ा समय लगा।

सिनर का सामना अब दिमित्रोव से होगा - सिनर का सामना क्वार्टर फाइनल में ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। दिमित्रोव ने एक कड़े मुकाबले में ह्यूबर्ट हर्काज़ को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 10वीं वरीयता प्राप्त दिमित्रोव ने आठवें वरीय हर्काज को 7-6 (5), 6-4, 7-6 (3) से हराया। यह पहला अवसर है जब दिमित्रोव ने फ्रेंच ओपन के अंतिम आठ में जगह बनाई। वह यूएस ओपन, ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन में एक-एक बार सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

अल्काराज-सितसिपास भी आगे बढ़े - पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य मैचों में दो बार के ग्रैंडस्लैम विजेता स्पेन के कार्लोस अल्काराज और 2021 में फ्रेंच ओपन के उप विजेता स्टेफानोस सितसिपास ने भी अपने-अपने मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां ये दोनों खिलाड़ी एक दूसरे का सामना करेंगे। तीसरे वरीय अल्काराज ने कनाडा के 21वें वरीय फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 6-3, 6-3, 6-1 से, जबकि नौंवे वरीय सितसिपास ने इटली के गैर वरीय माटियो अर्नाल्डी को 3-6, 7-6 (4), 6-2, 6-2 से पराजित किया। महिला वर्ग में विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा और ओन्स ज्ब्यूर ने भी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

न्यूज ब्रीफ

कारुआना को हराने के बाद अलीरेजा से हारे प्रज्ञानंद, कार्लसन ने लिरेन को दी मात, वैशाली भी हारीं

नई दिल्ली । भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद का शानदार प्रदर्शन नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में हार के साथ रुक गया। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना को पांचवें दौर में हराने वाले प्रज्ञानंद को क्लासिकल मैच में फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के खिलाफ थोड़ा संघर्ष करना पड़ा, लेकिन वह इसके बाद आर्मगेडन टाईब्रेकर में हार गए। दूसरी ओर, मैग्नस कार्लसन ने खराब फॉर्म में चल रहे डिंग लिरेन को हराकर 12 अंकों के साथ एकल बढ़त हासिल कर ली। कार्लसन को एकल बढ़त लिरेन को हराने के साथ ही कार्लसन ने छह दौर के बाद एकल बढ़त बना ली है। कारुआना ने हमवतन हिकारु नाकामुरा को हराकर छह खिलाड़ियों के बीच डबल राउंड रॉबिन आधार पर खेली जा रही इस प्रतियोगिता में कार्लसन को बढ़त हासिल करने में मदद पहुंचाई। अब जब चार दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं तब शीर्ष पर काबिज कार्लसन के बाद नाकामुरा का नंबर आता है जिनके 11 अंक हैं, जबकि प्रज्ञानंद 9.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। अलीरेजा आठ अंकों के साथ चौथे और कारुआना 6.5 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जबकि चीन के डिंग लीरेन अब तक केवल 2.5 अंक ही बना पाए हैं। वैशाली को भी मिली हार महिलाओं के वर्ग में भी भारत के हाथ निराशा लगी। प्रज्ञानंद की बहन और महिला ग्रैंडमास्टर वैशाली को चीन की विश्व महिला चैंपियन वेनजुन जू से हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं के वर्ग में वेनजुन जू और अन्ना मुजिचुक ने वैशाली की जगह बढ़त हासिल कर ली है। वेनजुन जू और मुजिचुक दोनों के समान 10.5 अंक हैं, जबकि वैशाली उनसे आधा अंक पीछे है। मुजिचुक ने चीन की टिंगजी लेई को आर्मगेडन टाईब्रेकर में हराया। लेई सात अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वह भारत की एक अन्य खिलाड़ी कोनेरू हंपी से दो अंक आगे है। हंपी को आर्मगेडन में स्वीडन की पिया क्रैमलिंग के हाथों एक और हार का सामना करना पड़ा। क्रैमलिंग के 4.5 अंक हैं और वह तालिका में सबसे निचले स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया जीत सकती है टी-20 विश्वकप : नासिर हुसैन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि इस बार टी-20 विश्वकप खिताब ऑस्ट्रेलिया जीतेगी। हुसैन के अनुसार इंग्लैंड की टीम को इस खिताब का प्रबल दावेदार नहीं माना जा सकता है क्योंकि उसका प्रदर्शन अभी उम्मीद के अनुरुप नहीं है। ये पूर्व कप्तान भारत और पाकिस्तान को भी जीत का बड़ा दावेदार नहीं मानता है। इससे पहले साल 2021 में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार टी-20 विश्वकप जीता था। ऑस्ट्रेलिया ने खराब शुरुआत से उबरकर पिछले साल हुए एकदिवसीय विश्वकप में भी जीत दर्ज की थी। तब उसने भारतीय टीम को हराया था। अबतक सबसे ज्यादा बार टी-20 विश्वकप इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने दो-दो बार जीता है। इंग्लैंड ने साल 2010 और साल 2022 में खिताब जीता है। वहीं, वेस्टइंडीज ने साल 2012 और साल 2016 में टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। हुसैन के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम अच्छी लय में है और उसके पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जो किसी भी टीम को दबाव में ला सकत हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम की प्रो लीग में करारी शिकस्त, ग्रेट ब्रिटेन ने 1-3 से हराया

नई दिल्ली । एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण के अपने दूसरे मैच में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। मेजबान ने भारत को 1-3 से हराया। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-0 से हराया था लेकिन भारतीय टीम अपनी जीत की लय बरकरार रखने में नाकाम रही। ग्रेट ब्रिटेन के लिए बंडुराक निकोलस ने दो (दूसरे और 11वें मिनट में) गोल किए। मेजबान टीम के लिए कैलनन विल (47वें मिनट) ने भी एक गोल किया। वहीं, भारत के लिए सिर्फ एक गोल अभिषेक ने किया। उन्होंने 35वें मिनट में गोल किया। भारत को आठ पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन टीम इनमें से किसी को भी गोल में तब्दील नहीं कर सकी। इस मैच में ग्रेट ब्रिटेन को भी पांच पेनल्टी कॉर्नर मिले थे, लेकिन वह भी इनमें से किसी पर गोल नहीं कर पाई। भारत एफआईएच तालिका में ग्रेट ब्रिटेन से एक स्थान आगे तीसरे स्थान पर है। अब भारतीय टीम अपने अगले मैच में आठ जून को जर्मनी से भिड़ेगी।

12 साल में टी-20 वर्ल्ड कप में पहला सुपरओवर

नामीबिया ने ओमान को हराया, विसे ने सुपरओवर में 13 रन बनाए, 1 विकेट लिया

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां) ।

आखिरी ओवर और जीत के लिए 5 रन की जरूरत। किसी भी टी-20 मैच में ये रन बेहद मामूली कहे जाएंगे। लेकिन टी-20 वर्ल्ड कप में नामीबिया और ओमान के बीच खेले गए मैच में ये मामूली रन भी नहीं बने। ओमान के गेंदबाजों ने नामीबिया के बल्लेबाजों के लिए ये स्कोर नामुमकिन बना दिया। पहले इस ओवर की कहानी... एक ओवर में 5 रन चाहिए थे और ओमान के कप्तान आकिब ने मेहरान खान को गेंदबाजी के लिए बुलाया। पहली 3 गेंदों में मेहरान ने बिना रन दिए 2 विकेट लिए। बची हुई 3 गेंदों पर 4 रन बने और मैच टाई हो गया। टी-20 वर्ल्ड कप में 12 साल बाद एक बार फिर मैच सुपर ओवर में पहुंचा। इससे पहले 2012 में न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज का मैच रिजल्ट सुपर ओवर से निकला था। वेस्टइंडीज जीता था।

नामीबिया और ओमान के बीच सुपर ओवर का रोमांच...

नामीबिया की बैटिंग...

- पहली गेंद- डेविड विसे को बिलाल खान ने पहली गेंद फेंकी। चौका लगा।
- दूसरी गेंद- बिलाल ने फुलटॉस डाली और 39 साल के विसे ने सिक्स लगा दिया।
- तीसरी गेंद- विसे ने 2 रन लिए।
- चौथी गेंद- विसे ने 1 रन लिया।
- पांचवीं गेंद- इरासमस क्रीज पर थे और बिलाल की गेंद पर उन्होंने चौका मारा।
- छठवीं गेंद- इरासमस ने फिर चौका लगाया।

ओमान को 22 रन का टारगेट...

- पहली गेंद- विसे बॉलिंग के लिए आए। पहली गेंद यॉर्कर डाली और नसीम खुशी ने 2 रन लिए।
- दूसरी गेंद- विसे ने फिर यॉर्कर बॉल डाली। नसीम कोई रन नहीं बना पाए।
- तीसरी गेंद- विसे ने फिर फुल लेंथ बॉल डाली और बैट से लगकर गेंद स्टंप्स से टकरा गई।
- चौथी गेंद- ओमान के कैप्टन आकिब क्रीज पर आए, लेकिन विस ने इस बार लेंथ बॉल डाली। आकिब एक रन बना सके। अब ओमान को 2 गेंदों में 19 रन चाहिए थे।
- पांचवीं गेंद- मकसूद स्ट्राइक पर थे, लेकिन वो भी विसे को बाउंड्री पार नहीं पहुंचा सके। सिर्फ 1 रन बना।
- छठवीं गेंद- आकिब ने सिक्स लगाया, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। नामीबिया 11 रन से जीत गया।

नामीबिया-ओमान मैच का स्कोरकार्ड - नामीबिया और ओमान के बीच ये रोमांचक मुकाबला बारबाडोस के केंसिग्टन ओवल मैदान में खेला गया। नामीबिया ने बॉलिंग का फैसला किया। ओमान 109 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। ऐसा लगा कि नामीबिया आसान जीत हासिल करेगी। लेकिन 110 का टारगेट वो भी नहीं हासिल कर पाई। 109 रन ही बना सकी और मैच सुपर ओवर में पहुंचा गया। नामीबिया की ओर से डेविड विसे ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने सुपरओवर में पहले कप्तान जेराड इरास्मस के साथ मिलकर छह गेंदों पर 21 रन बनाए। इसके बाद इस टारगेट को डिफेंड करने के लिए भी कप्तान ने विसे पर भरोसा जताया। विसे ने सिर्फ 10 रन ही दिए और एक विकेट भी झटका। विसे को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।ओमान की पारी : बल्लेबाजी नहीं चली, पहले ओवर में 2 विकेट गिरे ओमान की बल्लेबाजी पहले ही ओवर से काफी खराब रही और टीम अंत तक इससे नहीं उबर सकी। पहले ओवर की शुरुआती दो गेंदों पर ट्रम्पेलमैन ने ओमान को लगातार दो झटके दिए। ओमान के लिए खालिद कैल ने 34 रन और जीशान मकसूद ने 22 रन बनाए। इन्हीं दोनों खिलाड़ियों के दम पर टीम 100 रनों का आंकड़ा पार करने में सफल रही। ओमान टीम के सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। नामीबिया के लिए रूबेन ट्रम्पेलमैन ने 21 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि विसे ने 28 रन देकर 3 विकेट झटके। इनके अलावा कप्तान जेराड इरास्मस ने 2 विकेट और बर्नार्ड स्कोल्ट्ज को एक विकेट मिला। नामीबिया की पारी: फ्राइलिनक अर्धशतक से चूके, मेहरान ने 3 विकेट लिए 110 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हालांकि नामीबिया पूरे मैच में ओमान पर हावी रही। टीम को पहला झटका पहले ओवर की दूसरी ही बॉल पर लगा। माइकल वान लिंगेन को बिलाल खान ने बोल्ड कर दिया। इसके बाद निको डेविन और जान फ्राइलिनक ने दूसरे विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी की। टीम के लिए सबसे ज्यादा 45 रन फ्राइलिनक ने बनाए। डेविन ने 24 रन की पारी खेली। ओमान की तरफ से मेहरान खान ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। आकिब इलियास, बिलाल खान और अयान खान को 1-1 विकेट मिला। टर्निंग पॉइंट : मैच का टर्निंग पॉइंट आखिरी ओवर रहा। मैच में लगातार हावी रही नामीबिया को ओमान के मेहरान खान ने बैकफुट पर धकेल दिया। नामीबिया को आखिरी ओवर में जीत के लिए 5 रन चाहिए थे मेहरान ने सिर्फ 4 रन दिए। फाइटर ऑफ द मैच : मेहरान खान ने ओमान की ओर से शानदार बॉलिंग की। उन्होंने आखिरी ओवर में 5 रन डिफेंड किए और मुकाबले को सुपर ओवर तक ले गए। नामीबिया को आखिरी ओवर में जीत के लिए 5 रन की जरूरत थी। मेहरान ने इस ओवर में दो विकेट लिए और महज चार रन दिए। उन्होंने मैच में 3 ओवर करते हुए एक मेडन डाला और केवल 7 रन देते हुए 3 विकेट झटके।

प्लेइंग इलेवन

नामीबिया : जेराड इरास्मस (कप्तान), निको डेविन, माइकल वान लिंगेन, जान फ्राइलिनक, मालन क्रूगर, जेजे स्मिट, डेविड विसे, जेन ग्रीन, रूबेन ट्रम्पेलमैन, बर्नार्ड स्कोल्ट्ज और तांगेनी लुंगामेनी।

ओमान : आकिब इलियास (कप्तान), कश्यप प्रजापति, नसीम खुशी (विकेटकीपर), जीशान मकसूद, खालिद कैल, अयान खान, मोहम्मद नदीम, मेहरान खान, शकील अहमद, कलीमुल्लाह और बिलाल खान।

नयना को मिली बड़ी सफलता ताइवान में लंबी कूद में स्वर्ण जीता अनिमेष भी स्पेन में चमके

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां) ।

लंबी कूद की भारत की शीर्ष खिलाड़ी नयना जेम्स ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए ताइवान एथलेटिक्स ओपन में 6.43 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। वर्ल्ड एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर की कांस्य स्तर की प्रतियोगिता में 28 वर्षीय नयना ने अपने तीसरे प्रयास में दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह भारत के बाहर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। नयना का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6.67 मीटर है जो उन्होंने मार्च में इंडियन ओपन जंप्स प्रतियोगिता में स्वर्ण जीतने के दौरान किया था। उन्होंने पिछले महीने फेडरेशन कप में भी 6.53 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता था। इस बीच भारतीय धावक अनिमेष कुजूर ने स्पेन में ट्रोफियो डि एटलेटिस्मो स्यूदाद डि सलामांका-मेमोरियल कार्लोस गिल पेरेज एथलेटिक्स मीट में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। 21 वर्षीय धावक ने 20.59 सेकेंड के समय से दौड़ जीती। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 20.62 सेकेंड था जो उन्होंने इस महीने की शुरुआत में फेडरेशन कप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान हासिल किया था। स्पेन के डेनियल रोड्रिग्ज सेरानो (20.85 सेकेंड) और माउरो ट्रियाना लोपेज (21.27 सेकेंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इससे पहले अनिमेष ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में 10.27 सेकेंड का अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय निकालकर चौथा स्थान हासिल किया था, जो पिछले साल मणिकांत होबलीधर द्वारा बनाए गए राष्ट्रीय रिकॉर्ड से मामूली अंतर से पीछे था। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तेजस शिरसे ने सलामांका में ही 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.57 सेकेंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। हाल ही में शिरसे ने फिनलैंड के जैवस्काइला में वर्ल्ड एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर (चैलेंजर स्तर) मीट के दौरान पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.41 सेकेंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। फ्रांस में वर्ल्ड एथलेटिक्स श्रेणी डी प्रतियोगिता लिमोज नेशनल मीटिंग में राष्ट्रमंडल खेलों के त्रिकूद स्वर्ण पदक विजेता एल्धोज पॉल ने 16.24 मीटर के प्रयास के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि जेसी संदेश ने ऊंची कूद के खिताब के लिए 2.18 मीटर का प्रयास किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बड़ा लक्ष्य हासिल...

भारत की ही पहल पर अफ्रीकन यूनियन जी-20 ग्रुप का हिस्सा बना। साथियो, नए भारत का यह स्वरूप हमें गर्व और गौरव से भर देता है, लेकिन यह 140 करोड़ देशवासियों को उनके कर्तव्यों का एहसास भी करवाता है। अब एक भी पल गंवाए बिना हमें बड़े दायित्वों और बड़े लक्ष्यों की दिशा में कदम उठाने होंगे। हमें नए स्वप्न देखने हैं। हमें भारत के विकास को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखना होगा, और इसके लिए जरूरी है कि हम भारत के अंतर्भूत सामर्थ्य को समझें।21वीं सदी की दुनिया आज भारत की ओर बहुत आशाओं से देख रही है। वैश्विक परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए हमें कई बदलाव भी करने होंगे। हमारे रिफॉर्म 2047 के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप भी होने चाहिए। इसीलिए मैंने रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म का विजन सामने रखा। रिफॉर्म का दायित्व नेतृत्व का होता है। उसके आधार पर ब्यूरोक्रेसी परफॉर्म करती है और फिर जब जनता इससे जुड़ जाती है, तो हम ट्रांसफॉर्मेशन होते हुए देखते हैं। भारत को विकसित भारत बनाने के लिए हमें श्रेष्ठता को मूल भाव बनाना होगा। हमें स्पीड, स्केल, स्कोप और स्टैंडर्ड्स, चारों दिशाओं में तेजी से काम करना होगा। हमें मैन्युफैक्चरिंग के साथ-साथ क्वालिटी पर जोर देना होगा, हमें जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट के मंत्र को आत्मसात करना होगा। साथियो, हमें गर्व होना चाहिए कि ईश्वर ने हमें भारत-भूमि में जन्म दिया है। हमें प्राचीन मूल्यों को आधुनिक स्वरूप में अपनाते हुए अपनी विरासत को आधुनिक ढंग से पुनर्परिभाषित करना होगा। हमें पुरानी पड़ चुकी सोच और मान्यताओं का परिमार्जन भी करना होगा। हमें हमारे समाज को पेशेवर निर-ाशावादियों के दबाव से बाहर निकालना है। नकारात्मकता से मुक्ति सफलता की सिद्धि तक पहुंचने के लिए पहली जड़ी-बूटी है। सकारात्मकता की गोद में ही सफलता पलती है।

साथियो, वैराग्य, शांति और मौन के बीच, मेरा मन निरंतर भारत के उज्ज्वल भविष्य के बारे में, भारत के लक्ष्यों के बारे में सोच रहा था। उन्होंने कहा कि भारत हजारों वर्षों से विचारों का उद्गम स्थल रहा है। हमने जो अर्जित किया उसे कभी निजी सम्पत्ति नहीं माना। हमने इसे कभी आर्थिक या भौतिक मापदंडों से नहीं मापा, इसलिए इदं न मम यानी यह मेरा नहीं है, भारत के चरित्र का अंतर्निहित और स्वाभाविक हिस्सा बन चुका है। भारत का गवर्नेंस मॉडल दुनिया के कई देशों के लिए मिसाल बन चुका है।हम अगले 25 वर्ष केवल और केवल राष्ट्र के लिए समर्पित करें। हमारे ये प्रयास आने वाली पीढ़ियों और आने वाली शताब्दियों के लिए नए भारत की सुदृढ़ नींव बनकर अमर रहेंगे। मैं देश की ऊर्जा को देखकर कह सकता हूं कि लक्ष्य अब दूर नहीं है। आइए, तेज कदमों से चलें, साथ मिलकर चलें, भारत को विकसित बनाएं।

सम्पूर्ण मतगणना...

इससे पहले चुनाव आयोग ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 में भाग लेने वाले सभी मतदाताओं का खड़े होकर अभिनंदन किया। मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग ने 64.2 करोड़ मतदाताओं का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह सभी जी-7 देशों के मतदाताओं का डेढ़ गुना और यूरोपीय संघ के 27 देशों के मतदाताओं का ढाई गुना है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा, चुनाव कर्मियों के सावधानीपूर्वक और सतर्कतापूर्वक किए गए काम की वजह से हमने कम पुनर्मतदान सुनिश्चित किए। हमने 2019 में 540 के मुकाबले 2024 के लोकसभा चुनाव में 39 पुनर्मतदान देखे। इसमें भी 39 में से 25 पुनर्मतदान तो सिर्फ दो राज्यों में हुए। भारत ने लोकसभा चुनाव में 31.2 करोड़ महिलाओं समेत 64.2 करोड़ मतदाताओं की भागीदारी के साथ वैश्विक रिकॉर्ड बनाया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सोशल मीडिया पर चुनाव आयुक्तों को लापता-सज्जन कहे जाने वाले मीम्स पर कहा, हम हमेशा से यहां थे, कभी गायब नहीं हुए। उन्होंने कहा, दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया में 68,000 से अधिक निगरानी दल, 1.5 करोड़ पोलिंग एवं सुरक्षाकर्मी शामिल थे। 2024 के लोकसभा चुनाव कराने में करीब चार लाख वाहन, 135 विशेष ट्रेनें और 1,692 हवाई उड़ानों का इस्तेमाल किया गया। 2024 के आम चुनावों में केवल 39 पुनर्मतदान हुए, जबकि 2019 में 540 पुनर्मतदान हुए थे।मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, जम्मू-कश्मीर में चार दशकों में सबसे अधिक मतदान हुआ, कुल मिलाकर 58.58 प्रतिशत और घाटी में 51.05 प्रतिशत मतदान हुआ। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा डीएम और आरओ को फोन किए जाने के कांग्रेस नेता जयराम रमेश के आरोप पर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा, क्या कोई डीएम या रिटर्निंग अफसर को प्रभावित कर सकता है? हमें प्रामाणिक रूप से बताएं कि किस डीएम और किस रिटर्निंग अफसर के पास फोन आया और उसने प्रभावित होकर काम किया? मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, यह सही नहीं है कि आप अफवाह फैलाएं और सभी पर संदेह करें।मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने माना कि सोमवार और शुक्रवार को मतदान नहीं कराया जाना चाहिए, क्योंकि इन दिनों के बीच काफी लंबा अंतर हो जाता है। उन्होंने माना कि चुनाव गर्मी से पहले होने चाहिए और मतदान सोमवार और शुक्रवार को नहीं कराए जाने चाहिए। हमने विधानसभा चुनावों में ऐसा ही किया था, लेकिन यह इतनी बड़ी प्रक्रिया है कि हम इस बार इसे नहीं कर पाए। चुनाव आयुक्त ने इसके लिए देश के अलग-अलग हिस्सों में त्यौहारों, परीक्षाएं और सुरक्षा बलों के मूवमेंट को जिम्मेदार ठहराया। चुनाव आयुक्त ने कहा कि इस चुनाव से हमें दो सीख मिलीं। पहली, चुनावों से सबसे बड़ी सीख यह है कि मतदान प्रक्रिया गर्मियों से पहले पूरी हो जानी चाहिए। और दूसरी, चुनाव आयोग गलत मतदाता सूची और मतदान के आंकड़ों के बारे में झूठी कहानियों को समझने में विफल रहा। इससे लड़ने के लिए और तैयारी करनी होगी।

चुनावी प्रक्रिया...

केंद्रीय केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा ने आयोग से मांग की है कि प्रत्येक अधिकारी को काउंटिंग से जुड़ी जानकारी हो और चुनाव आयोग के सभी नियमों और प्रोटोकॉल का पालन किया जाए। उन्होंने कहा, हमारी दूसरी मांग मतगणना और परिणाम की घोषणा चुनावी प्रक्रिया के संरक्षण में हो। इसके अलावा, यह भी मांग चुनाव आयोग के समक्ष रखी गई कि चुनावी प्रक्रिया को कमजोर करने के व्यवस्थित प्रयासों का संज्ञान लिया जाए। दोषी पाए जाने वाले आरोपियों के खिलाफ चुनाव आयोग नियमों के तहत सख्त कार्रवाई करे।इससे पहले विपक्षी गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर पोस्टल बैलट को चुनाव परिणाम में अहम बताते हुए मांग की कि पोस्टल बैलट के चुनाव परिणाम अलग से घोषित किया जाएं। विपक्षी प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद कहा कि चुनाव में पोस्टल बैलट की अहम भूमिका के चलते हमने मांग की है कि पोस्टल बैलेट की गिनती अलग से की जाए और उसके नतीजे भी अलग से घोषित किए जाएं। उन्होंने कहा कि पोस्टल बैलट्स ने चुनाव परिणामों पहले काफी अहम भूमिका निभाई है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग यह कह चुका है कि सबसे पहले पोस्टल बैलट्स की ही गिनती होती है। उसके आधे घंटे बाद ईवीएम की गणना शुरू होती है।

माल्या, नीरव...

हीरा कारोबारी नीरव मोदी और उसका मामा मेहुल चोकसी पीएनबी घोटाले में मुख्य आरोपी हैं। नीरव मोदी फिलहाल ब्रिटेन में जेल की सजा काट रहा है जबकि उसके मामा एंटीगुआ में रहते हैं। माल्या इस समय ब्रिटेन में हैं और वह 900 करोड़ रुपए से अधिक के कथित ऋण धोखाधड़ी मामले में आरोपी हैं। जिसकी जांच ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रहे हैं।

टिकट मिलने पर...

कांग्रेस ने 35 सीटों के लिए अपना प्रत्याशी घोषित किया था। 35 में से 19 उम्मीदवारों ने ही नामांकन दाखिल किया। जबकि पार्टी के 10 प्रत्याशियों ने नामांकन ही नहीं किया। जबकि 5 ने नामांकन दाखिल करने के बाद नाम वापस ले लिया और एक प्रत्याशी ने पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। पार्टी के 9 उम्मीदवार ऐसे थे जिन्होंने टिकट लेकर भी चुनाव नहीं लड़ा। इस वजह से प्रदेश कांग्रेस ने सभी के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई करते हुए 6 साल के लिए उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है।2 जून को आए प्रदेश विधानसभा के नतीजे में 60 विधानसभा में से कांग्रेस को महज 1 सीट पर जीत मिली जबकि सत्तारूढ़ भाजपा के खाते में 46 सीटें गई है। भाजपा ने इस बार चुनाव राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के नेतृत्व में लड़ा था। 10 सीटों की स्थिति तो ऐसी थी कि भाजपा के 10 उम्मीदवार बिना चुनाव लड़े ही निर्विरोध चुनाव जीत गए। यानी 60 में से 50 सीटों पर ही मतदान हुआ।

लोकसभा चुनाव...

एनएचएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, नई टोल दरें तीन जून से लागू होंगी। टोल दरों में बदलाव थोक मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में बदलाव से जुड़ी दरों को संशोधित करने की वार्षिक कवायद का हिस्सा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब 855 टोल प्लाजा हैं, जिन पर राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों का निर्धारण और संग्रह) नियम, 2008 के अनुसार शुल्क लगाया जाता है। इनमें से 675 सार्वजनिक वित्त पोषित टोल प्लाजा हैं। जबकि 180 रियायतग्राहियों द्वारा संचालित हैं।

इजराइल की राजधानी यरुशलम की आबादी तेल अवीव से दोगुनी हुई, कार्यबल में अरब महिलाओं की संख्या भी बढ़ी

तेल अवीव, 03 जून (एजेंसियां) ।

इजराइल की राजधानी यरुशलम की जनसंख्या तेल अवीव से दोगुनी होने की रिपोर्ट सामने आई है। यरुशलम दिवस से पहले जारी एक वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाले शहर तेल अवीव से भी अधिक जनसंख्या अब यरुशलम की हो गई है। यहां 10 लाख से अधिक लोग रहते हैं। यरुशलम इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिसी रिसर्च की इस रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल में 2022 में हुई जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, यरुशलम की आबादी 10,05,900 है। यह जनसंख्या तेल अवीव की तुलना में दोगुनी है। बढ़ी हुई आबादी में शरणार्थी और छात्र भी शामिल रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल डिफेंस फोर्स और हमास के लड़ाकों के बीच जारी युद्ध से बचने के लिए हजारों लोगों ने अलग-अलग इलाकों में भाग कर शरण ली है। गाजा सीमा क्षेत्र या लेबनानी सीमा के पास से निकाले गए 13,800 लोग यरुशलम में रहे हैं। कम से कम कुछ समय के लिए यरुशलम में शरण लेने वाले इन लोगों को भी 10 लाख की आबादी में गिना गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 के दौरान 41,300 छात्रों ने यरुशलम के उच्च शिक्षण संस्थानों में नामांकन कराया। छात्रों की यह संख्या अब तक सबसे अधिक रही है। महिलाओं की भागीदारी बढ़कर 29 फीसदी तक पहुंची यरुशलम इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिसी रिसर्च की रिपोर्ट में नौकरी चाहने वालों की संख्या में भी उछाल का हवाला दिया गया है। इसके मुताबिक नवंबर 2023 में 26,000 लोग रोजगार की तलाश में थे। कार्यबल में अरब महिलाओं की संख्या बढ़ने का दावा भी किया गया है। दफ्तरों में महिलाओं की भागीदारी बढ़कर 29 फीसदी तक पहुंच गई। इस रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में यरुशलम में 5,800 अपार्टमेंट का निर्माण शुरू हुआ। संस्थान के मुताबिक वे बीते 38 वर्षों से रिपोर्ट जारी कर रहे हैं। इतने समय में अपार्टमेंट निर्माण की यह संख्या सबसे बड़ी है। 2023 में 27.35 लाख से अधिक विदेशी लोगों ने किया रात्रि प्रवास इस रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में 7,600 से अधिक नए अप्रवासियों ने यरुशलम में बसने का फैसला लिया। हालांकि, इसी अवधि में 7,200 लोग यरुशलम छोड़ कर चले भी गए। 2023 में 27.35 लाख से अधिक विदेशी लोगों ने यरुशलम में रात्रि प्रवास किया।

न्यूज़ ब्रीफ

यूक्रेन शांति वार्ता में बाधक बन रहा चीन, जेलेंस्की बोले- अन्य देशों पर भी बना रहा दबाव

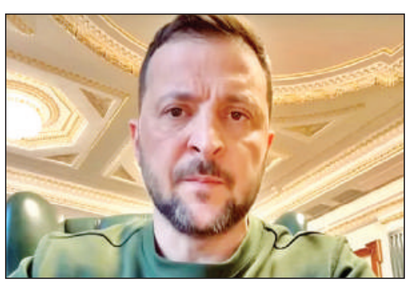

सिंगापुर । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने चीन पर यूक्रेन शांति वार्ता में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चीन अन्य देशों पर इस वार्ता में शामिल न होने का दबाव बना रहा है। यूक्रेन शांति सम्मेलन का आयोजन स्विट्जरलैंड की तरफ से प्रस्तावित है। सिंगापुर में शांगरी-ला रक्षा मंच पर जेलेंस्की ने कहा, क्षेत्र में चीनी प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए रूस शांति शिखर सम्मेलन को बाधित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि चीन जैसा शक्तिशाली देश पुतिन के हाथों की कठपुतली बना हुआ है। इससे पहले एशिया के सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए जेलेंस्की ने शीर्ष रक्षा अधिकारियों से आगामी शिखर सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में शामिल होने के लिए अबतक 106 देश व संगठन सहमति जता चुके हैं, लेकिन वह कुछ देशों की तरफ से इसमें शामिल होने के लिए प्रतिबद्धता जताने में विफल रहने से निराश हैं। जेलेंस्की ने कहा, हम विभिन्न प्रस्तावों व विचारों को सुनने के लिए तैयार हैं, ताकि युद्ध की समाप्ति हो सके। सम्मेलन में चीन के रक्षा मंत्री डोंग जून ने कहा कि उनका देश युद्ध के मसले पर रूस या यूक्रेन में से किसी का समर्थन नहीं करता। डोंग ने कहा, हमने किसी भी पक्ष को कोई हथियार नहीं दिया। दोहरे इस्तेमाल वाली सामग्री के निर्यात पर हम सख्त हैं। रूस संग उसका व्यापार बढ़ा है, जिससे पश्चिमी प्रतिबंधों का आर्थिक प्रभाव घटा है।

यूरोपीय यूनियन ने पाकिस्तान को फिर दिया झटका, उड़ानों पर प्रतिबंध हटाने से किया इनकार

इस्लामाबाद । यूरोपीय संघ (ईयू) की विमानन सुरक्षा एजेंसी ने एक बार फिर पाकिस्तान को झटका दिया है। पाकिस्तान की उड़ानों पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने से एक बार फिर इनकार कर दिया है। वहां कि स्थानीय मीडिया ने यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी का हवाला देते हुए कहा कि उड़ानों को फिर से शुरू करने की अनुमति देने का कोई कारण नहीं मिला है। इसमें पाकिस्तानी एयरलाइंस शामिल हैं। पाकिस्तानी एयरलाइंस पर प्रतिबंध जारी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ (ईयू) ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) सहित पाकिस्तानी एयरलाइंस पर प्रतिबंध जारी रखने के अपने फैसले को बरकरार रखा है। बता दें, यह फैसला यूरोपीय संघ की हवाई सुरक्षा समिति द्वारा किए गए एक व्यापक मूल्यांकन के बाद आया है, जिसमें पाकिस्तान नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (पीसीएए) का ऑन-साइट मूल्यांकन और पाकिस्तानी विमानन कंपनियों फ्लाई जिन्ना और एयरब्लू लिमिटेड का नमूना मूल्यांकन शामिल है। पीसीएए की निगरानी भूमिका की जांच की गई 27 से 30 नवंबर, 2023 के बीच आयोजित ऑन-साइट मूल्यांकन में मुख्य रूप से सुरक्षा सुनिश्चित करने में पीसीएए की निगरानी भूमिका और जिम्मेदारियों की जांच की गई। अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के प्रति पीसीएए की प्रतिबद्धता और तकनीकी रूप से कुशल कर्मियों की मौजूदगी को स्वीकार करते हुए, मूल्यांकन दल ने कई कमियों को उजागर किया।

श्रीलंका में भारी बारिश से 15 मौते, पांच हजार परिवार और 19000 लोग बेघर

कोलंबो । श्रीलंका में भारी बारिश का दौर जारी है। श्रीलंका में भारी बारिश के कारण सप्ताहांत में करीब 15 लोगों की मौत हो गई। बारिश के कारण पांच हजार से अधिक परिवार और 19 हजार से अधिक लोग बेघर हो गए। आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया कि राजधानी कोलंबो सहित सात जिलों में लोगों की मौतें हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मूसलाधार बारिश के कारण अचानक कई शहरों में बाढ़ आ गई। साथ ही वहां, कई पेड़ उखड़ गए हैं और तेज हवाएं चल रही हैं। यहां कई क्षेत्रों में बिजली भी गिरी और भूस्खलन हुआ। बारिश के कारण 25 प्रशासनिक जिलों में से 20 जिले बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। 4000 से अधिक घरों को आंशिक क्षति हुई है। जबकि 28 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। श्रीलंकाई सेना ने बचाव अभियान के लिए नावों से लैस सात टीमों को तैनात किया है। वायुसेना ने प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए तीन हेलीकॉप्टरों को स्टैंडबाय पर रखा है। आगे और बारिश और बाढ़ की आशंका के चलते शिक्षा मंत्रालय ने पूरे देश के सभी स्कूलों को बंद करने की घोषणा की है। एहतियात के तौर पर बिजली और ऊर्जा मंत्रालय ने कई इलाकों में बिजली आपूर्ति रोक दी है। नेशनल बिल्डिंग रिसर्च सेंटर ने चार जिलों में भूस्खलन के लिए रेड नोटिस जारी किए हैं।

मैक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति होंगी क्लॉडिया शेनबॉम

लंदन, 03 जून (एजेंसियां) ।

मैक्सिको के 200 साल के इतिहास में पहली बार कोई महिला देश की राष्ट्रपति बनने वाली हैं। 2 जून को हुए चुनाव में सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी की क्लॉडिया शेनबॉमद्य को सबसे ज्यादा 58.3 प्रतिशत वोट मिले। अंतिम परिणाम आने में 8 जून तक का वक्त लग सकता है। दिलचस्प बात ये थी कि उनकी टक्कर में विपक्षी पार्टी की उम्मीदवार भी एक महिला ही थीं। विपक्षी शोचिल गालवेज दक्षिणपंथी नेशनल एक्शन पार्टी से चुनाव लड़ीं। वे राष्ट्रपति ओब्राडोर की नीतियों की कट्टर विरोधी हैं।

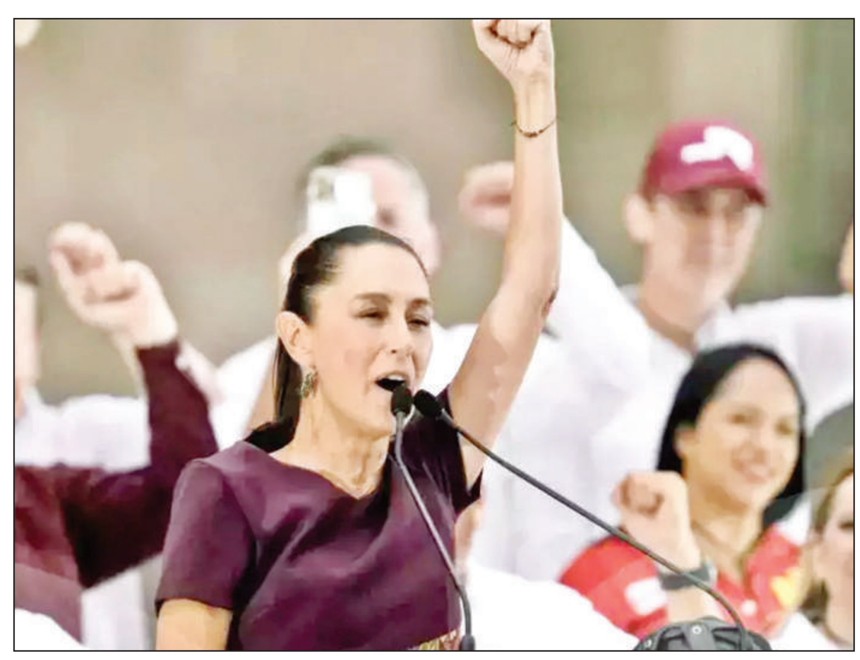

शोचिल गालवेज को 28 प्रतिशत वोट ही मिले। मैक्सिको ने पड़ोसी देश अमेरिका से पहले महिला राष्ट्रपति चुनकर इतिहास बनाया है। मैक्सिको में महिलाओं को वोट देने का अधिकार अमेरिका से 33 साल बाद मिला था। अमेरिका में जहां 1920 में ही महिलाओं को वोटिंग राइट्स मिल गए थे। वहीं, मैक्सिको में महिलाओं को वोट देने का अधिकार 1953 में मिला था।

कैसे उम्मीदवार बनी क्लॉडिया शेनबॉम

मैक्सिको के संविधान के नियम के मुताबिक, राष्ट्रपति ओब्राडोर को दोबारा से 6 साल का कार्यकाल नहीं मिल सकता। ऐसे में सत्ताधारी मोरोना पार्टी की तरफ से क्लॉडिया शेनबॉम को उम्मीदवार बनाया गया था। वह मैक्सिको सिटी की पूर्व मेयर रह चुकी हैं और लेफ्ट पॉलिटिक्स से काफी समय से जुड़ी हुई हैं। साल 2007 में मैक्सिको की इंटरगवर्नमेंटल कमेटी को नोबेल प्राइज मिला था। तब वह इसकी मेंबर थीं।

विवादों से भरा रहा राजनीतिक करियर

क्लॉडिया का राजनीतिक जीवन विवादों से भरा रहा है। 2017 में जब मेक्सिको सिटी की मेयर थीं तब एक शक्तिशाली भूकंप में एक स्कूल की छत गिर गई थी। इसमें 26 लोग मारे गए थे जिनमें 19 बच्चे थे। भारी आलोचना के बाद भी क्लॉडिया ने यह मानने से इनकार कर दिया कि कंस्ट्रक्शन में कोई गड़बड़ी थी। हालांकि, इसके बाद भी वह अगले साल फिर से शहर की मेयर चुनी गईं। साल 2021 में मेक्सिको सिटी में एक एलिवेटेड मेट्रो ट्रैक का एक हिस्सा ढह गया। इसमें 26 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए। क्लॉडिया ने उन आरोपों को खारिज कर दिया जिनमें ये दावा किया गया था कि बजट में कटौती की वजह से ये घटना हुई। दिलचस्प बात ये थी कि ये कंस्ट्रक्शन कंपनी दुनिया के सबसे अमीर शख्स रहे कार्लोस स्लिम की थी। बाद में आरोप लगे थे कि कंपनी ने पीड़ितों को उचित मुआवजा नहीं दिया। राष्ट्रपति चुनाव के दौरान क्लॉडिया शेनबॉम ने वादा किया था कि उनकी नीतियों से देश में अपराध दरों में कमी आएगी। वर्तमान में मेक्सिको में 1 लाख में से 23 लोगों की हर साल हत्या हो जाती है। क्लॉडिया ने उम्मीद जताई कि वे इसे 19.4 तक ले आएंगी। अगर ऐसा होता है तो मेक्सिको में हत्या की दर ब्राजील के बराबर हो जाएगी। हालांकि, शेनबॉम के इस दावे पर यकीन करने की एक वाजिब वजह भी है। जब वह मेक्सिको की मेयर बनी थीं तो उनके कार्यकाल में शहर में अपराध दरों में 50 फीसदी तक की गिरावट आई थी।

चुनावी हिंसा में 200 लोगों की मौत हुई

ये मैक्सिको के चुनावी इतिहास का सबसे हिंसक चुनाव भी कहा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक करीब 200 लोग मारे जा चुके हैं। 50 से अधिक लोग सिर्फ गुरेरो प्रांत में मारे गए हैं। मैक्सिको में पिछला आम चुनाव 2018 में हुआ था। उस दौरान करीब 150 लोगों की हत्या कर दी गई थी।

मालदीव ने दिखाई फलस्तीन के प्रति एकजुटता, मुइज्जू ने इजराइली नागरिकों पर लगाया प्रतिबंध

माले, 03 जून (एजेंसियां) ।

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने विपक्ष और सरकार के सहयोगियों के दबाव के बाद इजराइली नागरिकों पर प्रतिबंध लगाया है। इजराइली हमले के दौरान गाजा में हजारों नागरिकों के मारे जाने के बाद विपक्ष और सहयोगियों ने इजराइल के लोगों पर मालदीव में प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। मालदीव ने गाजा पर हमले के विरोध में इजराइल के लोगों पर प्रतिबंध लगा दिया है। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के कार्यालय ने यह जानकारी दी। कहा कि राष्ट्रपति मुइज्जू ने इजराइली पासपोर्ट रखने वालों पर प्रतिबंध लगाने का संकल्प लिया है। हालांकि, राष्ट्रपति कार्यालय ने इस बारे में जानकारी नहीं दी कि यह नया कानून कब से लागू होगा। वहीं, राष्ट्रपति ने फलस्तीन के साथ एकजुटता में मालदीववासी नामक अभियान की भी शुरुआत की, जिससे जरिये धन एकत्र करके फलस्तीनियों की मदद की जा सके। हालांकि, इस प्रतिबंध के बाद इजराइल ने भी अपने नागरिकों के लिए मालदीव की यात्रा न करने की चेतावनी जारी कर दी है। राष्ट्रपति मोइज्जू ने यह कदम विपक्ष और सरकार के सहयोगियों के दबाव के बीच उठाया है। इजराइली हमले के दौरान गाजा में हजारों नागरिकों के मारे जाने के बाद विपक्ष और सहयोगियों ने इजराइल के लोगों पर मालदीव में प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। इजराइली नागरिकों को सलाह, मालदीव छोड़ने पर विचार करें वहीं, इजराइल के विदेश मंत्रालय ने अपने नागिरकों से मालदीव की यात्रा न करने का आग्रह किया है और मालदीव में रह रहे इजराइली नागरिकों को देश छोड़ने की चेतावनी दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा, मालदीव में रह रहे इजराइली नागरिकों को देश छोड़ने पर विचार करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि यदि वे किसी भी कारण संकट में पड़ गए तो हमारे लिए उनकी मदद करना मुश्किल हो जाएगा। 2012 में मालदीव-इजराइली संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास समाप्त हुए जानकारी के अनुसार, मालदीव ने 1990 के दशक की शुरुआत में इजराइली नागरिकों पर लगे पुराने प्रतिबंध को हटा दिया था। 2010 में राजनयिक संबंध भी बहाल कर दिए थे।

लालच के लिए मासूम से बबर्रता: शख्स ने सोने का हार लूटने के लिए छह साल की बच्ची का गला घोंटा, तलाश में पुलिस

वॉशिंगटन, 03 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिका से एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। यहां एक शख्स ने डकैती के दौरान एक छह साल की बच्ची का गला घोंट दिया था। अब पुलिस आरोपी शख्स की तलाश कर रही है। उसने संदिग्ध की तस्वीरें साझा की हैं। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने 29 मई को क्राउन हाइट्स में ईस्टर्न पार्कवे और राल्फ एवेन्यू के पास स्थित अपार्टमेंट में एक 14 साल की बच्ची और उसकी छोटी बहन से लूटपाट की। 14 साल की बच्ची ने बताया कि संदिग्ध ने स्कूल से घर तक उनका पीछा किया। बाद में बिल्डिंग के मुख्य गेट से उनका पीछा किया और लॉबी में उन्हें घेर लिया।

बच्ची ने बताया आपबीती

बच्ची ने बताया, मैं अपनी छह साल की बहन को स्कूल से घर ला रही थी। तभी एक शख्स पीछे आता हुआ दिखाई दिया। थोड़ी देर बाद शख्स ने मुझसे हार मांगा। जब हमने मना कर दिया, तो उसने मेरा गला दबा दिया और मेरी छोटी बहन नेजब यह देखा तो वह डर गई और चिल्लाने लगी। मेरे पास समय नहीं था। मैं कुछ

नहीं कर सकी। मैंने केवल अपनी बहन को देखा और वह चिल्ला रही थी।

अस्पताल में भर्ती

पुलिस ने कहा कि आरोपी ने एक हाथ से छोटी बच्ची का गला घोंट दिया और दूसरे हाथ से उसका हार खींच लिया। उसने बड़ी लड़की के गहने भी छीन लिए और फिर मौके से फरार हो गया। बच्ची से छिना गया हार उसकी मां ने जन्मदिन पर उपहार में दिया था। बाद में दोनों बच्चियों को मैमोनाइड्स मेडिकल सेंटर ले जाया गया। फिलहाल उनकी हालत सही है। इस पूरी घटना के समय बच्चों की मां काम पर गई हुई थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें राहत है कि शख्स ने बच्चियों का अपहरण नहीं किया।

अमेरिका में लापता हुई एक और भारतीय छात्रा इस साल अब तक सात भारतीयों की जा चुकी जान

वॉशिंगटन, 03 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिका में भारतीयों छात्रों का गायब होना या उन पर हमला होना आम बात हो गई है। यहां लगातार भारतीयों को निशाना बनाया जा रहा है। अब कैलिफोर्निया में 23 साल की एक भारतीय छात्रा लापता है। उसका पिछले हफ्ते से कुछ पता नहीं लगा है। पुलिस ने उसे ढूंढने के लिए लोगों की मदद मांगी है। पुलिस के अनुसार, कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी सैन बर्नार्डिनो (सीएसयूएसबी) की छात्रा नितिशा कंडुला 28 मई से लापता हैं। सीएसयूएसबी के पुलिस प्रमुख जॉन गुटेरेज ने एक्स पर कहा कि उसे आखिरी बार लॉस एंजिलिस में देखा गया था और उसके लापता होने की खबर 30 मई को मिली थी। छात्रा की खोज के लिए पुलिस

ने एक नंबर (909) 537-5165 भी जारी किया है। अधिकारी ने कहा कि अगर किसी को नितिशा के बारे में कोई भी जानकारी मिलती है तो इस नंबर पर फोन करके बताएं। छात्रा की लंबाई पांच फुट छह इंच और वजन करीब 160 पाउंड और काली आंखें हैं। पुलिस के बयान के अनुसार, कंडुला शायद कैलिफोर्निया लाइसेंस वाली 2021 टोयोटा कोरोला चला रही थीं। हालांकि कार के रंग का पता नहीं चला है। छात्रा के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से सीएसयूएसबी पुलिस विभाग (909) 538-7777 पर या एलएपीडी के साउथवेस्ट डिवीजन (213) 485-2582 पर संपर्क करने का आग्रह किया जाता है। साल 2024 में अब तक सात भारतीयों की मौत इस साल यानी 2024 में अमेरिका में सात भारतीय और भारतीय मूल के छात्रों की मौत हो चुकी है। भारतीय छात्रों पर लगातार हमले की घटनाएं भी सामने आई हैं। इस वजह से वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों में डर का माहौल है। मार्च 2024 में वॉशिंगटन विश्वविद्यालय के छात्र और कुचुपुड़ी डांसर अमरनाथ घोष को सेंट लुइस में गोली मार दी गई थी। पश्चिम बंगाल के रहने वाले अमरनाथ घोष साल 2023 में अमेरिका चले गए थे। घोष के शरीर पर कई गोलियां दागी गई थी, जिस वजह से उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। 5 फरवरी 2024 को भारतीय मूल के छात्र समीर कामथ का शव इंडियाना क्षेत्र में मिला था। समीर कामथ पर्ड्यू विश्वविद्यालय के छात्र थे। 2 फरवरी 2024 को वाशिंगटन में एक रेस्तरां के बाहर भारतीय मूल के आईटी एग्जीक्यूटिव विवेक तनेजा पर हमला हुआ था। इस हमले में उनकी मौत हो गई थी।

2016 में हिलेरी को जेल में डालो लगाए थे नारे, मामला पलटा तो बोले- मैंने यह नहीं कहा

वॉशिंगटन, 03 जून (एजेंसियां) ।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आए दिन किसी न किसी विवाद में नाम सामने आ जाता है। अब उन पर आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने हिलेरी क्लिंटन को जेल में डालने की बात कही थी। हालांकि, ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं कहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैंने यह नहीं कहा था कि उन्हें जेल में बंद कर दो ।क्लिंटन को सलाखों के पीछे डाला जाए अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है, साल 2016 के चुनाव के दौरान ट्रंप ने बार-बार मांग की थी कि क्लिंटन को सलाखों के पीछे डाला जाए। फिलहाल, पूर्व राष्ट्रपति को न्यूयॉर्क के गुप्त धन मामले के सभी 34 आरोपों में दोषी पाया गया है। उन्हें जेल की सजा हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप के अभियान के दौरान उन्हें जेल में बंद करो नारे लगाए गए। यहां तक कि उसके बाद के वर्षों तक उनकी रैलियों में यही रुख था। पूर्व राष्ट्रपति ने माना कि उन्होंने कई मौकों पर हिलेरी को जेल भेजने का आह्वान किया था। वर्षीय ट्रंप से उस कॉल के बारे में पूछा, जिसमें उन्होंने विदेश मंत्री

रहते हुए क्लिंटन द्वारा निजी ईमेल सर्वर के उपयोग का उल्लेख किया था।

मैं ऐसा कर सकता था

पत्रकार ने कहा कि आपने हिलेरी को जेल में बंद करने की बात कही। बाद में आपने राष्ट्रपति के रूप में ऐसा करने से इनकार कर दिया। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया, मैंने उन्हें हरा दिया। जब आप जीतते हैं तो यह आसान होता है। वे हमेशा कहते थे उन्हें बंद कर दो और मुझे भी लगा... और मैं ऐसा कर सकता था। हालांकि मुझे लगा कि यह एक भयानक बात होगी और फिर यह मेरे साथ हुआ। इसलिए मैं इसके बारे में अलग तरह से सोच सकता हूं। उन्होंने हिलेरी के खिलाफ बोले जाने के दावे नकार दिए। ट्रंप ने कहा, मैंने यह नहीं कहा कि उन्हें बंद कर दो, लेकिन लोगों ने कहा कि उन्हें जेल में डाल दो, उन्हें बंद कर दो। फिर, हम जीत गए। हां मैंने बहुत खुले तौर पर कहा है कि ठीक है, चलो, बस आराम करो, चलो चलते हैं, हमें अपने देश को महान बनाना है। अमेरिकी मीडिया ने तेजी से इस दावे की तथ्य-जांच की और कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने पुराने वीडियो साझा किए, जिसमें ट्रंप हिलेरी को जेल भेजने की बात कह रहे थे।

पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पत्नी हिलेरी क्लिंटन के खिलाफ निजी ईमेल सर्वर के इस्तेमाल को लेकर जांच की गई थी लेकिन कोई आरोप दायर नहीं किया गया था। ट्रंप को पिछले सप्ताह 34 मामलों में दोषी ठहराया गया था। उन्हें 11 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी।

महिलाओं के आश्रय गृह में काम करें डोनाल्ड ट्रंप, पूर्व राष्ट्रपति को दोषी करार देने पर स्टॉर्मी डैनियल्स

न्यूयॉर्क । पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को अदालत ने व्यापारिक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में दोषी माना है। 2016 में हुए राष्ट्रपति चुनाव की पूर्व संध्या पर पैसे देने के आरोप मामले में ट्रंप को दोषी करार देने के फैसले का एडल्ट फिल्म स्टार स्टॉर्मी डैनियल्स ने स्वागत किया है। उन्होंने फैसले के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि उन्हें जेल होना चाहिए। मुझे लगता है कि उन्हें जेल की सजा होनी चाहिए। महिलाओं के लिए बने आश्रय गृह में स्वयंसेवक के रूप में भी काम करना चाहिए। फैसले की खुशी लेकिन अदालत में होना डरावना अनुभव डैनियल्स की गवाही ट्रंप के खिलाफ आए फैसले में अहम साबित हुई है। उन्होंने अपनी गवाही में 2006 में हुई एक आकस्मिक यौन मुठभेड़ का ग्राफिक विवरण शामिल किया था। अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा, अदालत में होना बहुत डराने वाला था, क्योंकि जूरी सदस्य आपकी ओर देख रहे थे। हालांकि, इस बात की खुशी है कि फैसला सुनाया जा चुका है। यह साबित हो चुका है कि वह पूरे समय सच बोल रही थीं इस बात पर भी मुहर लगी है। मेरे लिए यह अभी खत्म नहीं हुआ है। यह मेरे लिए कभी खत्म नहीं होने वाला है। ट्रंप दोषी करार दिए गए हैं, लेकिन मुझे अभी भी मुकदमे और संघर्ष की विरासत के साथ जीना होगा। 2016 का है मामला; पूर्व राष्ट्रपति व्यापारिक धोखाधड़ी के 34 मामलों में दोषी बता दें कि न्यूयॉर्क के 12 लोगों की एक जूरी ने ट्रंप को 2016 के राष्ट्रपति चुनाव की पूर्व संध्या पर डैनियल्स को पैसे के भुगतान करने के मामले में दोषी पाया। ट्रंप पर पैसे का भुगतान को छुपाने के प्रयास और व्यापारिक धोखाधड़ी के 34 मामलों में दोषी पाया।

एक ही दिन मनाए जाएंगे ये तीन प्रमुख पर्व

भगवान शिव का मिलेगा आशीर्वाद

भगवान शिव की पूजा सच्चे मन से करने से हर मनोकामना पूरी होती है। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि का दिन भगवान शिव की पूजा के लिए शुभ माना जाता है। इस बार दोनों व्रत एक ही दिन पड़ रहे हैं। यह भोलेनाथ को अतिप्रिय हैं। इसके साथ ही दूसरा बड़ा मंगल भी इसी तिथि को मनाया जाएगा। ऐसे में इन तीन तिथियों के एक साथ पड़ने से यह दिन बहुत शुभ माना जा रहा है। ऐसे में इस दिन किसी विशेष मुहूर्त की जरूरत नहीं होगी।

इस शुभ अवसर पर अधिक से अधिक धार्मिक कार्यों में अपना मन लगाएं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा करने से शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। आइए, जानते हैं कि इस दिन की सही तिथि और पूजन समय क्या है।

प्रदोष व्रत तिथि

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 4 जून 2024 को दोपहर 12.18 बजे होगी। यह तिथि 4 जून को रात 10.01 बजे समाप्त होगी। पंचांग के अनुसार, इस बार प्रदोष व्रत 4 जून को रखा जाएगा। भौम प्रदोष की पूजा का समय शाम 7.16 बजे से रात 9.18 बजे तक रहेगा। मासिक शिवरात्रि की पूजा समय रात्रि 11.59 बजे से 12.40 बजे तक रहेगा।

मासिक शिवरात्रि तिथि

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 4 जून को रात 10.01 बजे शुरू होगी। यह 5 जून 2024 को 07:54 बजे समाप्त होगी। निशिता काल में शिवरात्रि पूजा अधिक शुभ मानी जाती है।

तुलसी के पौधे के पास न रखें ये वस्तुएं

आर्थिक समस्या का करना पड़ सकता है सामना

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है। यह पौधा पूजनीय भी है। साथ ही तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास भी माना जाता है। यही कारण है कि सुबह-शाम तुलसी के पौधे को न सिर्फ जल चढ़ाया जाता है, बल्कि दीपक भी लगाया जाता है। तुलसी पूजन से कई समस्याओं से छुटकारा भी मिलता है और मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है।

वैसे तो तुलसी पूजन शुभ है, लेकिन यदि इस दौरान कुछ नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। साथ ही साथ ही कुछ वस्तुएं तुलसी के पौधे के पास नहीं रखना चाहिए, ऐसा करने से इसके अशुभ परिणाम भी मिल सकते है। इसके साथ ही मां लक्ष्मी भी नाराज हो सकती है। ऐसे में तुलसी पूजन के दौरान किन बातों का ध्यान रखन जाए, आपको इस लेख में बताते हैं।

जूते-चप्पल

तुलसी के पौधे के पास जूते-चप्पल रखने से बचना चाहिए। यदि इस नियम का पालन न किया जाए तो मां लक्ष्मी नाराज हो सकती है, जिससे आर्थिक समस्याएं आती है।

कांटेदार पौधे

तुलसी के पास कांटेदार पौधे लगाने से गृह क्लेश की समस्या खड़ी हो जाती है, जिससे जातकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में तुलसी के पास कांटेदार पौधे लगाने से बचना चाहिए।

साफ-सफाई का रखें ध्यान

चूंकि तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है और मां लक्ष्मी स्वच्छ स्थानों पर ही वास करती है। लिहाजा तुलसी के पौधे के पास साफ-सफाई होना चाहिए। खास तौर पर कूड़ेदान तो बिल्कुल नहीं रखना चाहिए।

झाड़ू न रखें

तुलसी के पौधे के पास झाड़ू रखने से बचना चाहिए। मान्यता है कि इससे वास्तु दोष की समस्या खड़ी होती है।

बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है वट सावित्री व्रत

इस विधि से करें बरगद के पेड़ की पूजा

वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। यह त्योहार विवाहित महिला के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। इस दिन सभी विवाहित महिलाएं वट वृक्ष या बरगद के पेड़ की विधि-विधान से पूजा करती हैं। साथ अखंड सुहाग की कामना करती हैं। कहा जाता है कि बरगद के पेड़ में भगवान विष्णु, शिव जी और भगवान ब्रह्मा का वास होता है।

वट सावित्री व्रत 2024 तिथि

इस बार ज्येष्ठ अमावस्या तिथि 5 जून की शाम 7 बजकर 54 मिनट से शुरू होकर अगले दिन 6 जून की शाम 6 बजकर 07 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार, वट सावित्री व्रत 6 जून, गुरुवार को रखा जाएगा। वट सावित्री व्रत के दिन पूजा का शुभ समय सुबह 11.52 बजे से दोपहर 12.48 बजे तक रहेगा।

वट सावित्री व्रत पूजा विधि

* वट सावित्री व्रत के दिन वट वृक्ष या बरगद के पेड़ की विधि-विधान से पूजा करें।
* इसके बाद वट वृक्ष की 7 या 11 बार परिक्रमा करते हुए पेड़ के चारों ओर कच्चा सूत लपेटते रहें।
* यदि कच्चा सूत उपलब्ध न हो तो कलावा का भी प्रयोग किया जा सकता है।
* इसके बाद वट वृक्ष या बरगद के पेड़ पर जल चढ़ाएं।
* वट सावित्री व्रत की कथा वट वृक्ष के नीचे ही बैठकर सुनें।
* इसके बाद भगवान से अपने पति की लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करें।

भगवान ब्रह्मा के कहने पर शेषनाग ने उठाया पृथ्वी का भार, पढ़िए पौराणिक कथा

नाग कुल में सबसे पहले शेषनाग का जन्म हुआ। इस कारण इन्हें ब्रह्मांड का पहला नाग माना जाता है। शेषनाग के पास 1 हजार फन होते हैं, जिन पर उन्होंने ग्रहों सहित पूरे ब्रह्मांड का भार उठाया है। सृष्टि की रचना और विनाश में भी शेषनाग की विशेष भूमिका है। शेषनाग के अवतारों का वर्णन महाभारत, रामायण और कई अन्य पुराणों में भी मिलता है। कहा जाता है कि शेषनाग ने अपनी मां के धोखे से क्रोधित होकर उन्हें त्याग दिया था, जिसके बाद वह हमेशा के लिए भगवान विष्णु की शरण में चले गए।

100 सांपों को दिया जन्म

ब्रह्मा के पुत्र प्रजापति कश्यप की दो पत्नियां थीं। कद्रू और विनता, जो दक्ष प्रजापति की पुत्रियां थीं। प्रसन्न होने पर ऋषि कश्यप ने विनिता और कद्रू से अपनी पसंद का वरदान मांगने को कहा। इसके बाद कद्रू ने अपने समान तेजस्वी एक हजार सर्पों को पुत्र के रूप में पाने का वरदान मांगा और विनता ने केवल 2 शक्तिशाली पुत्रों का वरदान मांगा। वरदान प्राप्त करने के बाद कद्रू ने 100 सांपों को जन्म दिया। नागों में सबसे पहले शेषनाग प्रकट हुए। विनीता से पक्षी उत्पन्न हुए।

अपनी मां और भाइयों का किया त्याग

कद्रू और विनिता दक्ष प्रजापति की पुत्रियां थीं, फिर भी

कद्रू, विनिता से ईर्ष्या करती थी। उसने एक बार धोखे से विनिता को खेल में हरा दिया और उसे अपनी दासी बना लिया। जब शेषनाग ने देखा कि उनकी मां और भाइयों ने उसकी मौसी विनिता के साथ विश्वासघात किया है, तो वह बहुत दुखी हुआ। उन्होंने उसी समय अपनी मां और भाइयों को छोड़ दिया। फिर वह गंधमादन पर्वत पर तपस्या करने लगे।

शेषनाग ने कठोर तपस्या करके ब्रह्माजी को प्रसन्न किया। उन्होंने ब्रह्मा जी से कहा, मेरे सभी भाई मंदबुद्धि हैं। इसलिए मैं उनके साथ नहीं रहना चाहता। वे माता विनिता तथा उनकी संतानों से घृणा करते हैं। शेषनाग की इस निस्वार्थ भक्ति से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि तुम्हारी बुद्धि कभी भी धर्म से विचलित नहीं होगी। पृथ्वी निरंतर घूमती रहती है, इसलिए इसे फन पर रखो, ताकि यह स्थिर हो जाए। कहा जाता है कि तभी से शेषनाग ने ही पृथ्वी का भार उठाया हुआ है।

शेषनाग ने भगवान विष्णु के साथ कई अवतार लिए हैं। महाभारत ग्रंथ के अनुसार, त्रेता युग में शेषनाग ने लक्ष्मण के रूप में और फिर द्वापर युग में बलराम जी के रूप में अवतार लिया।

जादू की तरह काम करते हैं हनुमान चालीसा के ये टोटके, करियर की सभी बाधाएं होंगी दूर

भगवान हनुमान की पूजा शास्त्र में बेहद ही शुभ मानी गई हैं। उन्हें संकटमोचन भी कहा जाता है। जैसा की नाम से पता चल रहा है कि वे अपने भक्तों के संकट को सदैव दूर करते हैं। मंगलवार का दिन हनुमान जी की पूजा के लिए समर्पित है। ऐसे में अगर आप करियर से जुड़ी किसी भी प्रकार की समस्या से परेशान हैं, तो आपको पवन पुत्र की पूजा करनी चाहिए। साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

वहीं, ज्योतिष शास्त्र में हनुमान चालीसा को लेकर कई सारे उपाय बताए गए हैं, जिन्हें करने से कार्यक्षेत्र से जुड़ी व अन्य मुश्किलों से छुटकारा मिलता है।

करियर में सफलता के लिए करें ये 3 उपाय

* अगर आपको नौकरी या बिजनेस से जुड़ी किसी मुश्किल का लगातार सामना करना पड़ रहा है, तो भगवान हनुमान के किसी भी मंदिर जाएं। उन्हें लाल चोला, पान, सुपारी अर्पित करें। इसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ करें। साथ ही कार्यक्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना करें। इस उपाय को 5 मंगलवार तक करें। ऐसा करने से करियर की सभी समस्याएं दूर होंगी।
* ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अगर आप किसी इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं, तो आपको हनुमान जी की पूजा जरूर करनी चाहिए। सबसे पहले स्नान करें। इसके बाद विधि अनुसार हनुमान चालीसा का पाठ करें। फिर आरती से पूजा को समाप्त करें। पूजा में हुई गलती के लिए क्षमा मांगे। ऐसा करने से आपको करियर में सफलता प्राप्त होगी।
* रोजाना एक स्टील के लोटे में जल के साथ हल्दी मिलाकर भगवान सूर्य को अर्ध्य दें। इसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ करें। साथ ही इस दोहे ''बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरौं पवन-कुमार। बल बुधि बिद्या देहु मोहिं, हरहु कलेस बिकार।।'' का पाठ करें। ऐसा करने से आप कार्यक्षेत्र में सफल होंगे।

रहस्यमयी है केवड़ा स्वामी मंदिर की कहानी

यहां जंजीरों से बंधे हैं भगवान भैरव

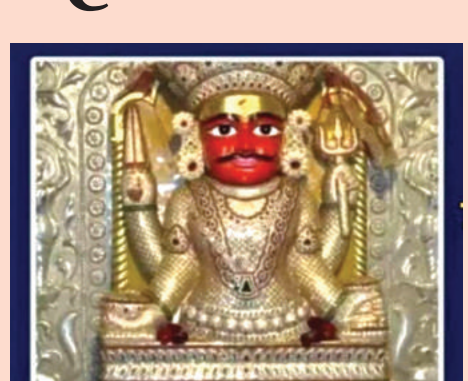

सनातन धर्म में भगवान भैरव को तंत्र-मंत्र का देवता माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान भैरव की पूजा करने से शिव जी प्रसन्न होते हैं। कालाष्टमी का त्योहार भगवान भैरव को समर्पित माना जाता है। यह पर्व हर महीने कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस शुभ अवसर पर भगवान भैरव की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। विशेष कार्यों में सिद्धि के लिए इस दिन व्रत भी रखा जाता है। इस दिन भगवान भैरव के मंदिरों में विशेष उत्साह देखने को मिलता है। देश में भगवान भैरव को समर्पित एक मंदिर है, जहां भगवान की मूर्ति जंजीरों से बंधी हुई है। आइए, जानते हैं कि इसका क्या रहस्य है।

600 वर्षों से हो रही है पूजा

मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले में केवड़ा स्वामी मंदिर स्थित है। इस मंदिर में भगवान भैरव की मूर्ति कई सालों से स्थापित है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में 600 वर्षों से भगवान भैरव की पूजा की जा रही है। भक्त यहां भगवान भैरव की विधि-विधान से पूजा करते हैं। भगवान भैरव की कृपा से घर में व्याप्त नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा मिलता है। साथ ही शत्रु भी परास्त होते हैं।

दाल-बाटी का जाता है भोग

केवड़ा स्वामी मंदिर में भगवान भैरव की मूर्ति को जंजीरों से बांधकर रखा गया है।

मंदिर के बारे में मान्यता है कि भगवान भैरव बच्चों के साथ खेलने के लिए अपने मंदिर से निकल जाते थे। काफी देर तक खेलने के बाद वह ऊब गए, तो भैरव जी ने बच्चों को तालाब में फेंक दिया। इसी वजह से केवड़ा स्वामी मंदिर में स्थापित भगवान भैरव की मूर्ति को जंजीरों से बांध दिया गया था। हर साल भैरव पूर्णिमा और अष्टमी के अवसर पर बड़ी संख्या में भक्त मंदिर में आते हैं और भगवान के दर्शन करने के बाद दाल बाटी का भोग लगाते हैं।

सबसे पहले शनिदेव ने चरवाहे को दिए थे दर्शन

रोचक है शनि शिंगणापुर मंदिर से जुड़ी कथा

शनिवार का दिन न्याय के देवता शनि देव को समर्पित है। शनिदेव की पूजा करने के लिए यह दिन विशेष माना जाता है। शनिवार का व्रत भी रखा जाता है, इससे शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है। सनातन ग्रंथों में वर्णित है कि ज्येष्ठ अमावस्या को शनिदेव अवतरित हुए थे। इस तरह हर साल ज्येष्ठ अमावस्या को शनि जयंती मनाई जाती है। शनि की ढैय्या और साढ़ेसाती से मुक्ति के लिए नियमित रूप से शनिदेव की पूजा करनी चाहिए। अगर अच्छे कर्म किए जाए, तो शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही बुरे कर्म करने वाले व्यक्ति को शनिदेव दंड भी देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा भी गांव है, जहां लोग अपने घर के मुख्य द्वार पर कभी ताला नहीं लगाते हैं।

शनि शिंगणापुर मंदिर से जुड़ी कथा

सनातन के ग्रंथों में वर्णित है कि प्राचीन काल में एक चरवाहा शाम के समय अपनी गायें चराने जाता था। तभी उसकी नजर एक काले पत्थर पर पड़ी। चरवाहे ने अपने पास मौजूद एक धारदार औजार से पत्थर को खरोंचने की कोशिश की। जैसे ही चरवाहे ने धारदार औजार से पत्थर को छुआ तो खून टपकने लगा। यह देखकर चरवाहा हैरान रह गया। उसने दौड़कर अन्य लोगों को बुलाया और उन्हें स्थिति की जानकारी दी। सभी लोगों ने इसे दैवीय चमत्कार माना और पत्थर को छूकर प्रणाम किया।

उसी रात न्याय के देवता शनिदेव चरवाहे के सपने में आए और कहा कि वह काला पत्थर कोई और नहीं बल्कि मेरा ही स्वरूप है। यह सुनकर चरवाहे पहले शनिदेव को प्रणाम किया। इसके बाद उसने कहा, क्या उन्हें मंदिर बनाने की जरूरत है? उस समय शनिदेव ने कहा, मन्दिर बन सकते हैं। हालांकि, मंदिर में छत आवश्यक नहीं है। चरवाहे ने शनिदेव की ओर देखकर कहा, ऐसा ही होगा, प्रभु। इसके बाद शनिदेव ने कहा- जो व्यक्ति प्रतिदिन पूजा और तेल से अभिषेक करेगा उस पर मेरी विशेष कृपा रहेगी। मैं आप सभी की रक्षा करूंगा। इसके साथ ही मैं आपके घर, आपकी निजी संपत्ति, हर चीज की रक्षा करूंगा। अगर किसी ने जाने-अनजाने में इस गांव से कुछ भी चुराने की कोशिश की, तो मैं उसे सजा दूंगा। तब से शनि शिंगणापुर गांव के हर घर के मुख्य दरवाजे पर ताला नहीं लगाया जाता। कई घरों में दरवाजे या खिड़कियां तक नहीं हैं।

शनिदेव के तीन सिद्धपीठ मंदिर

भारत में शनिदेव के तीन सिद्धपीठ मंदिर हैं। इनमें पहला है, महाराष्ट्र के अहमदनगर में स्थित शनि शिंगणापुर मंदिर। दूसरा सिद्धपीठ मंदिर मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में स्थित है। यह सिद्ध पीठ स्थान शनिचरा मंदिर के नाम से जाना जाता है। तीसरा सिद्ध पीठ मंदिर उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित कोसी कलां में स्थित है। ये तीन सिद्धपीठ मंदिर पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं। सिद्ध पीठ मंदिर में शनिदेव की पूजा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। धार्मिक मान्यता है कि सिद्धपीठ मंदिर में शनिदेव की पूजा करने से सभी प्रकार के अशुभ प्रभावों से छुटकारा मिलता है। कोकिला वन में भगवान श्रीकृष्ण ने शनिदेव को कोयल के रूप में दर्शन दिए थे। इसलिए इसे कोकिला वन कहा जाता है।

शर्लिन चोपड़ा ने प्रिंटेड बिकनी पहन गिराई बिजली

बॉलीवुड एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा सोशल मीडिया पर हमेशा अपनी हॉट और ग्लैमरस तस्वीरों से धमाल मचाती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह प्रिंटेड बिकनी पहनी हुई नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में शर्लिन चोपड़ा खुले बालों और ग्लोइंग मेकअप के साथ पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। उनकी हॉटनेस देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। इन तस्वीरों पर सोशल मीडिया पर कई लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। फैंस शर्लिन की खूबसूरती और हॉटनेस की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप तो आग लगा रही हैं शर्लिन जी। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा, आप इतनी खूबसूरत कैसे हो सकती हैं। शर्लिन चोपड़ा अक्सर अपनी बोल्ड और बेबाक तस्वीरों और वीडियो के लिए सुर्खियों में रहती हैं।मोना चोपड़ा उर्फ़ शर्लिन चोपड़ा एक भारतीय मॉडल-फिल्म अभिनेत्री हैं। वह हिंदी सिनेमा में अपने ग्लैमरस अंदाज और प्लेबॉय मैगजीन के लिए जानी जाती हैं।

शर्लिन चोपड़ा का जन्म 11 फ़रवरी 1984 को हैदराबाद में हुआ था। शर्लिन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत वर्ष 2005 में फिल्म टाइमपास से की थी। उसके बाद उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में सहायक भूमिकाये अदा की। वह निर्देशक रुपेश पॉल की इंग्लिश फिल्म कामसूत्र 3 डी की मुख हीरोइन रह चुकीं हैं। इस फिल्म की स्क्रीनिंग 66 कंस फिल्म फेस्टिवल समारोह में भी की गयी थी। शर्लिन बड़े पर्दे के अलावा छोटे पर्दे पर भी सक्रियर हैं। वह कलर्स के बहुचर्चित और बहुविवादित शो बिगबॉस सीजन 3 का हिस्सा रह चुकीं हैं। हालांकि वह शो में ज्यादा दिन नहीं टिक सकी और 27वें दिन उन्हें घर से बेघर होना पद गया। इसके अलावा वह एमटीवी के शो स्प्लिट्सविला में भी नजर आ चुकी हैं।

मिस्टर एंड मिसेज माही के आगे फीकी पड़ी सावी!

ऐसा रहा दिव्या खोसला की फिल्म का सेकेंड डे कलेक्शन

दिव्या खोसला स्टारर फिल्म सावी ने थिएटर्स पर दस्तक दे दी है. सावी 31 मई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और ऐसे में फिल्म का कई दूसरी फिल्मों के साथ क्लैश भी हुआ है. इसके बावजूद सावी बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन ठीक-ठीक ओपनिंग करने में कामयाब रही. वहीं अब दूसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है जिसमें फिल्म की कमाई में थोड़ी घटती दिख रही है.सैकनिल्क की मानें तो सावी ने पहले दिन 1.6 करोड़ रुपए के कलेक्शन के साथ बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग ली. वहीं दूसरे दिन दिव्या खोसला की फिल्म के कलेक्शन में थोड़ी कमी आई और इसने 1.50 करोड़ रुपए का कारोबार किया है. अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सावी की कुल कमाई 3.10 करोड़ रुपए हो गई है.सावी के साथ-साथ 31 मई को मिस्टर एंड मिसेज माही और छोटा भीम भी रिलीज हुई हैं. ऐसे में दिव्या खोसला की फिल्म पर क्लैश का असर दिखाई दे रहा है. राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के आगे सावी का कलेक्शन काफी कम है। जहां सावी ने दूसरे दिन 1.50 करोड़ रुपए कमाए तो वहीं मिस्टर एंड मिसेज माही का कलेक्शन 4.50 करोड़ रहा.सावी के साथ-साथ 31 मई को मिस्टर एंड मिसेज माही और छोटा भीम भी रिलीज हुई हैं. ऐसे में दिव्या खोसला की फिल्म पर क्लैश का असर दिखाई दे रहा है. राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के आगे सावी का कलेक्शन काफी कम है। जहां सावी ने दूसरे दिन 1.50 करोड़ रुपए कमाए तो वहीं मिस्टर एंड मिसेज माही का कलेक्शन 4.50 करोड़ रहा.फिल्म में दिव्या खोसला लीड रोल में हैं, जिन्होंने सावी का किरदार निभाया है. इसके अलावा हर्षवर्धन राणे सत्यनारायण के रोल में हैं और अनिल कपूर भी अहम भूमिका अदा करते नजर आए हैं।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल ने खास अंदाज में सोनाक्षी को किया बर्थडे विश, लोग बोले- हैप्पी बर्थडे भाभी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा हाल ही में संजय लीला भंसाली की सीरिज 'हीरामंडी' में नजर आई थीं। इस वेब शो में सोनाक्षी ने फरीदन का किरदार निभाया था। इस सीरिज में लोगों ने सोनाक्षी सिन्हा की एक्टिंग के साथ-साथ उनके डांस की भी जमकर तारीफ की। आज शुत्रघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी अपना 37वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। इस मौके पर फैंस के साथ-साथ सेलेब्रिटीज भी सोनाक्षी सिन्हा को बर्थडे की बधाइयां दे रहे हैं। लेकिन रूमर्ड बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल ने सोनाक्षी सिन्हा संग कुछ क्यूट फोटोज शेयर कर, एक्ट्रेस के दिन को खास बना दिया है। जहीर इकबाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तीन तस्वीरें शेयर की हैं। पहली फोटो में जहीर और सोनाक्षी पार्टी में जमकर मस्ती करते नजर आ रहे हैं तो वहीं दूसरे फोटो में सोनाक्षी और जहीर रोमांटिक अंदाज में पोज दे रहे हैं। तीसरी फोटो में सोनाक्षी और जहीर फनी पोज देते नजर आ रहे हैं। इन तीनों ही तस्वीरों में जहीर इकबाल और सोनाक्षी सिन्हा काफी क्यूट लग रहे हैं। इन फोटोज को शेयर करते हुए सोनाक्षी ने कैप्शन में लिखा, हैप्पी बर्थडे सोनज। इन फोटोज में जहीर इकबाल सोनाक्षी सिन्हा पर जमकर प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं। जहीर इकबाल के इस पोस्ट पर सोनाक्षी सिन्हा ने रिएक्ट करते हुए कई इमोजी बनाए हैं। लोग खूब रिएक्ट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल के इन फोटोज पर रिएक्ट करते हुए एक यूजर ने लिखा, हैप्पी बर्थडे भाभी। तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, बेस्ट कपल। बता दें कि जहीर और सोनाक्षी काफी लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि अभी तक दोनों ने अपना रिश्ता ऑफिशियल नहीं किया है। लेकिन जहीर और सोनाक्षी दोनों ही रोमांटिक फोटोज शेयर कर एक-दूसरे पर प्यार लुटाते नजर आ जाते हैं। दोनों के फोटोज सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरते हैं।

नताशा स्टेनकोविक-हार्दिक पांड्या की जोड़ी सलामत? तलाक की अफवाहों के बीच एक्ट्रेस ने री-स्टोर कीं क्रिकेटर की फोटोज

मॉडल और एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक और क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के रिश्ते में अनबन को लेकर बीते काफी दिनों से खबरें आ रही हैं। दरअसल, नताशा स्टेनकोविक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से हार्दिक पांड्या के साथ की तस्वीरों को हटा दिया था और सरनेम से पांड्या रिमूव कर दिया था। इसके बाद से लगातार अटकलें लग रही थीं कि नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या का तलाक हो गया है। हालांकि, इस कपल ने कभी कोई बयान नहीं दिया था। अब नताशा स्टेनकोविक ने फैंस के सरप्राइज कर दिया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हार्दिक पांड्या के साथ की तस्वीरों को रिस्टोर कर लिया है। हालांकि, नताशा स्टेनकोविक के द्वारा फोटोज को हटाने और रिस्टोर करने की वजह सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या के सेपरेशन की बातें लगातार हो रही थीं। ये कपल साथ में काफी दिनों से साथ में नजर नहीं आ रहा था और इसी बीच नताशा स्टेनकोविक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से से हार्दिक पांड्या के साथ की तस्वीरों को हटा दिया था और सरनेम से पांड्या रिमूव कर दिया था। जिसके चलते इस बात को हवा मिल गई कि नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या अलग हो गए हैं। इन सब अटकलों के बीच नताशा स्टेनकोविक ने हार्दिक पांड्या के साथ की तस्वीरों को रिस्टोर कर लिया है।

बॉडी लैंग्वेज और टोन पर करना पड़ा काम

सलोनी बत्रा ने गांठ में अपने रोल पर कहा

एक्ट्रेस सलोनी बत्रा जल्द ही थ्रिलर सीरीज गांठ में नजर आने वाली हैं। उन्होंने अपने रोल के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्हें इसके लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज और टोन पर काम करना पड़ा।मानव विज और मोनिका पंवार स्टारर गांठ की शूटिंग दिल्ली में चल रही है। सीरीज में सलोनी एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं।सलोनी ने कहा, यूनिफॉर्म में होना अपने आप ही जिम्मेदारी की भावना पैदा करता है, खासकर गांठ जैसे शो के लिए, जिसकी कहानी पूरी तरह से एक क्रूर अपराध की जांच के इर्द-गिर्द घूमती है।ट्रेलर में पुलिस इंस्पेक्टर गदर सिंह और साइकियाट्रिक साक्षी मुर्मू एक साथ मिलकर सामूहिक आत्महत्या मामले को सुलझाते हुए दिख रहे हैं, जिसमें एक घर में सात शव लटके हुए मिले थें। उनकी जांच में कई पहलू सामने आए, जिनमें गंभीर अपराध, धार्मिक विश्वास, अंधविश्वास और सामाजिक मनोविकृति है।सीरीज के बारे में बात करते हुए सलोनी ने कहा, स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद, मैं अपने किरदार को निभाने के लिए बेहद एक्साइटेड थी। यह मेरे द्वारा पहले किए गए किरदारों से बिल्कुल अलग था। मुझे बॉडी लैंग्वेज, टोन, सीनियर्स और साथी सदस्यों के साथ रिश्ते और सबसे महत्वपूर्ण बात, बैकस्टोरी पर काम करना था।एक्ट्रेस ने कहा कि इन बारीकियों पर काम करने में बहुत मजा आया।उन्होंने कहा, मानव की मौजूदगी ने मेरे लिए हर पल को और भी बेहतर बना दिया। उनकी ईमानदारी, एनर्जी और हमारे बीच की दोस्ती ने शूटिंग को और भी मजेदार बना दिया। उन्होंने अपने एक्सपीरियंस से मेरी बहुत मदद की।कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित, यह सीरीज 11 जून को जिओ सिनेमा पर प्रीमियर होगी।बता दें कि सलोनी ने संदीप रेड्डी वांगा की डायरेक्शन में बनी एक्शन क्राइम थ्रिलर एनिमल में रणबीर सिंह की बहन रीत का किरदार निभाया था। इस फिल्म में रणबीर कपूर, बॉबी देओल, अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, सुरेश ओबेरॉय और सलोनी बत्रा समेत कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज काफी सोच समझकर ही लोगों से बातचीत करनी चाहिए दिमाग को शान्त ही रखना पडेगा। आपके जीवनसाथी से तनाव कारण बन सकता हैं. आप–अपने परिचितों के साथ लेन–देन में सावधानी बरतें अन्यथा बाद में सम्बन्धों में गिरावट आ सकती है. किसी मित्र के सहयोग से आमदनी बढ सकती हैं धन की स्थिति में सुधार होगा. किसी अनुभवी की राय आपके लिए फायदेमंद रहेगी. स्वास्थ्य मे सुधार होगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज मन से दृढ होकर किसी भी काम को करेंगे वह अवश्य ही सफल होगा, परिणाम सार्थक और सकारात्मक होगा. जीवनसाथी के साथ थोड़ा समय बिताने, उसकी समस्याओं को ध्यान से सुनने और भावनाओं को बेहतर तरीके से समझने से संबंधों में मधुरता आएगी।

आपके व्यक्तिगत जीवन में तनाव कम रहेगा , सामाजिक और राजनीति दोनो प्रकार का ही लाभ दिखेगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आपने घर के बडें बुजुर्गो के साथ धार्मिक यात्रा करनी पडेगी । माता–पिता की बातो को अनदेखा न करें । किसी काम को शुरू करने से पहले माता–पिता का आर्शीवाद लें, आपको फायदा जरूर होगा. अचानक धन लाभ का योग बन रहा है. आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिसके साथ बात करके आपकी दिनभर की थकान दूर हो जायेगी. परिस्थितियां भी आपके अनुकूल रहेगी. आपको दूसरो की मदद करतें रहना चाहिए मित्रों को निराश नही करना चाहिए ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज परिवार के सदस्यों से वाद विवाद हो सकता हैं जिससे मन दुखी होगा । पिछले कुछ समय से जिन गलतफहमियों की वजह से आपके रिश्ते ठीक नहीं चल रहे थे आज वह दूर हो सकते हैं. यात्रा कष्टदायी हो सकती है. अचानक सामने आने वाले कामों के लिए खुद को पहले से तैयार कर लें. जमीन संबंधी कोई लेन–देन कर रहे हैं, तो पहले अच्छे से उस जगह की जांच–पड़ताल कर लें. आज यात्रा कष्टदायक रहेगी जरूरी होतो गुड का सेवन करके यात्रा का आरंभ करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बुद्धि का जबर्दस्त परिचय आप समाज के सामने देंगे आप की प्रतिष्ठा बढेगी । प्रभावशाली वाणी होने के कारण लोगों से आप अपनी बात मनवा सकेंगे. इन कारणों से आप अपने व्यवसाय में अच्छा कर पाएंगे और प्रचुर लाभ कमा पाएंगे. यात्रा से भी लाभ मिलेगा. संतान या शिक्षा को लेकर यदि आप कोई प्रयास कर रहे थे, तो आपकी मेहनत का फल मिलने वाला है. परन्तु जीवनसाथी या मित्रों के साथ बिना वजह विवाद हो सकता है. स्वास्थ्य एकदम तंदुरुस्त रहेगा

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज हनुमान मंदिर मे गाय के घी का दीपक प्रज्वलित करें कार्य सिद्ध होंगे आज आप खुद को फिट महसूस करेंगे.नजदीकी लोगों के साथ समय बिताने से आपको ख़ुशी मिलेगी.कार्यालय में किसी काम को लेकर आपकी तारीफ होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा. जो लोग सरकारी काम से जुड़े हैं, उनको कोई बढ़िया ऑडर मिल सकता है. घर में शुभ–प्रसंगों का आयोजन हो सकता है. जीवन में खुशियां बरकरार रहेगी. नंदी को गेहूँ का भूसा खिलाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज स्थान परिवर्तन का योग बनेगा आप स्थान परिवर्तन नही चाहते हैं तो नौ मंगलवार को हनुमानजी को सिन्दूर चढाए , घर मे सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी परन्तु किसी बात को लेकर जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद होंगे. आत्मसम्मान मे कमी महसूस होगी . शाम को परिवार के साथ समय बितायेंगे. स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी चल रही है तो आज उससे राहत मिलेगी. आज कोई नजदीकी या प्रिय व्यक्ति मानसिक शांति बनाए रखने में मददगार होगा. मन उदास है तो शिव मंत्र का स्मरण करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का समय सफलताओं वाला हैं परन्तु पारिवारिक मामलों से संबंधित झगड़ा हो सकता है. यदि आप उनसे दूर रहेंगे तो आप प्रसन्न रहेंगे. सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्ति के लिए समय प्रतिकूल है नई परियोजनाएं अमल में लाएंगी. व्यवसाय में उन लोगों को अपने उद्यमों में बढ़ावा मिलेगा और नई व्यापार केन्द्र स्थापित करेंगे.बहुत बेचैनी हो तो किसी धार्मिक ग्रन्थों का आश्रय करें अथवा अपने ईष्टदेव का स्मरण करें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नक्षत्र बल आप को पूरा सहयोग देगा अपना व्यापार बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे. रिश्तों में आपसी प्रेम बढेगा उधार दिया हुआ पैसा अचानक ही वापस मिल जायेगा. कोई रिश्तेदार आपके घर पर अचानक से आ सकते हैं. इससे घर का वातावरण कुछ बदल सकता है. बच्चे काफी खुश नजर आयेंगे. बिजनेस के क्षेत्र में बड़े–बड़े लोगों से मिलने में मदद मिलेगी, आपकी तरक्की सुनिश्चित है. प्रातः मंदिर के दर्शन करके दिन का शुभ आरंभ करना चाहिए रिश्ते मजबूत होंगे.शाम के वक्त परिवार के साथ डिनर का प्रोग्राम बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

हनुमानजी को चमेली की पुष्प माला अर्पित करें जिससे पैसों का दबाव खत्म हो जाएगा. राहत मिल सकती है. पैसों के क्षेत्र में कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं. आज आप बड़ा फायदा दिलाने वाली डील कर सकते हैं. भूमि भवन आदि खरीदने के योग बन रहे हैं. आत्म–विश्वास बनाए रखें, आज आप किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का सामना आसानी से कर पाएंगे. रात्रि मे गहरी निंद्रा के लिए हल्का सुपाच्य भोजन करना होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप के विरोधी आप पर पैनी नजर बनाए हुए हैं अतः कार्य आरंभ से पूर्व अन्तिम क्षणों मे अपनी कार्य शैली को तुरन्त ही बदल ले आप के विरोधी पस्त हो जांएगे । आज कुछ लोग बहुप्रतीक्षित सफलता प्राप्त करेंगे. आज आप वचनबद्धता से घिरे रह सकते हैं. किन्तु शुभ स्वास्थ्य हेतु तनाव मुक्त रहने की कोशिश करें. आपको परिवार और व्यापार में संतुलन बनाने की आवश्यकता पड़ सकती है. इसके साथ समाज ही आप को सामाजिक गतिविधियों मे सहयोगी बनना पडेगा

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप की पद प्रतिष्ठा में उन्नति हो सकती है. बिजनेस में अच्छी प्रगति के योग हैं. जीवनसाथी से भी मदद मिलती रहेगी. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. आपको अपने काम में सफलता जरूर मिलेगी. पैसों से जुड़े किसी मामले को सुलझाने के लिहाज से आज का दिन अच्छा है. आपकी कुछ नए–पुराने दोस्तों से भी मुलाकात हो सकती है. आज आप को काम से फुर्सत मिल जाए तो परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान भी बनना चाहिए

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 04 जून 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 10:03 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 10:35 तक
योग : शोभन प्रातः 06:11 तक
करण : गर प्रातः 11:11 तक
चन्द्रराशि : मेष उत्तर रात्रि 04:14 तक
सूर्योदय : 05:40, सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33, सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भौम प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि व्रत
भद्रा रात्रि 10:02 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एकादशी के उद्यापन में व्रत के भोजन से 130 लोग बीमार

उपचार के लिए अस्पताल भेजा

उदयपुर,03 जून (एजेंसियां)। जिले के भींडर कस्बे में रविवार रात चौबीसा ब्राह्मण समाज के सामूहिक भोज कार्यक्रम के दौरान व्रत का खाना खाने के बाद 130 लोग अस्वस्थ हो गए, जिनका उपचार कस्बे के गुलाबसिंह शक्तावत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। एक महिला की तबियत अधिक बिगड़ जाने पर उसे उदयपुर के महाराणा भूपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार भींडर के चौबीसा ब्राह्मण समाज ने रविवार को एकादशी के अवसर पर सामूहिक उद्यापन का आयोजन रखा था। समाज के जिन लोगों का उपवास था, उन्हें फलाहार के रूप में सावा की खिचड़ी खिलाई गई थी। समाज के लोगों का मानना है कि जिन लोगों ने खिचड़ी खाई केवल उन्हीं की तबीयत बिगड़ी है, जिन लोगों का उपवास नहीं था उनकी तबीयत ठीक रही। पूर्व विधायक रणधीर सिंह भींडर, पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत, पुलिस अधिकारी और चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी भींडर अस्पताल पहुंचे। घटना स्थल से भोजन और फलाहार सामग्री के नमूने लिए गए हैं, जिनकी फोरेंसिक लैब में जांच कराई जाएगी।

टीटीई कॉलोनी अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम के विरोध में उतरे लोग

सार्वजनिक भूखंड पर बना रखी थी दीवार

सिरोही,03 जून (एजेंसियां)। आबूरोड में नगर पालिका प्रशासन ने टीटीई कॉलोनी स्थित भूखंड पर किए गए अतिक्रमण को हटवाने की कार्रवाई की। यहां एक व्यक्ति ने मौके पर दीवार बनवाकर अतिक्रमण कर रखा था। इस दौरान टीम को विरोध का सामना करना पड़ा। कुछ देर बाद वहां मौजूद लोगों ने उन्हें समझाबुझाकर शांत कराया।

शहर के टीटीई कॉलोनी स्थित सार्वजनिक भूखंड पर अतिक्रमण की शिकायत मिलने पर नगर पालिका के कार्यवाहक स्वास्थ्य निरीक्षक अशोक मीणा, कार्यवाहक जमादार दिलीप कुमार, रोहित और सफाई कर्मचारी सुनील अपने सहयोगियों के साथ यहां पहुंचे।

इन लोगों ने जैसे ही जेसीबी से अतिक्रमण हटाने का कार्य शुरू करवाया। वैसे ही कुछ लोग वहां आ गए। इन लोगों ने नगर पालिका के कार्य का विरोध करना शुरू कर दिया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने समझाबुझाकर इनको शांत कराया। इसके बाद भूखंड पर किए गए अतिक्रमण को हटवा दिया गया। अतिक्रमण हटाने की कारवाई के दौरान अधिशासी अधिकारी तेजराज भंडारी मौजूद रहे।

चुनाव नतीजों से ठीक पहले डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का बड़ा बयान

दौसा,03 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में हमेशा चर्चा में रहने वाले डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई सात लोकसभा सीटों में से एक भी सीट भाजपा हारती है, तो वे मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।

डॉ. मीणा ने जिन सात सीटों की जिम्मेदारी ली है, उनमें दौसा की सीट प्रमुख है, हालांकि इस सीट के प्रभारी कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ हैं। डॉ. मीणा खुद जयपुर ग्रामीण सीट के प्रभारी बनाए गए थे। इनके अलावा अलवर, भरतपुर, धौलपुर–करौली, टोंक–सवाई माधोपुर और कोटा सीटें भी उनकी जिम्मेदारी में आती हैं।

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आने वाले हैं। इससे पहले भी डॉ. मीणा का एक बयान वायरल हुआ था, जब वे महुआ विधानसभा में भाजपा उम्मीदवार को जिताने की अपील कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि अगर भाजपा उम्मीदवार नहीं जीतता है तो वे मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। डॉ. मीणा का सरकार पर सवाल उठाना कोई नई बात नहीं है। वे सरकार में रहते हुए भी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते रहे हैं और कई मुद्दों पर हमलावर रहे हैं। उनके इस इस्तीफे की घोषणा से राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी सरकार के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

मीणा की इस घोषणा से भाजपा के कार्यकर्ताओं और नेताओं में हलचल मच गई है। चुनावी माहौल में इस तरह के बयान से पार्टी के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अब सभी की निगाहें लोकसभा चुनाव के नतीजों पर टिकी हैं। देखना होगा कि डॉ. मीणा अपनी बात पर कायम रहते हैं या नहीं। बहरहाल राजनीतिक गलियारों में इसकी गूंज दिल्ली तक सुनाई दे रही है।

बिजली कनेक्शन करा रहे किसान को लगा करंट

गंभीर अवस्था में अस्पताल भेजा

अलवर,03 जून (एजेंसियां)। कठूमर के पत्थर पहाड़ी गांव में 11 हजार केवी की लाइन की चपेट में आने से एक 55 वर्षीय बुजुर्ग सरबसुख बुरी तरह झुलस गया, जिसे गंभीर अवस्था में कठूमर अस्पताल ले जाया गया। यहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए सरबसुख को हायर सेंटर अलवर रैफर कर दिया गया। परिजन महेंद्र यादव ने बताया कि सरबसुख 11केवी की लाइन से कनेक्शन करा रहे थे कि अचानक करंट उनके शरीर में दौड़ गया, जिससे उनके हाथ, पैर और चेहरा बुरी तरह झुलस गए। गंभीर अवस्था में उन्हें अलवर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में सात दिन बाद भी नहीं हुई गिरफ्तारी

दौसा,03 जून (एजेंसियां)। दौसा में बैजूपाड़ा थाना इलाके में बीते दिनों हुए नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं होने से पुलिस पर आरोप लगाने का सिलसिला शुरू हो गया है। दौसा पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उन पर इनाम भी घोषित कर दिया है। साथ ही आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी भी कर रही है लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिल पाई है।

उधर नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले को लेकर रविवार को ब्राह्मण समाज बांदीकुई ने श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना संघ के बैनर तले मुख्यमंत्री के नाम बांदीकुई तहसीलदार धर्मेन्द्र मीणा को ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा चतुर्वेदी ने बताया कि विगत 25 मई को उपखंड के बैजूपाड़ा में समाज की नाबालिग बच्ची के साथ कुछ नामजद आरोपियों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया था लेकिन मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरोपी खुले में घूम रहे हैं और पीड़िता सहित उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीड़िता व उसके परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई जाने और आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किए जाने को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है और 7 दिनों के अंदर गिरफ्तारी करने का अल्टीमेटम दिया है।

झुंझनू किडनी कांड: धनखड़ की लापरवाही का नया खुलासा

एनेस्थेटिक की मदद के बगैर कर डाला ऑपरेशन

झुंझुन,03 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनू जिले के धनखड़ हॉस्पिटल में हुए गलत किडनी के ऑपरेशन को लेकर अस्पताल पर सख्त कार्रवाईयां की जा रही हैं। इसी बीच अब डॉ. संजय धनखड़ के किडनी कांड में हुए नए खुलासे में एनेस्थेटिक की मदद के बिना ऑपरेशन किया जाना सामने आया है। डॉ. संजय धनखड़ के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद जो 5 विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमेटी का गठन किया गया था, जिसमें कई बिंदुओं पर धनखड़ की लापरवाही मानी गई है।

नहीं लिया एनेस्थेटिक का सहयोग

सीएमएचओ डॉ. राजकुमार डांगी ने बताया कि मुख्य रूप से डॉ. संजय धनखड़ ने ऑपरेशन में एनेस्थेटिक का सहयोग नहीं लिया। वहीं आर्गन से जुड़ा ऑपरेशन होने के बावजूद ना तो ऑपरेशन से पहले और ना ही ऑपरेशन के बाद में बायप्सी करवाई। ये दोनों ही चीजें चिकित्सक की गंभीर लापरवाही है। बिना एनेस्थेटिक के ऑपरेशन करना, एक तरह से मरीज की जान के साथ खेलने जैसा है।

जांच रिपोर्ट में पांचों विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भी यह माना है कि खराब किडनी की जगह डॉ. संजय धनखड़ ने सही किडनी निकाल दी और किडनी निकालने के बाद भी जिस तरह से वो किडनी ट्रे में रखी गई थी, वो संक्रमित हो गई। किडनी के निस्तारण को लेकर भी बायो वेस्ट कानून की अवहेलना की गई है।

मरीज की जान के साथ खिलवाड़

डॉ. डांगी ने बताया कि डॉ. धनखड़ का राजस्थान मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन रद्द करने के लिए निदेशालय को लिखा जा चुका है, जिससे आगे की कार्रवाई तय होगी। बता दें कि इस रिपोर्ट संबंधी खुलासे के बाद तय हो गया है कि डॉ. धनखड़ एक सामान्य सर्जन थे, जिन्हें किडनी का ऑपरेशन करने के लिए कम से कम यूर–ोलॉजिस्ट का सहयोग लेना चाहिए था।

नारनौंद में जींद भिवानी रोड पर फटा कार का टायर

एक ही परिवार के पांच लोग हुए घायल, बच्चे की हालत गंभीर

बास/हिसार,03 जून (एजेंसियां)। हिसार जिले के बास थाना क्षेत्र में सुंदर ब्रांच नहर के नजदीक जींद भिवानी रोड पर एक बीट गाड़ी का अगला पहिया जाम होने से कार अनियंत्रित होकर खंभे से जा टकराई। कार में एक ही परिवार के पांच लोग सवार थे। पांचों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों का हिसार के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार गांव उगालन निवासी सतबीर अपने परिवार के साथ गांव से मुंढाल के लिए चले थे। कार सतबीर का छोटा बेटा मंगल चला रहा था। साथ में उसके बड़े बेटे सोमदत्त की पत्नी मीनाक्षी व उसके दोनों बेटे चिराग (3) और मयंक (10) भी थे। सोमदत्त के दोनों बेटों की स्कूलों की ग्रीष्मकालीन छुट्टियां होने के चलते अपनी मां मीनाक्षी के साथ नाना के घर जा रहे थे। सतबीर व मंगल उनको मुंढाल से बस में बैठाने के लिए घर से चले थे। जैसे ही वे लोग बास से निकलकर सुंदर ब्रांच नहर के पास पहुंचे तो कार का अगला पहिया जाम हो गया और टायर फट गया। जिसके बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई और वहां पर एक खंभे से जाकर टकरा गई। जिसमें कार में सवार पांचों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

राहगीरों ने सभी घायलों को कार से निकालकर हिसार भेजा। हिसार के एक निजी अस्पताल में पांचों घायलों का इलाज चल रहा है। जहां पर 3 वर्षीय चिराग की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही बास पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नहर में नहाते समय डूबने से युवक की गई जान, एक सप्ताह में पांचवीं मौत

नारनौल,03 जून (एजेंसियां)। नारनौल की नहरों में लोगों के डूबने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। अब एक युवक की दौचाना के पास नहर में डूबने से मौत हो गई। जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे और युवक को बाहर निकाला गया। रविवार देर शाम पोस्टमार्टम कर परिजनों को शव सौंप दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार दौचाना निवासी 18 वर्षीय राजेंद्र रविवार को एक अन्य व्यक्ति के साथ बकरी चराने के लिए नहर के पास गया था। जब गर्मी लगी तो नहर में नहाने लगा। बताया जा रहा है कि नहर में नीचे पेड़ों की जड़ में उसका पैर फंस गया, जिसकी वजह से युवक बाहर नहीं निकल सका और डूबने से उसकी मौत हो गई। युवक अविवाहित है।

एक सप्ताह में पांचवें युवक की नहर में डूबने से मौत हुई है। 25 मई को डेरोली जाट के पास दो युवकों की नहर में डूबने से मौत हुई थी, जिनके शव को कड़ी मशक्कत के बाद प्रशासन व ग्रामीणों ने बाहर निकाला था।

वहीं 30 मई को दो चचेरे भाईयों की फतनी गांव में टैंक में नहाते समय में मौत हो गई थी। अब दो जून को एक और युवक की नहर में डूबन से मौत हो गई।

अजायब गांव में यूपी के चिनाई मिस्त्री की निर्मम हत्या

सोते हुए पर किया वार, पीजीआई में भर्ती

रोहतक,03 जून (एजेंसियां)। रोहतक में सोमवार तड़के महम चौबीसी के गांव अजायब में चिनाई मिस्त्री की कस्सी से काटकर हत्या का प्रयास किया गया। उसे गंभीर हालत में पीजीआई के ट्रामा सेंटर में दाखिल कराया गया है। वारदात सोमवार तड़के 4 व 5 बजे के बीच अंजाम दी गई है। महम पुलिस वारदात की जांच पड़ताल कर रही है।

महम थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतपाल ने बताया कि सूचना मिली कि यूपी के मुजफ्फरनगर निवासी राजू अजायब गांव में एक मकान बना रहा था। रात को उसी मकान में सोया हुआ था। तड़के चार व पांच बजे के बीच वह लहूलुहान हालत में मिला। किसी ने उसकी गर्दन व चेहरे पर कस्सी से वार कर रखे थे। इसके कारण उसका काफी खून बह चुका था। तत्काल पीजीआई ले जाया गया, जहां हालत गंभीर बनी हुई है।

बाड़े के विवाद को लेकर महिलाओं समेत 6 घायल

टोंक,03 जून (एजेंसियां)। टोंक में सदर पुलिस थाना इलाके के अरनिया तिवाड़ी गांव में बाड़े के विवाद को लेकर विवाद हो गया, जिसमें करीब आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सआदत अस्पताल पहुंचाया। उधर घायलों का कहना है कि तीन पहले ही सदर पुलिस थाने को लिखित में शिकायत दी थी कि आरोपी जानलेवा हमला कर सकते हैं लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

रघुपति भट ने भाजपा पर मतदाताओं को रिश्वत देने का लगाया आरोप

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण-पश्चिम स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के निर्दलीय उम्मीदवार रघुपति भट ने कहा किशिवमोग्गा, चिक्कमगलूरु और कोडागु क्षेत्रों में भाजपा ने हर घर में 2000 रुपये बांटकर मतदाताओं को रिश्वत दी है। वोट डालने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए रघुपति भट ने कहा शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में पैसे बांटना और मतदाताओं को रिश्वत देना पहली बार हुआ है। कांग्रेस ने कभी मतदाताओं को रिश्वत नहीं दी है और इस बार भी ऐसा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा मुझे इस चुनाव में जीत का भरोसा है, क्योंकि मतदाताओं ने मुझे वोट देने का फैसला किया है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में बने रहने की भी कामना करता हूं। विधानसभा चुनाव में पैसे बांटने की रस्म कभी नहीं हुई, लेकिन शिवमोग्गा चुनाव में ऐसा हुआ। यह मानना कि पैसे बांटकर वोट हासिल किए जा सकते हैं, एक बड़ा झूठ है, जो इस चुनाव में साबित हो सकता है। एक निजी टेलीविजन चैनल की क्लिप में मेरे चुनाव से हटने का झूठा दावा किया गया है। उन्होंने कहा भाजपा के मेरे साथी इस चुनाव में मेरा समर्थन कर रहे हैं। चुनाव के बाद मैं भाजपा में वापस आऊंगा और जीत का जश्न मनाऊंगा। हमारे प्रधानमंत्री को अधिकतम वोटों से जीतना चाहिए और उडुपी में कोटा श्रीनिवास पुजारी और मेंगलूरु में कैप्टन बृजेश चौटा को चुनाव जीतना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि भाजपा सभी 28 पदों पर जीतेगी।

विधान परिषद चुनाव के लिए

कांग्रेस के 7 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के सात और विपक्षी भाजपा के तीन उम्मीदवारों ने विधान परिषद की रिक्त सीटों के लिए अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

इसके अलावा जेडीएस के एक उम्मीदवार ने नामांकन किया। विधानसभा में 13 जून को चुनाव होंगे। कांग्रेस के उम्मीदवारों में पूर्व वरुणा विधायक यतींद्र सिद्धरामैया, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एनएस बोस-राजू, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार के गोविंदराज, केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष वसंत कुमार, पूर्व एमएलसी और परिषद में सचेतक इवान डिसूजा, पार्टी के कलबुर्गी जिला अध्यक्ष जगदेव गुट्टेदार और कर्नाटक अल्पसंख्यक आयोग की पूर्व अध्यक्ष बिलकिस बानो शामिल हैं।

उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल करने के समय सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, केपीसीसी पदाधिकारी और मंत्री मौजूद थे। सोमवार को नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख थी। चुनाव 13 जून को होंगे।

निर्वाचन क्षेत्र में राज्य विधानसभा के सदस्य शामिल हैं। 11 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं, जिनमें से विधानसभा में अपनी संख्या के आधार पर भाजपा के तीन जीतने की संभावना है। कांग्रेस सात सीटें जीतने की स्थिति में है और जेडी(एस) एक सीट जीत सकती है।

नालंदा में हवलदार की मौत

ड्यूटी कर कैंप लौटे थे, अचानक बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में गई जान

पटना (एजेंसियां)।
नालंदा में चुनाव की ड्यूटी में तैनात जवान की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि उन्हें कोई बीमारी भी नहीं थी। अचानक कैसे और क्यों उनकी मौत हो गई? इसकी जांच होनी चाहिए।

वहीं कुछ लोग लू लगने की बात भी कह रहे हैं। घटना सोहसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत राजकीय कन्या उच्च विद्यालय का है। मृतक की पहचान जहानाबाद जिला के मखदुमपुर थाना इलाके के चाड़ गांव निवासी कपिल देव शर्मा के पुत्र संजीव कुमार (50) के रूप में हुई। वे मतगणना एवं विधि व्यवस्था के लिए नालंदा आए थे और राजकीय कन्या उच्च विद्यालय में ठहरे हुए थे।

कंपनी कमांडेंट हरेंद्र शर्मा ने बताया कि रविवार रात्रि करीब 8:00 बजे उनकी बातचीत हवलदार संजीव कुमार से हुई थी उसे समय बिल्कुल ठीक-ठाक स्थिति में थे। इसके बाद वे वहां से अपने होटल आ गए। इसी बीच फोन आया कि हवलदार संजीव कुमार की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें अचानक सोने वक्त लूज मोशन हो गया। इसके बाद किसी तरह से उन्हें इलाज के लिए निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पहले से उन्हें किसी तरह की कोई बीमारी नहीं थी। मौत की पुष्टि के बाद परिजनों को इसकी जानकारी दी गई।

सोहसराय थाना अध्यक्ष राजमणि ने बताया कि जवान रोहतास बीसैप कंपनी के हवलदार थे। मतगणना के दौरान विधि व्यवस्था को लेकर थाना इलाके में उनकी ड्यूटी लगाई गई थी। रविवार को ड्यूटी करने के बाद जब वह अपने कैंप गए तो अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। जिसके बाद इलाज के लिए निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया जहां उनकी मौत हो गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

सोहसराय थाना अध्यक्ष राजमणि ने बताया कि मतगणना के दौरान विधि व्यवस्था को लेकर थाना इलाके में हवलदार संजीव कुमार की ड्यूटी लगाई गई थी। ड्यूटी करने के बाद जब वह अपने कैंप गए तो अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई।

भाजपा काल में भी हुए कई घोटाले, जिसने भी गलत किया वो गलत: रामलिंगारेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
परिवहन मंत्री रामलिंगारेड्डी ने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में कई तरह के घोटाले हुए। जिसने भी ऐसा किया है, वह गलत है। विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के शासन के दौरान मैसूरु सैंडल सोप कॉरपोरेशन, कपड़ा निगम समेत हर बोर्ड में घोटाले हुए। उन्होंने कहा हम नहीं चाहते कि यह जारी रहे क्योंकि अतीत में इसमें खामियां रही हैं। गलती तो गलती होती है चाहे कोई भी करे। अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कमियां होने पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार, एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और अन्य लोग निर्णय लेंगे। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा के पास आलोचना करने की कोई नैतिकता नहीं है। उन्होंने कहा कि रविवार को वह कांग्रेस विधायक दल की बैठक में नहीं जा सके क्योंकि उनके पास अन्य काम थे। उन्होंने कहा कि वहां कई मुद्दों पर चर्चा हुई। लोकसभा चुनाव बाद सर्वेक्षण केंद्र सरकार की प्रायोजित रिपोर्ट है। इसके अलावा हम आश्चर्यजनक नतीजों की उम्मीद करते हैं। पिछले चुनाव में सर्वे रिपोर्ट में कहा गया था कि कांग्रेस 85 से 104 सीटों पर सिमट जाएगी। लेकिन बढ़कर हमने 136 सीटों पर जीत हासिल की है। इसलिए लोकसभा चुनाव बाद जारी सर्वे को हम गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

मंत्री के इस्तीफे के लिए जमकर संघर्ष रहेगा जारी: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विपक्षी नेता आर अशोक ने कहा कि वाल्मिकी विकास निगम घोटाले के तहत मंत्री नागेंद्र के इस्तीफे तक भाजपा अपना संघर्ष जारी रखेगी। शहर में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार दलितों का 187 करोड़ रुपया निगल कर पी गयी। उन्होंने सिद्धरामैया की आलोचना करते हुए कहा कि वह मंत्री का इस्तीफा लिए बिना ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी इंतजार कर रहे हैं कि मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बनें और फिर फैसला करें। उन्होंने बताया कि हमने राज्यपाल के दौरे, विधायकों द्वारा संघर्ष और जिलों में संघर्ष के बारे में चर्चा की है। सीटी रवि, एन रविकुमार, एमजी मुले के चयन पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए काम करने वालों को तरजीह दी गई है। उन्होंने कहा कि विधान परिषद में हमारी आवाज बुलंद करने के लिए उन्हें चुना गया है।

27 से 30 जून तक होगी शिक्षक भर्ती परीक्षा

बीपीएससी ने जिलाधिकारी से मांगी सेंटरों की सूची

पटना (एजेंसियां)।
पटना हाईकोर्ट ने तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा पर रोक लगा दी थी।

अब बिहार लोक सेवा आयोग ने सभी जिलों के डीएम को पत्र भेजा है। इसमें लिखा है कि वर्ग एक से पांच, छह से आठ, नौ से 10 और 11 से 12 के लिए 87, 774 पदों के लिए 27 से 30 जून को परीक्षा होगी। यह परीक्षा एक पाली में होगी। इसलिए छह जून तक सेंटर की सूची उपलब्ध करवा दें। ताकि ससमय पर परीक्षा आयोजित की जा सके। बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक सत्य प्रकाश शर्मा ने बताया कि शिक्षक भर्ती परीक्षा की तिथि में बदलाव किया गया है। पटना हाईकोर्ट के निर्देश के अनुसार, अतिथि शिक्षकों को भी मौका देना होगा। इसके बाद फिर से आवेदन लिए जाएंगे। इसलिए परीक्षा की तिथि में बदलाव किया गया है। बता दें कि तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा सात से 10 जून के बीच होनी थी। इसके बाद पटना हाईकोर्ट ने इस परीक्षा पर रोक लगा दी। बता दें कि 29 मई को पटना हाईकोर्ट ने तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा पर फिलहाल रोक लगा दी थी। इतना ही नहीं कोर्ट ने प्लस 2 स्कूल के अतिथि शिक्षक को वेटेज देने के मामले पर आदेश जारी किया था।

दुष्कर्म मामले को पंचायत कर सुलझाने वाले मुखिया-सरपंच को गिरफ्तार करेगी पुलिस

दरभंगा (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा में दुष्कर्म के मामले को पंचायत कर सुलझाने के मामले में दरभंगा पुलिस ने मुखिया मनीष महथा और सरपंच पति मो. हसनैन सहित पंद्रह लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी करना शुरू कर दी है। गौरतलब है कि इस मामले में दुष्कर्म के आरोपी सुनील महतो को गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेज चुकी है। जानकारी के मुताबिक, बाजितपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक मार्च को आरोपी सुनील महतो ने एक युवती से दुष्कर्म किया था। मामला सामने उजागर होने पर दोनों पक्षों के बीच पंचायत में आपसी समझौता कराते हुए आरोपी सुनील महतो पर पंचायत ने एक लाख 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए उसे आरोप मुक्त कर दिया था। लेकिन इस घटना ने नया मोड़ तब ले लिया जब पंचायत बैठने के पंद्रह दिन बाद अचानक से इलाज के दौरान अस्पताल में पीड़िता की मौत हो गई। उसके बाद लोगों की सूचना पर पहुंची स्थानीय थाना पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के

सीएम नीतीश कुमार के गृह जिले में जदयू कार्यकर्ता की निर्मम हत्या

पत्नी बोली- चुनावी रंजिश में मार डाला

पटना (एजेंसियां)।
नालंदा में चुनावी रंजिश और भूमि विवाद को लेकर जदयू कार्यकर्ता की निर्मम हत्या कर दी गई है। मामला परबलपुर थाना क्षेत्र के माउआ गांव का है। मृतक की पहचान स्वर्गीय ब्रह्मदेव प्रसाद के पुत्र अनिल कुमार (60) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में अनिल कुमार की पुत्री ने बताया कि शौच के लिए आज सुबह उसके पिता खेत की ओर गए थे। जहां पर घात लगाए गांव के ही आधा दर्जन बदमाशों ने उन पर भाला लेकर हमला कर दिया और शरीर में जगह-जगह पर भाला भोककर उनकी निर्मम हत्या कर दी गई। परिजन ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान वे पोलिंग एजेंट बने थे। इसके बाद गांव के ही कुछ लोगों ने उन्हें देख लेने की धमकी दी थी। और आज उनकी निर्मम हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी मिलने ही नालंदा लोकसभा क्षेत्र से जदयू प्रत्याशी कौशलेंद्र कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों को सांत्वना दी।

उन्होंने कहा कि अनिल कुमार जदयू के सच्चे कार्यकर्ता थे। वह पोलिंग एजेंट भी बने थे। इसके बाद कुछ लोगों ने इन्हें देख लेने की धमकी दी थी उन्हीं लोगों के द्वारा आज उनकी हत्या कर दी गई है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी मेरी संवेदनाएं परिवार के साथ है। जदयू कार्यकर्ता की पत्नी ने बताया कि सहोदर भाई से ही चार बीघा जमीन को भूमि को लेकर विवाद चल रहा है। उन्हीं लोगों ने भूमि विवाद और चुनावी रंजिश को लेकर उनके पति की हत्या करवाई है। घटना की जानकारी मिलने के उपरांत पवलपुर थाना अध्यक्ष पप्पू कुमार शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे और पूरे मामले की छानबीन में जुट गए हैं।

बेगूसराय में गंगा स्नान करने गए तीन छात्र नदी में डूबे एक युवक की मौत

मुंगेर (एजेंसियां)।
बिहार के बेगूसराय में गंगा स्नान करने के दौरान तीन छात्र डूब गए, जिनमें से एक छात्र की डूबने से मौत हो गई। जबकि दो छात्रों को स्थानीय लोगों ने किसी तरह गंगा नदी में डूबने से बचा लिया। छात्र की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। यह घटना नया गांव थाना क्षेत्र के नया गांव गंगा घाट की है। मृतक छात्र की पहचान लाखों थाना क्षेत्र के पनसल्ला गांव निवासी मुकुंद सिंह के बेटे प्रत्यूष कुमार के तौर पर की गई है। परिजनों ने बताया कि छात्र प्रत्यूष कुमार अपने दो दोस्तों के साथ नया गांव गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के लिए गया था। स्नान करने के दौरान ही तीनों छात्र गंगा नदी में डूबने लगे। वहां तीनों छात्र को डूबता देख स्थानीय लोगों ने दो छात्रों को किसी तरह डूबने से बचा लिया, जबकि प्रत्यूष कुमार को नहीं बचाया जा सका और डूबने से उसकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना नया गांव थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद छात्र प्रत्यूष कुमार का शव गंगा नदी के पानी से बाहर निकाला। उसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया और मामले में आगे की कार्रवाई में जुट गई।

सबसे ज्यादा महापंडित तेजस्वी हैं: जीतन राम मांझी

गया (एजेंसियां)।
पूर्व मुख्यमंत्री और गया से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीरवार जीतन राम मांझी ने महागठबंधन और तेजस्वी यादव पर हमला बोला है। तेजस्वी के 25 सीट जीतने के दावे वाले बयान पर मांझी ने कहा कि उनको तो कहना चाहिए था कि वह खुद बिहार में 45 सीट ला रहे हैं। सबसे ज्यादा महापंडित तेजस्वी यादव हैं तो कुछ नहीं कहना है। सभी ने एग्जिट पोल में एनडीए को बढ़त बताया है। सबका अनुमान गलत है। सिर्फ इन्हीं का अनुमान सही है। हमें कुछ कहना नहीं है। सभी का एग्जिट पोल में 300 से लेकर 400 सीट बताया है। मैं भी समझता हूं कि एनडीए को 400 के आसपास जरूर आएगा।

जीतन राम मांझी ने कहा कि इंडी गठबंधन के पास मुद्दा क्या था..? प्रधानमंत्री कौन होगा? उनलोगों ने बताया कभी? बिना दूल्हा का बाराती होता है? बिना दूल्हा का बाराती लोग अगर जाते हैं तो बराती को लौटा दिया जाता है। वैसे हीं यहां की जनता ने बिना दूल्हा का चुनाव लडे. तो बैरंग लौटा दिया है। सभी एनडीए के पक्ष में मतदान किया है। बेरोजगारी की बात हमेशा कह रहे है लेकिन मैं समझता हूं कि भारत की जनता, बिहार की जनता इतना मूर्ख नहीं है कि जो बेरोजगारी के मुद्दा को विशेष रूप से लें।

जब भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वां स्थान पर थी। आज हम पांचवे स्थान पर हो गए तो जाहिर है की हमारे पास पैसा ज्यादा आएगा। केंद्र और राज्य के पास पैसा आएगा। 2027 तक तीसरी अर्थव्यवस्था पर बन जाएंगे तो जाहिर सी बात है पैसा ज्यादा आएगा तो रोजगार करेंगे नौकरी की क्या जरूरत है। शिक्षित लोग नौकरी और रोजगार को समझ रहे हैं। भले अनपढ़ लोग नहीं समझे। आजादी का शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत अर्थव्यवस्था में पहला स्थान पर होगा। इसलिए एग्जिट पोल से भी अच्छा रिजल्ट आने वाला है। 400 पार हमलोग जाएंगे। 406 से 410 तक रहेंगे। मांझी ने कहा कि आज गनीमत है कि इंडी गठबंधन के लोग चुनाव आयोग को कुछ नहीं बोल रहे है। ईवीएम के बारे में नहीं बोल रहे हैं। चार जून को कहेंगे ईवीएम में गड़बड़ी हो गई। ईवीएम हैक करने वाला व्यक्ति राजभवन में खड़ा है तक कह दिया। यही सब बहाना उनलोगों ने चुना है।

दिल्ली में पीएम से मुलाकात करने नीतीश कुमार के पहुंचने पर मांझी ने कहा कि भाजपा की बैठक थी। हो सकता है कि सीएम नीतीश कुमार नेताओं से मिलने गए होंगे। चार जून को रिजल्ट आने वाला है। कल तक दिल्ली में रहेंगे। कोई भी राजनीतिक केंद्रीय नेतृत्व से संपर्क तो रखेगा ही वैसी परिस्थिति में नीतीश कुमार दिल्ली गए है तो अच्छी बात है। विरोधी लोग तो कुछ भी बोल सकते हैं। उनकी बात का कोई मायने नहीं रखता है और न ही जनता को समझना चाहिए।

विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत

बेतिया (एजेंसियां)।
बिहार के बेतिया में एक विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई है। मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या कर शव फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। हालांकि घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच बेतिया भेज दिया है। यह घटना जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के नरकटिया गांव की है। मृतका की पहचान गोपालपुर के नरकटिया गांव निवासी धर्मेंद्र चौधरी की पत्नी रंजू देवी (28) के तौर पर की गई है।

इधर, मृतका के पिता फागुनी सहनी ने बताया कि सुबह फोन पर रंजू से उनके परिवार ने बात की थी। रंजू ने उन्हें बताया कि उसके घर वाले उससे मारपीट कर रहे हैं। इसके बाद फागुनी सहनी अपनी पत्नी बेटाई देवी के साथ नरकटिया गांव में बेटी के ससुराल पहुंचे। जहां उसकी बेटी फंदे से लटकी हुई मिली। इसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों ने रंजू के हिस्से की संपत्ति हड़पने की नीयत से उसकी गला दबाकर हत्या कर दी है और शव को फंदे से लटका दिया है।

वहीं, मृतका के भाई मदन लाल सहनी ने बताया कि रंजू की शादी छह साल पहले नरकटिया गांव निवासी खेदू चौधरी के छोटे बेटे धर्मेंद्र चौधरी के साथ हुई थी। दोनों के दो बच्चे भी हैं। उन्होंने बताया कि रंजू के पति धर्मेंद्र बेंगलुरु में मजदूरी करते हैं। एक महीने पहले ही वह घर से अपने परिवार के भविष्य को संवारने की नीयत से गए हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com